@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

रविवार, 9 अगस्त 2026

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 276 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

दिल्ली में अब तक 127मिमी बारिश

15 साल का रिकॉर्ड टूटा। दीवार गिरने से 8 गाड़ियां दबीं

● कई जगहों पर बारिश के पानी के साथ सड़कों पर कीचड़ और गड्ढों की समस्या भी बढ़ गई है। लगातार बारिश का असर आवासीय सोसाइटियों में भी देखने को मिला।

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली समेत पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। बीते दिनों से रुक-रुककर हो रही बारिश के चलते दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद और आसपास के इलाकों में कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति बन गई है। सड़कों पर पानी भरने के कारण यातायात की रफ्तार धीमी हो गई और लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी का सामना करना पड़ा। अगस्त के पहले सप्ताह में दिल्ली में अब तक 127 मिमी बारिश हो चुकी है, जो 2011 के बाद सबसे ज्यादा बारिश है। दिल्ली के देवली इलाके में तेज बारिश के दौरान एक निजी पार्किंग की दीवार गिर गई। मलबे की चपेट में आने से पार्किंग में खड़ी 8 गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं।

वाराणसी में 50 से ज्यादा मंदिरों में पानी घुसा

वाराणसी । गंगा का जलस्तर बढ़ने से वाराणसी में बाढ़ से कई घाटों के बीच आवाजाही बाधित हो गई है। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की भी आवाजाही प्रभावित हुई है, साथ ही सुरक्षा के उपाय भी बढ़ा दिए गए हैं। अब, जलस्तर बढ़ने के कारण रुद्राभिषेक करना मुश्किल हो गया है ।

यूपी में 25 दिनों से जारी भारी बारिश से नदियां उफान पर हैं। काशी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से घाट डूब गए हैं और 84 घाटों का संपर्क टूट गया है। 50-60 छोटे मंदिरों में भी पानी घुस गया है। आगरा में सड़क धंसने से 20 फीट गहरा गड्ढा हो गया।

दिल्ली-आईआईटीमें मोदी बोले-

सिर्फ सवाल मत पूछिए, समाधान भी खोजें

'अगले 35 साल आप जो करेंगे, वह विकसित भारत का आधार होगा'

एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को IIT दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह में स्टूडेंट्स को कई सीख दीं। उन्होंने कहा, 'हर पीढ़ी की अपनी चुनौतियां और जिम्मेदारियां होती हैं। इस पीढ़ी के लिए आने वाला समय और बेहद चुनौतीपूर्ण है। इसलिए यह समझें कि अगले 35 साल में आपका काम विकसित भारत का आधार होगा।' उन्होंने कहा, 'मैंने IIT के कई पूर्व छात्रों की ... हंसने लगे। हर स्टूडेंट आने वाले कल के लिए कोई न कोई सपना देख रहा होगा। कोई अपनी पहली सैलरी का इंतजार कर रहा होगा, कोई स्टार्टअप शुरू करने का सपना देख रहा होगा, तो कोई नई ... छात्र ऐसे समय में संस्थान से निकल रहे हैं, जब दुनिया तेजी से बदल रही है। शिक्षा और वैश्विक शक्ति संतुलन में लगातार बदलाव हो रहा है। टेक्नोलॉजी की रफ्तार इतनी तेज है

पीएम मोदी से की सीएम योगी ने मुलाकात

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मुलाकात की। दरअसल, उत्तर

प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में योगी आदित्यनाथ की दिल्ली यात्रा और शीर्ष नेतृत्व से उनकी मुलाकात को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दिल्ली दौरे पर सीएम योगी ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से भी मुलाकात की। सियासी गलियारों में पीएम नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुलाकात को आगामी चुनाव की तैयारियों और पार्टी की रणनीति के संदर्भ में देखा जा रहा है। योगी आदित्यनाथ की दिल्ली यात्रा ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में चर्चाओं को भी तेज कर दिया है। शीर्ष नेतृत्व के साथ उनकी बैठक को लेकर कई तरह के राजनीतिक कयास लगाए जा रहे हैं। हालांकि, मुलाकात के एजेंडे को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से पीएम मोदी से मुलाकात को लेकर एक्स पर ट्वीट करते हुए कहा, %%नए भारत के स्वप्नद्रष्टा प्रधानमंत्री से आज नई दिल्ली में आत्मीय भेंट की। आपका मार्गदर्शन मुझे सुशासन के पथ पर अविराम गतिशील रहने की प्रेरणा देता है। बहुमूल्य समय प्रदान करने के लिए हार्दिक आभार।%% उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। चुनाव को देखते हुए राज्य की राजनीति में अभी से गतिविधियां तेज होने लगी हैं। राज्य में लगातार दूसरी बार सरकार बनाने के बाद अब पार्टी के सामने आगामी विधानसभा चुनाव में अपनी सत्ता बरकरार रखने की चुनौती होगी। ऐसे में मुख्यमंत्री का शीर्ष नेतृत्व से संवाद चुनावी तैयारियों के लिहाज से भी अहम हो सकता है। योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच होने वाली मुलाकात को लेकर राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा है। सीएम योगी और केंद्रीय नेतृत्व के बीच बातचीत को राज्य की आगे की राजनीतिक दिशा से जोड़कर देखा जा रहा है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुख्यमंत्री और केंद्रीय नेतृत्व के बीच समन्वय को हमेशा महत्वपूर्ण माना जाता है। चुनाव से पहले दोनों नेताओं के बीच बातचीत राज्य से जुड़े राजनीतिक और प्रशासनिक मुद्दों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण हो सकती है। फिलहाल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिल्ली दौरे ने उत्तर प्रदेश की आगामी चुनावी राजनीति को लेकर चर्चा तेज कर दी है। प्रधानमंत्री मोदी से उनकी मुलाकात के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि बैठक में किन मुद्दों पर बातचीत हुई और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर नेतृत्व के स्तर पर क्या रणनीति सामने आती है।

हर विदेशी फंडिंग पर शक नहीं कर सकते: सुप्रिया सुले

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने शनिवार को विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) संशोधन विधेयक के मौजूदा स्वरूप का विरोध किया। उन्होंने कहा कि हर विदेशी फंडिंग को संदेह की नजर से नहीं देखा जा सकता। सुले ने केंद्र सरकार से विधेयक वापस लेने या इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजने की मांग की। बारामती से लोकसभा सांसद सुले ने मुंबई में मीडिया से बातचीत में कहा कि सभी राजनीतिक दलों को विवादित विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा का मौका मिलना चाहिए। ऐसी खबरें हैं कि अगले सप्ताह संसद में विधेयक पर चर्चा और इसे पारित कराने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। सुप्रिया सुले ने विदेश में रहने वाले भारतीयों की ओर से भारत में अपने परिवारों को भेजे जाने वाले पैसे से विदेशी फंडिंग की तुलना भी की। सुले ने सरकार को विधेयक को संसद से जल्दबाजी में पारित कराने के खिलाफ आगाह किया। उन्होंने कहा, हम एफसीआरए विधेयक के मौजूदा स्वरूप को खारिज करते हैं और इससे असहमत हैं। अगर सरकार विधेयक वापस लेने के लिए तैयार नहीं है तो इसे संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजना चाहिए। मजबूत लोकतंत्र में केवल किसी चीज का विरोध करना पर्याप्त नहीं है। हमें साथ बैठकर उस पर चर्चा भी करनी चाहिए। सुले ने कहा कि हर विदेशी फंडिंग पर संदेह नहीं किया जा सकता और इसे अपने आप संदेह की नजर से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर किसी फंड का संबंध मादक पदार्थों की तस्करी या आतंकवाद जैसी अवैध गतिविधियों से है तो कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विदेशी फंड का इस्तेमाल भारत में वैध चिकित्सा और शिक्षा संबंधी कार्यों के लिए भी हो सकता है। उन्होंने विदेश में रहने वाले भारतीयों की ओर से भारत भेजे जाने वाले पैसे का उदाहरण भी दिया। सुले ने कहा, गेट्स फाउंडेशन और यूएसएआईडी जैसे संगठन हैं, जो कई वर्षों से अच्छा काम कर रहे हैं। हमें हर विदेशी फंड से जुड़े संगठन को बुरी नजर से क्यों देखना चाहिए? एफसीआरए विधेयक में विदेशी अंशदान और उससे जुड़ी संपत्तियों को एक %निर्दिष्ट प्राधिकरण% के अधीन रखने, उनकी निगरानी, प्रबंधन और निपटान के लिए व्यापक व्यवस्था का प्रावधान है। इसमें अस्थायी और स्थायी रूप से अधिकार में लेने की व्यवस्था भी शामिल है। विधेयक के आलोचकों का कहना है कि इससे कानून का उद्देश्य विदेशी धन को नियंत्रित करने से आगे बढ़कर स्वतंत्र संगठनों को नियंत्रित करने की दिशा में जा सकता है। प्रस्तावित परिसीमन कानून के बारे में सुले ने कहा कि विधेयक अभी पेश नहीं हुआ है, इसलिए इस पर टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा, जब यह आएगा, तब हम अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ हर विधेयक पर चर्चा करेंगे।सुले ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत की हालिया टिप्पणियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों को युवा पीढ़ी की बात सुननी चाहिए। उन्होंने कहा, मैं आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को धन्यवाद देती हूं कि उन्होंने इस नई पीढ़ी की ईमानदारी को पहचाना। मैं उनके बयान का स्वागत करती हूं। अगर भाजपा भी उनकी कही बातों को सुने तो मुझे खुशी होगी। युवाओं के प्रदर्शनों को लेकर सुले ने दावा किया कि नई पीढ़ी सरकार पर नौकरियों, ठेकों या दूसरे लाभों के लिए निर्भर नहीं है, इसलिए वह खुलकर अपनी बात रख सकती है। उन्होंने कहा, ये युवा शिक्षित हैं।

बंद घर से मिला महिला का कंकाल, एक साल पहले मौत की आशंका

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के बगलगुंटे इलाके में एक डुप्लेक्स मकान से 52 वर्षीय महिला का कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस को आशंका है कि महिला की मौत करीब एक साल पहले हुई थी। मामला हवनूर लेआउट का है, जहां दक्षायिनी नाम की महिला अकेली रहती थीं। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, करीब एक साल से दक्षायिनी के घर कोई नहीं आया था। लंबे समय तक घर बंद रहने और महिला के किसी से संपर्क में नहीं होने के बावजूद मामले की जानकारी समय रहते सामने नहीं आ सकी। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई। जांच में सामने आया है कि दक्षायिनी के पति उमेश की करीब 10 साल पहले मौत हो गई थी। इसके बाद उनके बेटे की भी कैंसर से मौत हो गई थी। पति और बेटे की मौत के बाद वह कथित तौर पर डिप्रेशन से जूझ रही थीं और घर में अकेली रह रही थीं। पुलिस ने बताया कि पिछले करीब एक साल के दौरान दक्षायिनी की बेटी और दामाद भी उनके घर नहीं आए थे। इसी वजह से लंबे समय तक उनके अकेले रहने की स्थिति बनी रही। पुलिस ने शव के अवशेषों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मौत की सही वजह जानने के लिए फोरेंसिक जांच और अन्य साक्ष्यों की मदद ली जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि महिला की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई या इसके पीछे कोई अन्य वजह थी।

सांसद पप्पू यादव पर हमला करने वाले बीजेपी नेताओं का जोरदार स्वागत

-सपा प्रमुख अखिलेश बोले- बीजेपी में जारी है दोषियों के स्वागत की परंपरा

बुलंदशहर (एजेंसी)। बिहार के बाहुबली सांसद पप्पू यादव पर हमला करने वाले आरोपियों का यूपी के बुलंदशहर में जोरदार स्वागत किया गया। शुक्रवार को जमानत पर रिहा होकर बाहर आए बीजेपी नेताओं ने दोनों पर फूल बरसाए। दोनों ने खुली जीप में रोड शो किया। वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने दोनों आरोपियों के स्वागत पर सवाल उठाए और बीजेपी सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि बीजेपी में अपराधियों की बलिहारी होती है, दोषियों के स्वागत की परंपरा जारी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुमित गिरी, हैप्पी शर्मा का ढोल-नगाड़ों के बीच बीजेपी जिलाध्यक्ष और पार्टी कार्यकर्ताओं ने मालाएं पहनाकर स्वागत किया। बारिश में भीगते हुए डांस भी किया। परिवार वालों ने दोनों को गले लगा लिया। सुमित बीजेपी का नगर मंत्री है। वहीं, हैप्पी मंडल महामंत्री है। बता दें सांसद पप्पू यादव ने 31 जुलाई को संसद में साधु के वेश में चंदा चोरी का नाटक किया था। इसके बाद लखनऊ समेत कई शहरों में उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए थे। एक हिंदूवादी ने उनका सिर कलम करने वाले को 51 लाख रुपए का इनाम देने का ऐलान किया था। इस बीच, 2 अगस्त को बुलंदशहर के रहने वाले सुमित ने अपने साथी हैप्पी के साथ मिलकर पप्पू यादव पर हमला कर दिया था। उस दौरान पप्पू यादव ने सुमित को दबोच लिया था, जबकि उनके समर्थकों ने हैप्पी की जमकर पिटाई की थी। फिर दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया था।

दिल्ली के बीचों-बीच होने वाले प्रदर्शनों से पूरे शहर को बंधक क्यों बनाया जाना चाहिए : कोर्ट

सीजेपी बोली- हमसे जंतर-मंतर नहीं छीने, पुलिस वैकल्पिक स्थान की अनुमित दे सकती है

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन और आंदोलन करने पर सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली के बीचों-बीच होने वाले प्रदर्शनों के कारण पूरे शहर को बंधक क्यों बनाया जाना चाहिए। दरअसल कोर्ट 'ऑल इंडिया दलित क्रिश्चियन राइट्स प्रोटेक्शन कमेटी' की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता ने प्रदर्शन की अनुमति मांगी थी। हाईकोर्ट की इस टिप्पणी के कुछ घंटों बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने भी रिएक्शन दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेपी ने कहा कि हमसे जंतर-मंतर नहीं छीना जाना चाहिए। याचिका में दिल्ली पुलिस को 10 अगस्त को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति देने का निर्देश देने की मांग की गई थी। संगठन ने यह भी कहा कि यदि जंतर-मंतर नहीं तो दिल्ली पुलिस किसी वैकल्पिक स्थान की अनुमति भी दे सकती है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को शनिवार तक अनुमति पर फैसला लेने को कहा। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस नजदीक है और संबंधित इलाके में निषेधाज्ञा लागू है, इसलिए अनुमति नहीं दी जा रही। इसी बीच हाईकोर्ट की टिप्पणियों पर सीजेपी ने रिएक्शन दिया। पार्टी प्रवक्ता सौरव दास ने एक्स पर लिखा कि इंडिया गेट पहले ही धरना-प्रदर्शनों के लिए बंद किया जा चुका है और अब जंतर-मंतर नहीं छीना जाना चाहिए।

15 अगस्त पर खालिस्तानी ग्रुप पंजाब के कई हिस्सों में हमले की बना रहे योजना

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 अगस्त से पहले पंजाब को हाई अलर्ट पर रखा है। एजेंसियों का कहना है कि खालिस्तान समर्थक तत्व उस दिन हमला करने की फिराक में होंगे। खुफिया ब्यूरो के एक अधिकारी ने बताया कि खालिस्तानी ग्रुप पंजाब के कई हिस्सों में हमले की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से इसकी तैयारी कर रहे थे। खालिस्तान समर्थक आतंकी ग्रुप सांकेतिक हमला करना चाहता है इसलिए उन्होंने 15 अगस्त का दिन चुना है क्योंकि वह भारत के राष्ट्रीय पर्व पर दुनिया का ध्यान आकर्षित कराना चाहेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह चेतावनी पंजाब में खालिस्तान मूवमेंट को फिर से शुरू करने के लिए आईएसआई की बड़ी कोशिशों के बीच आई है। भारत और कनाडा द्वारा गैंगस्टर-आतंकवादी नेटवर्क पर ताबड़तोड़ कार्रवाई के कारण, ये ग्रुप बैकफुट पर आ गए हैं। बेचैनी बढ़ रही है, यही कारण है कि वे पंजाब में कुछ गलत करने की सोच रहे हैं। अधिकारी ने कहा कि बैन किए गए संगठन, सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) की गतिविधियों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है। बैन किए गए संगठन का चीफ, गुरपतवंत सिंह, आजकल सोशल मीडिया पर सक्रिय है।

अमित शाह एफसीआरए और विपक्ष हंगामें की तैयारी में जुटा

लोकसभा में 3 दिन बेहद अहम!

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मॉनसून सत्र के आखिरी हफ्ते में एफसीआरए संशोधन विधेयक को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच टकराव बढ़ने के आसार हैं। कांग्रेस ने शुक्रवार को तीन लाइन का व्हिप जारी कर अपने सभी लोकसभा सांसदों को 10, 11 और 12 अगस्त को सदन में अनिवार्य रूप से मौजूद रहने का निर्देश दिया है। विपक्षी गठबंधन के अन्य दल भी अपने सांसदों की उपस्थिति सुनिश्चित करने की तैयारी में हैं। माना जा रहा है कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह एफसीआरए बिल पेश करने की तैयारी कर रहे है तो विपक्ष हंगामे के लिए कमर कस रहा है।

एफसीआरए संशोधन विधेयक 10 या 12 अगस्त को लोकसभा में पेश किए जाने की संभावना है। गृह मंत्रालय से जुड़े इस विधेयक पर विपक्ष की नजर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी पर भी है। विपक्ष मॉनसून सत्र की शुरुआत से ही 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर हुई पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर गृह मंत्री से सदन में बयान देने की मांग कर रहा है। इस मुद्दे पर सदन में कई बार गतिरोध हो चुका है। कांग्रेस ने अपने सहयोगी दलों से भी अगले सप्ताह सदन में पूरी ताकत के साथ मौजूद रहने को कहा है। पार्टी का आरोप है कि सरकार एफसीआरए विधेयक के जरिए छात्रों के विरोध जैसे मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर सकती है। समाजवादी पार्टी ने विपक्ष के सामूहिक एजेंडे का समर्थन करने की बात कही है। पार्टी ने संकेत दिया है कि जरूरत पड़ने पर वह भी व्हिप जारी कर सकती है। तृणमूल कांग्रेस ने भी अपने सांसदों को सोमवार से सदन में मौजूद रहने के निर्देश दिए हैं। एफसीआरए विधेयक को लेकर सबसे बड़ी चिंता इसके उस प्रस्तावित प्रावधान को लेकर है, जिसके तहत विदेशी अंशदान का पंजीकरण समाप्त होने वाले संगठनों की संपत्तियों पर सरकार द्वारा नामित प्राधिकरण को अधिकार मिल सकता है। खासकर ईसाई संगठनों ने इस प्रावधान पर आपत्ति जताई है। हालांकि, सरकार की ओर से संकेत दिया गया है कि विधेयक में कोई दंडात्मक पूर्वव्यापी प्रावधान नहीं होगा। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने भी गृह मंत्री से मुलाकात कर विधेयक को लेकर चिंता जताई थी। उनके मुताबिक, उन्हें आश्वासन दिया गया है कि विधेयक में पूर्वव्यापी प्रावधान शामिल नहीं होगा। इस बीच, संसद का मॉनसून सत्र 13 अगस्त को समाप्त होना है। फिलहाल इसकी अवधि बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने भी संसदीय कार्य मंत्री से विपक्ष की भावनाओं से गृह मंत्री को अवगत कराने और सदन में उनकी मौजूदगी के अनुरोध पर विचार करने को कहा है।

आप ने ई-20 फ्यूल के खिलाफ देशभर में शुरु कीं टाउन हॉल बैठकें

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने ई-20 फ्यूल के खिलाफ देशव्यापी अभियान शुरू करने का ऐलान किया है। पार्टी शनिवार 8 अगस्त से अलग-अलग राज्यों में टाउन हॉल बैठकों का आयोजन कर रही है। पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस अभियान की जानकारी दी है। संजय सिंह ने बताया है, कि पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने उन्हें और दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज को विभिन्न राज्यों में टाउन हॉल आयोजित करने की जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने कहा कि अभियान की शुरुआत पश्चिम बंगाल से हो रही है। इसके बाद 9 अगस्त को गुजरात और हरियाणा में टाउन हॉल बैठकें आयोजित की जाएंगी। 11 अगस्त को तेलंगाना, 14 अगस्त को महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश तथा 15 अगस्त को केरल में कार्यक्रम प्रस्तावित है। 16 अगस्त को तमिलनाडु, बिहार और ओडिशा में बैठकें होंगी। अभियान का अगला चरण 17 अगस्त को हिमाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ में आयोजित किया जाएगा। आप ई-20 ईंधन को लेकर लोगों के बीच चर्चा और जागरूकता बढ़ाने के साथ सरकार की ईंधन नीति पर सवाल उठा रही है। पार्टी का कहना है कि ई-20 को लेकर वाहन मालिकों की चिंताओं और इसके संभावित प्रभावों पर देशभर में चर्चा की जरूरत है। ई-20 पेट्रोल में 20 प्रतिशत तक एथेनॉल मिलाया जाता है। सरकार इसे घरेलू जैव ईंधन को बढ़ावा देने और पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता कम करने की नीति का हिस्सा बताती है। वहीं विपक्षी दल इसके प्रभावों को लेकर सवाल उठा रहे हैं।

बिहार में शराबबंदी के बाद भी नहीं थमे महिलाओं के खिलाफ अपराध

-एनसीईएआर की रिपोर्ट में कहा- शराब बिक्री पर लगी पाबंदी खत्म कर देनी चाहिए

पटना (एजेंसी)। बिहार में शराबबंदी के बावजूद महिलाओं के खिलाफ अपराधों में कमी नहीं आई है। राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीईएआर) एक शोध पत्र में दावा किया गया है। इस पत्र के मुताबिक 2016 में राज्य में लागू हुई शराबबंदी से महिलाओं के खिलाफ हिंसा नहीं थमी है बल्कि राज्य को आबकारी राजस्व का भारी नुकसान हुआ है इसलिए शराब की बिक्री और इसके सेवन पर लगी पाबंदी खत्म कर देनी चाहिए। शराबबंदी खत्म करने की यह सिफारिश 'बिहार के विकास का व्यापक परिप्रेक्ष्य: उपलब्धियां, अधूरे कार्य और आगे की राह' शीर्षक वाली रिपोर्ट का हिस्सा है। यह रिपोर्ट 2005 के बाद बिहार की विकास यात्रा का आकलन करती है और सुधार के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को रेखांकित करती है।

एनसीईएआर की रिपोर्ट में कहा गया है कि शराबबंदी से पहले शराब पर लगने वाला आबकारी शुल्क राज्य के राजस्व का एक अहम स्रोत था। शराबबंदी से ठीक पहले के तीन सालों में यह कुल राजस्व का 14 फीसदी था। रिपोर्ट में लेखकों ने कहा कि शराबबंदी लागू करने के लिए जरूरी निगरानी और तस्करी-रोधी अभियानों पर होने वाले खर्च में भारी इजाफा हुआ है जिससे राज्य का राजकोषीय घाटा और बढ़ गया। एनसीईएआर के कार्यक्रम में कहा गया कि बिहार में शराबबंदी पूरी तरह खत्म कर देनी चाहिए। इससे समाज को कोई खास फायदा नहीं हुआ है। शराब की बिक्री से प्राप्त होने वाला राजस्व कुल राजस्व का 14 से 15 फीसदी था। यह एक बहुत बड़ा नुकसान है।

एनसीआरबी के वर्ष 2012 से 2024 तक के आंकड़ों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि बिहार में महिलाओं के खिलाफ दर्ज अपराधों में वृद्धि हुई है। हालांकि, लेखकों का यह भी कहना है कि इस बढ़ोतरी का कुछ हिस्सा अपराधों की संख्या बढ़ने के बजाय ऐसे मामलों की अधिक जानकारियां सामने आने का भी संकेत हो सकता है। हालांकि, लेखकों का तर्क है कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों की बिहार की आधिकारिक दर वर्ष 2022 में प्रति लाख आबादी पर लगभग 15, जबकि राष्ट्रीय औसत लगभग 31 है। असल सुरक्षा के बजाय कम रिपोर्टिंग को दिखाती है। उनके मुताबिक एनएफएचएस-5 डेटा के अनुसार हिंसा का शिकार होने वाली 82 फीसदी महिलाओं ने कभी भी किसी अधिकारी को इसकी सूचना नहीं दी और केवल 2 फीसदी ने पुलिस से संपर्क किया।

अध्ययन के मुताबिक बिहार में बहुआयामी गरीबी वर्ष 2015-16 में 51.9 फीसदी से घट कर 2019-21 में 33.8 फीसदी रह गई जिससे अनुमानित 2.25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकल आए। इसके बावजूद बिहार में प्रत्येक तीन में एक व्यक्ति कई तरह से सुविधाओं से वंचित है जो भारतीय राज्यों में सबसे ज्यादा अनुपात है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में भारत के पूर्व कार्यकारी निदेशक सुरजीत भल्ला ने कहा कि हालांकि यह राजनीतिक रूप से सही है मगर ज्यादातर अर्थशास्त्री बहु-आयामी गरीबी सूचकांक को एक उपयोगी विश्लेषणात्मक जरिया नहीं मानते हैं।

'शेख हसीना की प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत की कोई भूमिका नहीं'

-बांग्लादेश की आपत्ति पर नई दिल्ली का दो टूक जवाब

-विदेश मंत्रालय ने कहा- भारत किसी भी मंच पर दिए गए बयानों का समर्थन नहीं करता

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की भारत में आयोजित वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस को लेकर बांग्लादेश की आपत्ति के बाद भारत ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने साफ कहा है कि इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के आयोजन में भारत सरकार की कोई भूमिका नहीं थी। साथ ही, प्रेस कॉन्फ्रेंस में शेख हसीना की ओर से बांग्लादेश की मौजूदा सरकार को लेकर की गई टिप्पणियों से भारत ने खुद को अलग कर लिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा कि भारत किसी भी ऐसे मंच पर व्यक्त किए गए विचारों का समर्थन नहीं करता। उन्होंने विशेष रूप से उन टिप्पणियों से दूरी बनाई, जो बांग्लादेश की मौजूदा सरकार के संबंध में की गई थीं। जायसवाल ने कहा कि भारत बांग्लादेश के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने और द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। दरअसल, शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस भारत में आयोजित होने के बाद बांग्लादेश ने इस पर आपत्ति जताई थी। ढाका की ओर से इस घटनाक्रम को लेकर चिंता व्यक्त किए जाने के बाद नई दिल्ली ने यह स्पष्ट किया कि कार्यक्रम से भारत सरकार का कोई संबंध नहीं था। भारत के इस रुख को दोनों देशों के बीच संवेदनशील संबंधों के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विदेश मंत्रालय के बयान से यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि भारत बांग्लादेश के आंतरिक राजनीतिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करता और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने को प्राथमिकता देता है।

जेन-जी आंदोलन और उपचुनाव में हार से बीजेपी को लगा बड़ा झटका

-जेन-जी की बात और आरएसएस प्रमुख की टिप्पणी पर थरूर ने दी प्रतिक्रिया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में जेन-जी और जेन-अलफा के साथ बातचीत और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की टिप्पणियों पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि मुझे लगता है कि सत्ताधारी पार्टी को निश्चित रूप से बड़ा झटका लगा है। हमने न केवल कॉकरोच जनता पार्टी का विरोध प्रदर्शन, एक मंत्री का इस्तीफा और इन सबके कारण जल्दबाजी में पास किया गया बिल देखा है, बल्कि अब हम दो उपचुनाव भी देख रहे हैं।

शशि थरूर ने कहा कि प्रशांत किशोर ने बीजेपी की सबसे सुरक्षित सीट पर कब्जा कर लिया है, एक ऐसी सीट जिसे बीजेपी तीन दशकों से ज्यादा समय से जीत रही थी, नौ बार उन्होंने वह सीट जीती थी, लेकिन अब वे उस सीट पर हार गए हैं। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में दतिया सीट पर अपनी जीत बरकरार रखी है। ये दोनों ही हिंदी भाषी राज्य हैं। मेरा मानना है कि अच्छी संभावना है। सौभाग्य से हमारे सिस्टम में अलग-अलग समय पर ये चुनाव होते रहते हैं। अगले मार्च में कुछ राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, जहां कांग्रेस उन राज्यों को जीतने में पूरी तरह सक्षम हो सकती है।

बता दें मुंबई में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जेन-जी से संवाद किया था, संवाद में संघ प्रमुख का कहना था कि जेन-जी और जेन-अल्फा, पुरानी पीढ़ी से भी ज्यादा देशभक्त और ईमानदार है। हमें उनकी बात सुननी चाहिए। उनसे बातचीत में कमी थी, इसीलिए दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन हुआ। भागवत ने दिल्ली में 20 जुलाई को छात्रों के प्रदर्शन के कुछ दिन बाद कहा था कि आज की नई पीढ़ी बहुत सारे सवाल पूछती है। थरूर ने स्वीकार किया कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की तरफ से हाल ही में हुए छात्र प्रदर्शनों में उठाए गए मुद्दे कांग्रेस के छात्र आउटरीच कार्यक्रम छात्रों की गूंज का ही हिस्सा थे।

उन्होंने बेबाकी से माना कि कांग्रेस का अभियान युवाओं और जेन-जी के बीच वैसी गूंज या प्रतिक्रिया हासिल करने में नाकाम रहा, जैसी सीजेपी के प्रदर्शन को मिली। मुंबई में एक संवाद कार्यक्रम में थरूर ने पार्टी के लिए आत्ममंथन की जरूरत पर जोर दिया। क्या हम जेन-जी की नब्ज पकड़ने में चूक गए? जंतर-मंतर पर हुए सीजेपी के प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए थरूर ने कहा कि सीजेपी ने जंतर-मंतर पर जिन मुद्दों को उठाया, उन्हें हम बहुत पहले ही उठा चुके थे। हमारा छात्रों की गूंज कार्यक्रम चल रहा था, जिसके तहत राहुल गांधी खुद पेपर लीक के मुद्दों पर छात्रों को संबोधित कर रहे थे, लेकिन हमें खुद से यह सवाल पूछना होगा कि हमसे कहां चूक हुई? क्या हम छात्रों को ठीक से सुन नहीं पाए? क्या जेन-जी की नब्ज पर हमारी पकड़ ढीली रह गई थी?

नेहा बोरा पर स्याही फेंकने की घटना से उठा सुरक्षा पर सवाल

-जांच और कार्रवाई की मांग

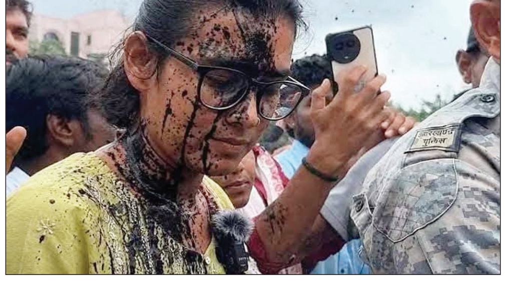

नई दिल्ली (एजेंसी)। आइसा की अध्यक्ष नेहा बोरा ने खुद पर स्याही फेंके जाने की घटना को लेकर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बावजूद एक व्यक्ति महिला प्रदर्शनकारियों तक कैसे पहुंच गया, इसकी जांच होनी चाहिए। बोरा ने झारखंड सरकार से छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार कर उन्हें स्वीकार करने की अपील भी की।घटना को लेकर बोरा ने प्रशासन से जवाबदेही तय करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के आसपास पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात थे, इसके बावजूद संदिग्ध व्यक्ति महिलाओं के बीच पहुंच गया और स्याही फेंककर निकल गया।

उन्होंने पूरे घटनाक्रम की आधिकारिक जांच और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। बोरा के मुताबिक, स्याही फेंकने वाले व्यक्ति की पहचान अमरनाथ पांडे के रूप में हुई है। उन्होंने दावा किया कि वह 26 वर्षीय हजारीबाग निवासी और आरएसएस से जुड़ा व्यक्ति है। बोरा ने कहा कि पुलिस और प्रशासन को स्पष्ट करना चाहिए कि सुरक्षा घेरे के बावजूद वह प्रदर्शन स्थल के उस हिस्से तक कैसे पहुंचा, जहां महिला प्रदर्शनकारी मौजूद थीं। उन्होंने देशभर में चल रहे छात्र आंदोलनों का जिक्र करते हुए कहा कि छात्रों में अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने का मजबूत जज्बा है। उनके मुताबिक, विरोध-प्रदर्शनों ने यह संदेश दिया है कि लगातार संघर्ष के जरिए अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि झारखंड के छात्रों ने भी आंदोलन की ऊर्जा को बनाए रखा है और सरकार को उनकी समस्याएं सुनकर समाधान की दिशा में कदम उठाना चाहिए।

संगठन ने भी घटना की निंदा करते हुए कहा कि महिला कार्यकर्ताओं पर उस समय स्याही फेंकी गई, जब वे सरकारी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के मुद्दे पर जवाबदेही की मांग कर रही थीं। संगठन के मुताबिक, प्रदर्शनकारी जेपीएससी और जेएसएससी से जुड़े कथित पेपर लीक मामलों को लेकर सरकार से कार्रवाई की मांग कर रहे थे।संगठन ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन में शामिल होने को लेकर पहले से ही कुछ समूहों की ओर से विरोध और अभियान चलाया जा रहा था। उसने घटना को इसी माहौल से जोड़ते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।नेहा बोरा ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से छात्रों की मांगों पर तत्काल ध्यान देने और पूरे मामले का समाधान निकालने की अपील की है।

जैसे ही विमान रनवे की तरफ बढ़ा आई जोरदार आवाज, पायलट ने वापस लौटाया

-सभी यात्रियों को सुरक्षित उतारा, 4 घंटे इंतेजार के बाद विमान दिल्ली हुआ रवाना

लुधियाना (एजेंसी)। लुधियाना के हलवारा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट उड़ान नहीं भर सकी। विमान रनवे की तरफ बढ़ रहा था, तभी अचानक उसमें से तेज आवाज सुनाई दी। आवाज सुनते ही पायलट ने विमान को आगे ले जाने के बजाय वापस एप्रन पर ले जाकर खड़ा कर दिया। तकनीकी खराबी सामने आने के बाद सभी यात्रियों को विमान से उतारकर सुरक्षित टर्मिनल बिल्डिंग तक पहुंचाया। इसके बाद विमान की जांच की गई और जरूरी प्रक्रिया पूरी होने के बाद फ्लाइट को करीब 4 घंटे की देरी से दिल्ली रवाना किया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस घटना के कारण यात्रियों को एयरपोर्ट पर काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। हालांकि, एयर इंडिया और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों ने तकनीकी खराबी और विमान में आई तेज आवाज के बारे में कोई जानकारी देने से इनकार कर दिया। यह पहली बार नहीं है, जब हलवारा से जुड़ी एयर इंडिया की उड़ान प्रभावित हुई हो। कुछ दिन पहले भी दिल्ली से हलवारा आ रही फ्लाइट को 10 हजार फीट की ऊंचाई से वापस दिल्ली लौटना पड़ा था। उस दिन भी खराब मौसम के कारण विमान को लैंडिंग से पहले दो चक्कर लगाने पड़े थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि 7 अगस्त को दोपहर 2:40 बजे दिल्ली के लिए फ्लाइट यात्रियों को लेकर एप्रन से रनवे की ओर बढ़ रहा था। तभी विमान में आगे की ओर से तेज आवाज आई। आवाज आते ही उड़ान रोक दी गई और विमान को वापस एप्रन पर लाया गया। यात्रियों को कर्मचारियों ने बताया कि फ्लाइट में तकनीकी गड़बड़ी आई है। इसके साथ ही दिल्ली में हो रही तेज बारिश और खराब मौसम के कारण भी उड़ान संचालन रोकने की सलाह दी गई थी। इन दोनों कारणों से टेकऑफ टाल दिया गया। विमान में 50 यात्री सवार थे। 4 घंटे की देरी की बात सुनकर 30 यात्रियों ने यात्रा रद्द कर दी और घर लौट गए। वहीं 20 यात्री इंतजार करते रहे और शाम 7 बजे विमान दिल्ली रवाना हुआ।

शांति और लंबित मुद्दों के समाधान की दिशा में आगे बढ़ना चाहते हैं भारत-चीन

-दोनों देशों के बीच हुई सीमा मामलों पर परामर्श एवं समन्वय तंत्र की 36वीं बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद के बावजूद रिश्तों में धीरे-धीरे सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगे हैं। नई दिल्ली में आयोजित भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श एवं समन्वय तंत्र की 36वीं बैठक ने साफ संकेत दिया है कि दोनों देश बातचीत के जरिए सीमा पर शांति बनाए रखने और लंबित मुद्दों के समाधान की दिशा में आगे बढ़ना चाहते हैं।

हालांकि भारत ने एक बार फिर साफ कर दिया कि द्विपक्षीय संबंधों में वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब एलएसी पर पूरी तरह शांति और स्थिरता बनी रहे। यही वजह है कि सीमा प्रबंधन, सैन्य समन्वय, सीमा निर्धारण, ट्रांस-बॉर्डर नदियों और पारंपरिक व्यापार जैसे सभी अहम मुद्दों पर भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ मजबूती से रखा। बता दें नई दिल्ली में आयोजित बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव सुजीत घोष ने किया, जबकि चीनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व चीन के विदेश मंत्रालय के सीमा एवं समुद्री मामलों की महानिदेशक होउ यानची ने किया।

रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देशों ने एलएसी की मौजूदा स्थिति की समीक्षा करते हुए इस बात पर सहमति जताई कि सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता ही द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास की सबसे अहम आधारशिला है। दोनों पक्षों ने यह भी तय किया कि किसी भी गलतफहमी या सैन्य गलत आकलन से बचने के लिए राजनयिक और सैन्य स्तर पर स्थापित सभी संवाद तंत्रों का निरंतर इस्तेमाल किया जाएगा। स्थानीय कमांडर स्तर की बैठकों और डब्ल्यूएमसीसी जैसे मंचों को आगे भी सक्रिय बनाए रखने पर सहमति बनी।

यह बैठक ऐसे समय हुई है जब दोनों देशों के बीच सीमा पर व्यावहारिक सहयोग भी धीरे-धीरे बहाल हो रहा है। छह सालों के अंतराल के बाद उत्तराखंड के लिपुलेख और हिमाचल प्रदेश के शिपकी ला दर्रे से पारंपरिक सीमा व्यापार दोबारा शुरू होना इसी दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। चीन ने शुरुआती चरण में सीमित संख्या में व्यापारियों को अनुमति दी है, लेकिन यह पहल दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली की प्रक्रिया का प्रतीक मानी जा रही है। इससे पहले दोनों देश नाथू ला समेत तीन अधिकृत व्यापारिक मार्गों को चरणबद्ध तरीके से खोलने पर भी सहमत हो चुके हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक विदेश सचिव विक्रम मिसरी की हालिया चीन यात्रा ने भी इस कूटनीतिक प्रक्रिया को नई गति दी। बीजिंग में उन्होंने चीन के वरिष्ठ नेताओं के साथ व्यापक वार्ता कर पीएम मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग की उस साझा सोच को आगे बढ़ाने पर चर्चा की, जिसके मुताबिक भारत और चीन प्रतिस्पर्धी होने के साथ-साथ विकास के अवसरों में साझेदार भी बन सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि पिछले साल पीएम मोदी भी एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन गए थे, जहां दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय संवाद को आगे बढ़ाने की दिशा में अहम चर्चा हुई थी। सामरिक दृष्टि से देखें तो भारत की नीति अब पहले से कहीं ज्यादा संतुलित और परिपक्व दिखाई देती है। एक ओर भारत सीमा पर सैन्य तैयारियों, आधारभूत ढांचे और निगरानी क्षमता को लगातार मजबूत कर रहा है, वहीं दूसरी ओर वह संवाद के सभी वैध माध्यम खुले रखकर यह संदेश भी दे रहा है कि शांति उसकी प्राथमिकता है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई समझौता स्वीकार नहीं होगा। यही संतुलित रणनीति भारत को वैश्विक मंच पर एक जिम्मेदार और आत्मविश्वासी शक्ति के रूप में स्थापित करती है।

हाथरस में अभियान की हालत पतली, बैंकों की दहलीज पर दम तोड़ रहे युवाओं के सपने, कर्ज के

हाथरस। प्रदेश सरकार की प्राथमिकता में शामिल मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान हाथरस जिले में बैंकों की बेरुखी का शिकार है। चालू वित्तीय वर्ष में जिला उद्योग केंद्र के माध्यम से विभिन्न बैंकों को ऋण की मंजूरी के लिए 1130 फाइलें भेजी गईं, लेकिन इनमें से सिर्फ 289 आवेदकों को ही अभी तक कर्ज मिल सका है। शेष 841 आवेदन लंबे समय से बैंक शाखाओं में लंबित पड़े हैं। आवेदक रोजाना बैंकों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन वहां से कोई संतोषजनक जवाब भी नहीं मिल पा रहा। यह स्थिति केवल इस वर्ष की नहीं है, बल्कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में भी ऋण वितरण के प्रति बैंकों का यही रवैया सामने आया है। पिछले वर्ष कुल 2253 आवेदकों में से केवल 1216 को ही कर्ज मिल सका था, जबकि 1036 फाइलों को बैंकों ने निरस्त कर या आपत्तियां लगाकर ठंडे बस्ते में डाल दिया। योजना का मकसद युवाओं को खुद को रोजगार शुरू कर नौकरी पाने वाले के बजाय नौकरी देने वाला बनाना है, लेकिन बैंकों का यह रवैया उनके सपनों को चकनाचूर कर रहा है। आवेदकों की पीड़ा हमने कृषि आधारित प्रसंस्करण के काम को आगे बढ़ाने के लिए सीएम युवा उद्यमी योजना के तहत ट्रैक्टर ऋण के लिए आवेदन किया था। जिला उद्योग केंद्र से हमारी फाइल पास होकर बैंक भेज दी गई है, लेकिन काफी समय से बैंक अधिकारी कागजी कमियों का बहाना बनाकर टालमटोल कर रहे हैं। -प्रीति निवासी गांव खिटौली गांव में कृषि कार्य और माल ढुलाई के लिए ट्रैक्टर की सख्त जरूरत थी। सरकार की ब्याज मुक्त योजना से बड़ी उम्मीद जगी थी, इसलिए योजना के तहत ट्रैक्टर के लिए फाइल लगाई थी। सभी कागजात पूरे होने और बैंक में गारंटर देने के बावजूद अधिकारी फाइल दबाकर बैठे हैं।-प्रतिभा निवासी गांव गोपालपुर सेवा नगला। सीएम युवा उद्यमी योजना में ऋण दिए जाने का निर्णय बैंक प्रबंधक के विवेक पर होता है, क्योंकि ऋण वापसी की जिम्मेदारी भी बैंक प्रबंधक की ही होती है। इस तरह की योजनाओं में यदि आवेदक सामान्य तौर सीधे दस्तावेज पूरे नहीं कर पाता या ऋण का उद्देश्य भी मानकों के अनुरूप नहीं होता, इसलिए इस पर ब्रेक लग जाता है।

युवक और उसके ममेरे भाई की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिला के शास्त्री पार्क इलाके में बृहस्पतिवार देर रात एक युवक और उसके ममेरे भाई की हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। मृतकों की शिनाख्त 25 साल के उमाम उर्फ उभम और 27 साल के नदीम के रूप में हुई है। दोनों इलाके में अचेत अवस्था में पड़े थे। पुलिस ने दोनों को पास के अस्पताल में लेकर गई जहां उमाम को मृत घोषित कर दिया गया। जबकि नदीम ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। शुरुआती जांच के बाद पुलिस रंजिश की आशंका जता रही थी। फुटेज खंगालने के बाद पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने रुपये के लेन-देन के विवाद में उन्हें गोली मारी थी। जानकारी के मुताबिक उमाम अपने परिवार के कैलाश नगर में रहता था। वहीं नदीम उसके मामा का बेटा था। नदीम अपने परिवार के साथ रहता था। जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि बृहस्पतिवार देर रात सर्विस रोड पर एक युवक के अचेत पड़े होने की जानकारी मिली। पुलिस ने देखा कि युवक के पेट से खून निकल रहा है। पुलिस उसे लेकर जगप्रवेश अस्पताल पहुंची जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की छानबीन कर ही रही थी कि पुलिस को फल मंडी इलाके में एक अन्य युवक के घायल अवस्था में पड़े होने की जानकारी मिली। पुलिस उसे लेकर अस्पताल ले गई, जहां से डॉक्टरों ने उसे जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया। उसकी पहचान कैलाश नगर निवासी नदीम के रूप में हुई। जांच में पता चला कि दोनों युवक आपस में रिश्तेदार हैं। नदीम उमाम का ममेरा भाई है। परिवार वालों से पूछताछ में पता चला कि उमाम का कुछ दिन पहले कुछ लड़कों से विवाद हुआ था। शुरुआत में पुलिस ने आपसी रंजिश में हत्या की आशंका जताई। इसी बीच दूसरे घायल नदीम की जीटीबी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने विजय विहार लोनी निवासी 23 साल के असरफ को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से पिस्टल, तीन कारतूस और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद कर ली। आरोपी ने बताया कि उनके बीच पैसों का विवाद था। उमाम के पिता मोहम्मद मियां ने बताया कि रात करीब दस बजे उमाम को किसी ने फोन कर बुलाया था। फोन आने के बाद वह अपने ममेरे भाई नदीम को साथ लेकर पैदल ही घर से निकल गया। पिता का कहना है कि उमाम का किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी, कुछ दिन पहले कुछ लड़कों से उसका विवाद हो गया था।

सांसद मुकेश राजपूत पर एफआईआर, बहन-पत्नी और बेटे समेत 38 नामजद

कासगंज। एमपी-एमएलए कोर्ट के आदेश पर थाना सहावर पुलिस ने फर्रुखाबाद से सांसद मुकेश राजपूत, उनकी बहन रीना राजपूत, पत्नी सौभाग्यवती, बेटों, सुरक्षा गार्डों समेत 38 नामजद और 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ बलवा, लूट और घर में घुसकर जानलेवा हमला करने जैसी गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। गांव लक्ष्मीपुर निवासी सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य लक्ष्मण सिंह की तहरीर प्राथमिकी दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता लक्ष्मण सिंह के अनुसार, उनका तीन मंजिला मकान अवंतीबाई नगर में स्थित है। उनके बेटे रवींद्र कुमार की शादी रीना राजपूत से हुई थी, जो फर्रुखाबाद सांसद मुकेश राजपूत की सगी बहन हैं। शादी के बाद से ही रीना अपने सांसद भाई के प्रभाव का दबाव बनाकर परिवार को प्रताड़ित करती आ रही थी। करीब एक वर्ष पूर्व सांसद और उनके सहयोगियों ने मकान की दुकान पर जबरन कब्जा करवा दिया था। रवीन्द्र को मारपीट कर निकाल दिया था। 7 सितंबर 2025 को रीना राजपूत ने विवाद के बाद फर्जी वीडियो बनवाकर मायके फोन किया। उसी शाम करीब 8 बजे सांसद के इशारे पर दर्जनों हथियारबंद लोगों ने घर को घेर लिया। डर के मारे परिवार के अन्य सदस्य जान बचाकर भागे, जबकि पीड़ित बुजुर्ग पहले माले पर ही फंसे रह गए। हमलावरों ने कटर से लोहे के दरवाजे और ताले काट दिए। पीड़ित ने रातभर अपनी लाइसेंसी रायफल से खुद को बचाया और पुलिस को फोन करते रहे। आरोप है कि सांसद के राजनीतिक दबाव के कारण पुलिस ने पीड़ित की मदद नहीं की। 8 सितंबर की सुबह पुलिस उलटे पीड़ित के बेटे राजेश को पकड़कर ले गई और रायफल जब्त कर चालान कर दिया। जब पीड़ित की कैंसर पीड़ित बेटी प्रीति और पत्नी जानकी देवी घर पहुंचीं तो आरोपियों ने उन्हें लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा। इसके बाद घर के अलमारियों व बक्सों के ताले तोड़कर लूटपाट की गई। आरोपी लगभग 50 लाख रुपये, आभूषण, मकान के बैनामे, मुकदमे की फाइलें, चेकबुक, पासबुक, शैक्षणिक प्रमाण पत्र लूट ले गए। सबूत मिटाने के लिए घर में लगे सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए गए और डीसीआर उखाड़कर ले गए। जब उनकी पत्नी और बेटी किसी तरह जान बचाकर अपने पैतृक गांव लक्ष्मीपुर पहुंचीं तो हमलावरों ने वहां भी पहुंचकर उनके साथ मारपीट की। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई करने से इनकार कर दिया। तब उन्होंने न्याय के

मच्छरजनित बीमारियों के आंकड़े उलझे

नई दिल्ली। दिल्ली में मच्छरजनित बीमारियों की स्थिति पर विवाद गहराता जा रहा है। आंकड़े बता रहे हैं कि इस साल मलेरिया और चिकनगुनिया के मामले रिकॉर्ड स्तर पर हैं लेकिन डेंगू के मामलों में एमसीडी ने असामान्य गिरावट दिखाई है। इसी विरोधाभास ने अब एमसीडी की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विपक्ष के सवालों के बाद एमसीडी ने साप्ताहिक रिपोर्ट जारी करना ही बंद कर दिया है। एमसीडी की ओर से जारी अंतिम साप्ताहिक रिपोर्ट (4 अक्तूबर) के अनुसार, दिल्ली में अब तक मलेरिया के 431 और चिकनगुनिया के 76 मामले दर्ज किए गए जो पांच वर्षों में सर्वाधिक हैं। डेंगू के केवल 840 मामले दर्ज दिखाए गए हैं जबकि

2024 में इसी अवधि तक यह संख्या 1,630 और 2023 में 2,701 थी। आंकड़ों के अनुसार, इस साल मलेरिया के मामले 2024 से भी अधिक हैं लेकिन डेंगू में लगभग 50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह रुझान एडीज मच्छर के व्यवहार के विपरीत है क्योंकि यही मच्छर डेंगू और चिकनगुनिया दोनों फैलाता है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब मलेरिया और चिकनगुनिया के मामले लगातार बढ़ रहे हैं तो उन्हीं मच्छरों से फैलने वाला डेंगू अचानक आधा कैसे हो गया। क्या यह डेटा संग्रह में तकनीकी त्रुटि है या किसी स्तर पर मामले दर्ज ही नहीं किए जा रहे। सात अक्तूबर के बाद से एमसीडी की कोई नई साप्ताहिक रिपोर्ट जारी नहीं हुई है। परंपरा के मुताबिक हर सोमवार को एमसीडी मच्छर जनित रोगों की स्थिति रिपोर्ट जारी करती थी जो मीडिया और सार्वजनिक स्वास्थ्य विभागों के लिए प्रमुख स्रोत मानी जाती थी। अब रिपोर्ट जारी न होने से डेटा की पारदर्शिता पर और प्रश्न खड़े हो गए हैं। विपक्षी पार्षदों का कहना है कि जैसे ही मीडिया और विपक्ष ने आंकड़ों में गड़बड़ी पर सवाल उठाने शुरू किए एमसीडी ने रिपोर्ट प्रकाशित करना रोक दिया। आप के वरिष्ठ पार्षद व नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने आरोप लगाया कि जब अस्पतालों में डेंगू मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी और मीडिया ने आंकड़ों पर सवाल उठाए तब एमसीडी ने साप्ताहिक रिपोर्ट जारी करना बंद कर दिया। पार्टी का कहना है कि यह प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि जिम्मेदारी से बचने की कोशिश है। मलेरिया-चिकनगुनिया रिकॉर्ड स्तर पर है लेकिन डेंगू गायब क्यों। स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि अब मच्छरजनित बीमारियों के आंकड़े नहीं छुपाने देगी। उन्हें रिपोर्ट जारी नहीं करने के बारे में बृहस्पतिवार को ही मालूम हुआ है। उन्होंने अधिकारियों को नियमित तौर पर रिपोर्ट जारी करने के निर्देश दिए हैं।

खुले नाले में बच्चे के डूबने के मामले में एनजीटी में हुई सुनवाई

नई दिल्ली। राजेंद्र नगर एक्सटेंशन इलाके में खुले नाले में डूबकर 13 साल के बच्चे की मौत के मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने सुनवाई की। दिल्ली सरकार ने 26 जुलाई 2025 को दाखिल अपने जवाब में बताया कि मृतक के परिजनों को जिला मजिस्ट्रेट की तरफ से स्वीकृत पांच लाख रुपये की सहायता राशि दी जा चुकी है। मुआवजे की राशि को बढ़ाने पर भी विचार चल रहा है और उच्च अधिकारियों के समक्ष यह मुद्दा लंबित है। सरकारी वकील ने भरोसा दिलाया कि अगले 4 से 8 हफ्तों में इस पर फैसला हो जाएगा। नगर निगम आयुक्त ने भी आश्वासन दिया है कि जहां-जहां एमसीडी पक्षकार है, वहां उचित सहयोग किया जाएगा और समय पर जवाब दाखिल किए जाएंगे।

यूट्यूबर मोहक मंगल के खिलाफ मामला हाईकोर्ट में स्थानांतरित

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने पटियाला हाउस कोर्ट में यूट्यूबर मोहक मंगल के खिलाफ मीडिया संस्थान की तरफ से दायर कॉपीराइट और ट्रेडमार्क उल्लंघन के मुकदमे को अपने पास स्थानांतरित कर लिया है। न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा ने निर्देश दिया कि इस मुकदमे की सुनवाई मंगल के खिलाफ मानहानि और अपमान के मुकदमे के साथ की जाए, जो 8 सितंबर को उच्च न्यायालय में लंबित है। अदालत ने कहा कि मुकदमे के स्थानांतरण से राहत के लिए मीडिया संस्थान की ओर से उठाई गई आपत्ति निराधार थी। दोनों मुकदमों की एक ही मंच पर सुनवाई वास्तव में समाचार एजेंसी सहित सभी पक्षों के लिए सुविधाजनक होगी। न्यायमूर्ति ने कहा कि यह अदालत याचिकाकर्ता के इस तर्क को भी उचित मानता है कि दोनों मुकदमों की एक ही मंच पर एक साथ सुनवाई न्याय प्रशासन के हित में होगी। क्योंकि इससे न्यायिक समय की बचत होगी और आदेशों के टकराव से बचा जा सकेगा।

ज्वेलर को बंधक बनाकर 30 लाख के जेवरात और छह लाख नकदी लूटी

पूर्वी दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दयालपुर स्थित चांद बाग इलाके में रविवार शाम हथियारबंद नकाबपोश बदमाशों ने ज्वेलर की दुकान में डकैती डाली। बदमाशों ने अंदर घुसते ही दुकान का शटर गिराकर ज्वेलर और एक ग्राहक को बंधक बना लिया। लूटपाट करने के बाद बदमाश फरार हो गए। डकैती की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। वरिष्ठ अधिकारी भी आ गए। क्राइम व एफएसएल को मौके पर बुला लिया गया। पुलिस ने ज्वेलर सादिक (27) के बयान पर डकैती का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। सीसीटीवी कैमरों की मदद से छानबीन की जा रही है। पीड़ित ने बताया है कि दुकान में रखा करीब 30 लाख का सोना और छह लाख रुपये बदमाशों ने लूटे हैं। बाकी हिसाब करने पर पता चलेगा कि दुकान में कुल कितना सोना और नकदी थी।

मौसम पल-पल बदल रहा रूप, कभी छांव तो कभी धूप

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में मौसम पल-पल करवट ले रहा है। कभी धूप निकल रही है, तो कभी काले बादलों का डेरा झमाझम बारिश कराने लगता है। रविवार को बादल छाए रहे, जिससे तापमान कम रहा लेकिन उमस से लोग परेशान रहे। अधिकतम तापमान सामान्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस कम के साथ 34.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.9 डिग्री सेल्सियस कम के साथ 24.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीते 24 घंटे में हवा में नमी का स्तर 100 से 68 फीसदी रहा। वहीं, मौसम विभाग ने सोमवार को बारिश होने की संभावना जताई है। आसमान में बादल छाए रहेंगे। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 और 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। मौसम विभाग ने 5 अगस्त को दिल्ली-एनसीआर के अलग-अलग हिस्सों में बादल छाए रहने और गरज चमक के साथ बारिश का अनुमान जताया है। इसके बाद 6 से लेकर 9 अगस्त के दौरान छिटपुट बादल छाए रहने और गरज चमक के साथ रुक-रुक फुहारें पड़ने का अनुमान है। मौसम विभाग का कहना है कि इस पूरे हफ्ते फुहारें पड़ती रहने के कारण दिल्ली में अधिकतम तापमान 31 से 35 डिग्री सेल्सियस बने रहने का अनुमान है। मौसम विभाग का कहना है कि मौजूदा समय में कई वेदर सिस्टम एक्टिव हैं।

एक मानसूनी ट्रफ अमृतसर, चंडीगढ़, शामली, लखनऊ, छपरा, बांकुरा से दक्षिण-पूर्व की ओर उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी तक गुजर रही है। वहीं एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन उत्तर-पूर्व बिहार, उत्तर-पश्चिम बिहार और उससे लगे उत्तर-पूर्व उत्तर प्रदेश पर स्थित है। पंजाब और आसपास के क्षेत्रों में भी साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना है। इसके साथ ही पश्चिमी विक्षोभ भी देखा जा रहा है।

मामा ने पिता-सौतेली मां के विरुद्ध कराई रिपोर्ट दर्ज, आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप

हाथरस। सहपऊ थाना क्षेत्र के एक गांव में 17 वर्षीय किशोरी की मौत के मामले में उसके पिता और सौतेली मां के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज हुई है। फिरोजाबाद जनपद निवासी मृतका के मामा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में आरोप लगाया कि पिता और सौतेली मां ने लगातार प्रताड़ित कर उनकी भांजी को आत्महत्या करने के लिए मजबूर किया। मामा की ओर से दर्ज रिपोर्ट में बताया कि जून 2020 में संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी बहन की मौत हो गई थी। उस समय उनकी बहन के तीन बच्चों में भांजी करीब 11 वर्ष की थी। उससे दो छोटे भांजे हैं। बहन की मौत के बाद उनके बहनोई ने फिरोजाबाद जनपद निवासी एक विधवा महिला से विवाह कर लिया था। उन्हें भी उम्मीद थी कि बहन के बाद दूसरी मां से बच्चों की अच्छी देखभाल हो सकेगी। आरोप लगाया कि शादी की बाद सौतली मां बच्चों को रोजाना मारती-पीटती थी।

शामली में मुठभेड़ में एक लाख का इनामी नफीस ढेर, दर्ज थे 34 केस

शामली। उत्तर प्रदेश के शामली जिले की कांधला पुलिस के साथ गांव भभीसा के जंगल में शनिवार सुबह हुई मुठभेड़ में एक लाख रुपये का इनामी हिस्ट्रीशीटर बदमाश नफीस मारा गया। उस पर लूट, गैंगस्टर, जानलेवा हमले और नकली करेंसी समेत 34 मुकदमे दर्ज थे। वह तीन मामलों में वांछित चल रहा था। एसपी एनपी सिंह ने बताया कि कांधला पुलिस भभीसा चौकी पर चेकिंग कर रही थी। उसी समय बाइक पर दो संदिग्ध लोगों को पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो वे पुलिस टीम पर फायर करते हुए भाग निकले। इसके बाद पुलिस ने पीछा किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसका साथी मौके से भाग गया, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। एसपी ने बताया मारा गया बदमाश नफीस कांधला के मोहल्ला खेल का निवासी था और थाने का हिस्ट्रीशीटर था। उस पर 34 मुकदमे दर्ज थे। उसके कब्जे से बाइक, पिस्टल, तमंचा और कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस अधीक्षक, शामली एनपी सिंह ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान बदमशों की तरफ से फायरिंग में कांधला थाना प्रभारी सतीश कुमार बल-बल बचे हैं। उनकी बुलेट प्रूफ जैकेट पर गोली लगी है। थाना कांधला पुलिस की प्रभावी कार्रवाई में 1,00,000 रुपये के इनामी व हिस्ट्रीशीटर अपराधी नफीस पुत्र मूदा निवासी मोहल्ला खैल, कस्बा व थाना कांधला, जनपद शामली पुलिस मुठभेड़ के दौरान आत्मरक्षा के लिए की गई फायरिंग में घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां दौरान उपचार उसकी मृत्यु हो गई। अभियुक्त नफीस के विरुद्ध कुल 34 आपराधिक मुकदमे पंजीकृत थे, जिनमें हत्या, लूट व जानलेवा हमले जैसे गंभीर अपराधों के तीन मुकदमों में वह वांछित था। मौके से एक पिस्टल .32 बोर, एक खोखा, पांच जिंदा कारतूस, एक तमंचा .315 बोर, दो खोखा कारतूस तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की गई।

सबसे ज्यादा प्रदेश के इस जिले में हुई 134 मिमी बारिश

लखनऊ। दक्षिणी उत्तर प्रदेश में बारिश का दौर अभी जारी रहेगा लेकिन पश्चिमी यूपी में बारिश का असर धीरे-धीरे कम हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, मध्यप्रदेश से सटे उत्तर प्रदेश के इलाकों में बारिश के आसार अभी बने हुए हैं। पिछले 24 घंटों में संभल में सबसे ज्यादा 134 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं राजधानी लखनऊ में फिलहाल छिटपुट बारिश की ही संभावना है लेकिन सोमवार को अच्छी बारिश के आसार बन रहे हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, अगले दो-तीन दिन मानसून का असर मुख्य रूप से दक्षिणी जिलों सोनभद्र, मिर्जापुर और चंदौली में रहेगा।

NAME CHANGE
I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE
I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE
I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR - 2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE
I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE
I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE
I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE
I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

NAME CHANGE
I Tajinder Kaur W/o Jaspreet Singh Baweja R/o 52/43 Ramjas Road Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Tajinder Kaur Baweja For All Purpose.

NAME CHANGE
I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANITA BANSAL W/O PAWAN BANSAL residing at B-504, MAYURDHWAJ APARTMENT, I.P EXTN. EAST DELHI-110092 have Change my name to ANITA RANI BANSAL for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE
I, PUNNAM DEVI Wife of No-14913053K Rank-HAV Name-NARENDER SINGH R/O C-7, LAXMI GARDEN, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name from PUNNAM DEVI to POONAM DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, NEETAS DEVI Wife of No-3204848W Rank-HAV Name-DHARMENDRA SINGH R/O VILL-BISHUNDAS, PO-MURSAN, DISTT-HATHRAS, U.P-204213 have changed my name from NEETAS DEVI to NITESH DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ASHISH KUMAR RATHOR S/O PURAN LAL R/O Q-48, RAJEEV NAGAR BEGUM PUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086, have changed my name and shall hereafter be known as RAZA AHMED.

NAME CHANGE
I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/o LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SANTOSH KUMAR S/O VISHVA NATH PRASAD residing at PLOT NO-58&59, FLAT NO-B-2, STREET NO-5, HAVENS GARDEN MATIALA, DELHI-110059 have changed my name to SANTOSH KUMAR GUPTA for all future purposes

NAME CHANGE
I, Anil Balakrishna Panicker s/o Angakattil Narayan Balakrishna Panicker R/o A-6/334-A, Janta Flats, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to Anil Bala Panicker permanently.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NIDHI AGGARWAL YADAV D/o VIRENDER KUMAR AGGARWAL, and Ex. Wife of AMIT YADAV, R/o H.No E-12, Hauz Khas, South West Delhi-110016, declare that I got divorce from my Ex. Husband AMIT YADAV vide Court Decree HMA No. 603/2019 dated 30 - 04-2019, further I have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI AGGARWAL. I also have changed the name of my minor Son namely AAYAN YADAV, aged 16 years and my minor daughter namely ARSHIYA YADAV, aged 13 years and they shall hereafter be known as AAYAN AGGARWAL and ARSHIYA AGGARWAL respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE
I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

डीएलएसए ने महिलाओं को कुपोषण के प्रति जागरूक करने के लिए सेमिनार का किया आयोजन

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। अगस्त जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीकिता भारद्वाज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में महिला एवं बाल विकास की तरफ से डब्लयूसीडीपीओ दीपा ने कुपोषण से होने वाले नुकसान और बच्चों के शरीर विकास में होने वाली कमी व कुपोषण से बचने के उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस कार्यक्रम में लाडवा ब्लॉक की सभी आंगनवाड़ी वर्कर्स व सुपरवाइजर ने भाग लिया। इसके साथ-साथ राकेश अरोड़ा डिप्टी चीफ एलएडीसी ने पोक्सो एक्ट के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

जींद-रेवाड़ी में बनेंगे राज्य स्तरीय हर्बल गार्डन, गुरुग्राम और फतेहाबाद में पंचकर्म अस्पताल

चंडीगढ़। नायब सरकार ने विजन-2047 के तहत प्रदेश को स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में आयुष सेवाओं के व्यापक विस्तार का रोडमैप तैयार किया है। जींद और रेवाड़ी में राज्य स्तरीय हर्बल गार्डन स्थापित किए जाएंगे, वहीं गुरुग्राम और फतेहाबाद में पंचकर्म अस्पताल बनाए जाएंगे। यही नहीं, हर योगशाला के साथ आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा विजन-2047 के तहत आयुष परियोजनाओं, बजट और संकल्प पत्र से जुड़े कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आयुष विभाग की समीक्षा बैठक में स्पष्ट किया कि संकल्प पत्र और बजट घोषणाओं को तय समय सीमा में पूरा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। 'सुरक्षित आहार' अभियान के जरिए आयुर्वेद आधारित पोषण को बढ़ावा, जींद-रेवाड़ी में राज्य स्तरीय हर्बल गार्डन, श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय, पंचकर्म अस्पतालों तथा मेडिटेशन सेंटर जैसी परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए।

जेल लोक अदालत में चार बंदी रिहा

सिरसा। सिरसा जिला जेल में लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें चार मामलों का निपटारा करते हुए बंदियों को रिहा किया गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संतोष बागोतिया ने बताया कि जेल लोक अदालत में सात मामले रखे गए जिनमें से चार मामलों का निपटारा करते हुए बंदियों को रिहा किया गया। उन्होंने बताया कि जेल लोक अदालत का आयोजन प्रत्येक माह में दो बार आयोजित होती है। इस लोक अदालत का उद्देश्य छोटे मामलों में लंबे समय से जेल में बंद बंदियों को शीघ्र न्याय प्रदान करना है। पुलिस ने मेडिकल नशा बेचने वालों पर कार्रवाई करते हुए जिले के डिंग मोड़ बस अड्डा क्षेत्र से एक व्यक्ति को हजारों प्रतिबंधित नशीली गोलियां व कैप्सूल सहित गिरफ्तार किया है। डिंग थाना प्रभारी बलराज सिंह ने बताया कि पुलिस टीम गश्त और चेकिंग के दौरान डिंग मोड़ बस स्टैंड पर मौजूद थी। सिरसा की ओर से आई एक बस से व्यक्ति हाथ में प्लास्टिक का थैला लेकर नीचे उतरा। पुलिस को देखकर वह दोबारा बस में चढ़ गया। शक होने पर पुलिस ने तुरंत उसे काबू कर लिया। तलाशी के दौरान युवक के कब्जे से हजारों प्रतिबंधित नशीली गोलियां और कैप्सूल बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपी की पहचान डिंग मंडी निवासी राहुल के रूप में हुई है। बरामद गोलियों को ड्रग विभाग को सौंप दिया है।

16 शिकायतों में से आठ का समाधान, पांच मामलों में कमेटियां गठित

सोनीपत। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने लघु सचिवालय के सभागार में जिला परिवाद एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक की अध्यक्षता करते हुए 16 शिकायतों की सुनवाई की। इनमें आठ शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर शिकायतकर्ताओं को राहत दी गई। शेष आठ मामलों में संबंधित विभागों के अधिकारियों से जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनका समयबद्ध समाधान करें। उन्होंने कहा कि किसी भी काम के लिए कार्यालय आने वाले नागरिकों को अनावश्यक रूप से चक्कर न लगाने पड़ें। अधिकारियों और कर्मचारियों का दायित्व है कि वे लोगों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें और पूरी पारदर्शिता तथा संवेदनशीलता के साथ काम करें। बैठक में पांच शिकायतों के समाधान के लिए विधायकों की अध्यक्षता में कमेटियां गठित की गईं। गांव जांटी कलां निवासी शकुंतला की पैतृक संपत्ति कथित रूप से गैरकानूनी तरीके से हड़पने की शिकायत पर राई की विधायक कृष्णा गहलावत, सोनीपत के विधायक निखिल मदान और खरखौदा के विधायक पवन खरखौदा की अध्यक्षता में कमेटी गठित की गई।

हरियाणा में जल जीवन मिशन 2.0 का और बेहतर तरीके से हो कार्यान्वयन: सीआर पाटिल

चंडीगढ़। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि हरियाणा में जल जीवन मिशन 2.0 का और बेहतर तरीके से कार्यान्वयन किया जाना चाहिए। लोगों को साफ और स्वच्छ पीने का पानी मिले, उनकी यह पहली प्राथमकिता है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन 2.0 से जुड़ी हरियाणा की जो भी योजनाएं उनके समक्ष आएंगी, उन पर विचार किया जाएगा। सीआर पाटिल ने हरियाणा के सभी लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों की बैठक ली। बैठक में केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री वी.सोमन्ना और केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री व करनाल लोकसभा के सांसद मनोहर लाल, हरियाणा के जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी तथा लोकनिर्माण मंत्री रणबीर गंगवा भी मौजूद रहे।

अरावली की हरियाली बचाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी: मुख्यमंत्री

- **मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम के मानेसर में किया 77वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव के दूसरे चरण का शुभारंभ**
- **पौधे लगाना ही नहीं, उन्हें वृक्ष बनाना सरकार और समाज दोनों की जिम्मेदारी: मुख्यमंत्री**

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने आह्वान किया कि हरियाणा का प्रत्येक परिवार प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए कम-से-कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी देखभाल भी सुनिश्चित करे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी गुरुग्राम के मानेसर में आयोजित 77वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव के दूसरे चरण के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा के पर्यावरण, वन एवं वन्य प्राणी मंत्री श्री राव नरबीर सिंह ने की, जबकि केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन तथा पौधारोपण किया। उन्होंने उपस्थितजन को 'एक पेड़-मां के नाम' लगाने तथा दूसरों को भी पौधारोपण के लिए प्रेरित करने की शपथ दिलवाई। मुख्यमंत्री ने वन विभाग की पुस्तिका 'एक पेड़-मां के नाम' तथा 'हरियाणा फॉरेस्ट न्यूज' का

विमोचन किया। इस दौरान उन्होंने 'हरित हरियाणा' विषय पर आयोजित निबंध, चित्रकला एवं अन्य विभिन्न प्रतियोगिताओं में गुरुग्राम जिला के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन भी किया। मुख्यमंत्री ने अरावली पर्वतमाला का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि अरावली बोल सकती, तो वह हमसे पूछती कि हजारों वर्षों तक शुद्ध हवा, जल संरक्षण और जैव विविधता प्रदान करने के बदले हम उसके लिए क्या छोड़कर जाएंगे। उन्होंने कहा कि वन महोत्सव इसी प्रश्न का उत्तर देने का अवसर है। यह केवल पौधारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति अपना ऋण चुकाने और पर्यावरण संरक्षण को जन-संस्कार बनाने का अभियान है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस वर्ष वन महोत्सव का पहला चरण 30 जुलाई को करनाल में आयोजित किया गया था और अब दूसरे चरण की शुरुआत मानेसर से की गई है। उन्होंने घोषणा की कि इस वर्ष हरियाणा के सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में वन महोत्सव आयोजित किए जाएंगे, ताकि प्रत्येक नागरिक पर्यावरण संरक्षण के इस महाअभियान का भागीदार बन सके। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में 75 नमो पार्क विकसित किए जा चुके हैं। प्रत्येक जिला मुख्यालय पर 5 से 100 एकड़ क्षेत्र में ऑक्सी-वन विकसित किए जा रहे हैं, जिनमें पैदल पथ, साइकिल ट्रैक और नागरिकों के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। करनाल में ऑक्सी-वन तैयार हो चुका है, जबकि पंचकूला में इसका निर्माण कार्य जारी है। इसके अलावा सोनीपत के मुरथल और यमुनानगर के सढ़ौरा में नगर वन विकसित किए गए हैं तथा प्रदेश के प्रत्येक गांव में 'पंचवटी' के नाम से पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है।

मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने वीसी के माध्यम से हर घर तिरंगा

वंदे मातरम व विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस की तैयारियों की समीक्षा की

एजेंसी

रोहतक। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हर घर तिरंगा, वंदे मातरम व विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस की तैयारियों की प्रदेश के सभी उपायुक्तों के साथ समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। बैठक के दौरान सूचना, जनसंपर्क, भाषा विभाग के महानिदेशक श्री के. एम. पांडुरंग ने तीनों अभियानों की विस्तृत कार्ययोजना, कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा विभागवार जिम्मेदारियों की विस्तार से जानकारी दी।

बैठक के उपरांत स्थानीय लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने जिलावासियों का आह्वान किया कि वे 9 से 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान के तहत अपने घरों, प्रतिष्ठानों एवं कार्यालयों पर सम्मानपूर्वक राष्ट्रीय ध्वज फहराएं तथा सेल्फी विद तिरंगा अभियान में सक्रिय भागीदारी करें। उन्होंने कहा कि नागरिक तिरंगा के साथ ली गई सेल्फी को पोर्टल पर अपलोड करें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इन अभियानों की सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिये। नरेंद्र कुमार ने कहा कि

अभियान के अंतर्गत तिरंगा यात्राएं, बाइक, साइकिल एवं ई-बाइक रैलियां, तिरंगा एवं वंदे मातरम् प्रदर्शनी, देशभक्ति आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम, सेल्फी विद तिरंगा अभियान, सरकारी भवनों पर तिरंगा रोशनी एवं सजावट तथा विशाल तिरंगा रंगोली जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के कार्यक्रम नई पीढ़ी को देश के विभाजन के इतिहास, उससे जुड़े संघर्ष और बलिदानों से परिचित कराने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेंगे। साथ ही स्वतंत्रता दिवस समारोह को भी पूरे उत्साह, गरिमा एवं राष्ट्रभक्ति की भावना के मनाया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यक्रमों का आयोजन पूरी गरिमा, अनुशासन एवं व्यापक जनभागीदारी के साथ सुनिश्चित किया जाए। अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने कहा कि 9 से 17 अगस्त 2026 तक पूरे प्रदेश में हर घर तिरंगा व वंदे मातरम अभियान चलाया जाएगा। इस वर्ष अभियान वंदे मातरम् के 150 वर्ष को समर्पित रहेगा।

धर्मनगरी कल से 17 अगस्त तक तिरंगे के रंग में रंगेगी, हर दिल होगा देशभक्त: विश्राम कुमार मीणा

14 अगस्त को मल्टी आर्ट कल्चर में होगा विभाजन

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिला 9 से 17 अगस्त तक राष्ट्र की आन, बान और शान तिरंगे के रंग में रंगा नजर आएगा। हर घर तिरंगा एवं वंदे मातरम् अभियान के तहत जिलेभर में देशभक्ति से ओतप्रोत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साइकिल, बाइक और ई-बाइक तिरंगा यात्राओं के साथ तिरंगा यात्राएं, तिरंगा कॉन्सर्ट, देशभक्ति संगीत कार्यक्रम, तिरंगा एवं वंदे मातरम् प्रदर्शनी, तिरंगा और वंदे मातरम रंगोली प्रतियोगिता तथा सेल्फी विद तिरंगा अभियान लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 10 अगस्त को शहर तिरंगा यात्रा की शुरुआत करेंगे।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा लघु सचिवालय के एनआईसी मीटिंग हॉल में हर घर तिरंगा अभियान को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने विभागवार तैयारियों एवं अब तक की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसी दौरान हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में चलाए जाने वाले हर घर तिरंगा अभियान की

समीक्षा की और सभी जिला उपायुक्तों को अभियान में व्यापक जन भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना को और मजबूत करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यक्रमों का आपसी समन्वय के साथ प्रभावी एवं व्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित किया जाए तथा सरकारी कार्यालयों, पंचायत भवनों, विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन हो। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे अभियान को राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ आगे बढ़ाएं और स्वयं भागीदारी करने के साथ-साथ आमजन को भी इससे जोड़ें। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे 9 अगस्त से अपने घरों, कार्यालयों, प्रतिष्ठानों एवं संस्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराएं तथा तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी लेकर निर्धारित वेबसाइट पर अपलोड करें।

अरावली, सुल्तानपुर वेटलैंड व हरित परिसंपत्तियां गुरुग्राम की पर्यावरणीय पहचान बन रही: भूपेंद्र यादव

अरावली, सुल्तानपुर वेटलैंड और हरित परिसंपत्तियां गुरुग्राम की पर्यावरणीय पहचान बन रही हैं

एजेंसी

गुरुग्राम। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि हरियाणा सरकार ने विशेष रूप से गुरुग्राम और एनसीआर क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी का अभियान बनाकर उल्लेखनीय कार्य किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा वन एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह की दूरदर्शी सोच की सराहना करते हुए कहा कि वर्षों पहले जिस प्रकार गुरुग्राम की अरावली पर्वतमाला को पुनः हरित बनाने और उसके प्राकृतिक स्वरूप को संरक्षित करने का संकल्प लिया गया था, वह आज वह धरातल पर साकार होता दिखाई दे रहा है। केंद्रीय मंत्री गुरुग्राम के मानेसर में आयोजित 77वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव के दूसरे चरण

के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के प्रयासों का भी उल्लेख करते हुए कहा कि हरियाणा ने एनसीआर क्षेत्र में राजस्व भूमि के बड़े हिस्से को वन क्षेत्र के रूप में विकसित कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ हवा, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए राज्य सरकार के प्रयास आने वाले वर्षों में दूरगामी परिणाम देंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा अरावली, सुल्तानपुर वेटलैंड और हरित परिसंपत्तियां गुरुग्राम की पर्यावरणीय पहचान बन रही हैं। भूपेंद्र यादव ने कहा कि गुरुग्राम आज केवल औद्योगिक और आर्थिक विकास का केंद्र नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी नई पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि अरावली पर्वतमाला, सुल्तानपुर वेटलैंड, जिले के ग्रासलैंड तथा अन्य प्राकृतिक क्षेत्रों का संरक्षण पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन क्षेत्रों के संरक्षण से भूजल स्तर में सुधार, वर्षा जल के प्राकृतिक संचयन, जैव विविधता के संवर्धन तथा स्वच्छ वातावरण को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण, स्वच्छ वायु के लिए किए जा रहे प्रयास, हरित आवरण बढ़ाने की योजनाएं तथा बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान एनसीआर में पर्यावरण संरक्षण का मजबूत मॉडल बनकर उभरे हैं।

मतदाता सूचियों के दावे व आपतियों की समीक्षा को लेकर 10 अगस्त को होगा बैठक का आयोजन

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 1 जुलाई 2026 को अर्हता की तिथि मानकर फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत दावे तथा आपतियों से संबंधित कार्य की समीक्षा हेतु मंडल आयुक्त अम्बाला मंडल अम्बाला को रोल ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया है। इसी संबंध में रोल ऑब्जर्वर एवं मण्डल आयुक्त अम्बाला मण्डल 10 अगस्त 2026 को बाद दोपहर 2 बजे कान्फैस हाल प्रथम तल लघु सचिवालय में एक बैठक करेंगे।उन्होंने कहा कि इस बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी कुरुक्षेत्र, 02-कुरुक्षेत्र संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के वर्तमान सांसद व जिला कुरुक्षेत्र में पड़ने वाली चार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के वर्तमान विधायकों, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा निर्वाचक पंजीयन अधिकारियों के साथ जिले में पड़ने वाले चार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों नामतः 11-लाडवा, 12-शाहाबाद (अ. जा.), 13-थानेसर तथा 14 पिहोवा में अब तक फोटोयुक्त मतदाता सूचियों की तैयारी के सम्बन्ध में निर्वाचक पंजीयन अधिकारियों द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा करेंगे। जिला निर्वाचन कार्यालय कुरुक्षेत्र द्वारा उपलब्ध जानकारी अनुसार इस कार्यक्रम के दौरान मण्डल आयुक्त अम्बाला मण्डल अम्बाला से फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के सम्बन्ध में दूरभाष नं0. 0171-2600444 सम्पर्क नंबर दिया गया है।

डीएलएसए ने पॉक्सो अधिनियम और नशे के दुष्प्रभावों को लेकर विद्यार्थियों को किया जागरूक

जागरूकता शिविर में विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से पूछे सवाल, मिली कानूनी एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गुरुग्राम नरेंद्र सुरा के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सुशांत लोक में बाल लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो अधिनियम), 2012 तथा नशा मुक्ति एवं नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के उन्मूलन को लेकर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ बाल अपराधों से बचाव और नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देना रहा। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव एवं

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी निशा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों की सुरक्षा केवल परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। बच्चों को सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के लिए उन्हें अपने अधिकारों और कानून की जानकारी होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जागरूकता के माध्यम से बच्चों को न केवल शोषण और उत्पीड़न से बचाया जा सकता है, बल्कि उन्हें नशे जैसी सामाजिक बुराई से भी दूर रखा जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की परेशानी, शोषण या उत्पीड़न की स्थिति में चुप न रहने और बिना किसी डर के अपने माता-पिता, शिक्षकों या संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी देने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा पात्र व्यक्तियों को उपलब्ध कराई जा रही निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में भी जानकारी दी। पॉक्सो अधिनियम के संबंध में अधिवक्ता रितु कपूर ने विद्यार्थियों को बाल लैंगिक अपराधों से सुरक्षा के लिए बनाए गए कानून के उद्देश्य एवं प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने बच्चों के अधिकारों, अपराध की सूचना देने की अनिवार्यता, बाल हितैषी न्यायिक प्रक्रिया तथा दोषियों के लिए निर्धारित कानूनी दंड के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों से भी बच्चों के व्यवहार में होने वाले बदलावों पर ध्यान देने तथा उनकी सुरक्षा के प्रति सजग रहने का आह्वान किया।

नशा मुक्ति एवं नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के उन्मूलन विषय पर डीएलएसए के पैनल अधिवक्ता रवि करहाना तथा सिविल अस्पताल, गुरुग्राम के मनोचिकित्सक डॉ. अजय ने विद्यार्थियों को जागरूक किया। डॉ. अजय ने नशे के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि नशे की आदत व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ उसकी पढ़ाई, परिवार और सामाजिक जीवन को भी प्रभावित करती है।

बूथ ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत, युवाओं का भविष्य भाजपा के साथ सुरक्षित : डॉ. अर्चना गुप्ता

झज्जर में मंडल अध्यक्षों, प्रभारियों और शक्ति केंद्र प्रमुखों की बैठक; घर-घर संपर्क

एजेंसी

झज्जर। भारतीय जनता पार्टी हरियाणा की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने झज्जर स्थित 'झज्जर कमलम' में मंडल अध्यक्षों, मंडल प्रभारियों और शक्ति केंद्र प्रमुखों की संगठनात्मक बैठक को संबोधित करते हुए स्पष्ट कहा कि भाजपा की वास्तविक शक्ति उसका बूथ और उसका समर्पित कार्यकर्ता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि प्रत्येक बूथ को संगठन की सबसे मजबूत इकाई बनाते हुए सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, सामाजिक समरसता और संगठन विस्तार के अभियान को घर-घर तक पहुंचाएं। बैठक में जिला प्रभारी हरविन्द्र कोहली, प्रदेश उपाध्यक्ष जवाहर सैनी, जिला परिषद चेयरमैन कैप्टन बिरधाना, भाजपा नेता संजय

कबलाना, दिनेश कौशिक सहित वरिष्ठ पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी एवं शक्ति केंद्र प्रमुख उपस्थित रहे। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता केवल चुनाव के समय सक्रिय नहीं होता, बल्कि वर्षभर समाज सेवा, जनसंपर्क और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में जुटा रहता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ पर नियमित बैठकें आयोजित हों, प्रत्येक परिवार से संपर्क स्थापित किया जाए तथा नए कार्यकर्ताओं और विशेष रूप से युवाओं को संगठन से जोड़ने का अभियान तेज किया जाए।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली हरियाणा सरकार की जनहितकारी योजनाओं को प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना संगठन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, किसान सम्मान निधि, हर घर जल, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और स्वरोजगार जैसी योजनाओं ने करोड़ों परिवारों का जीवन बदला है और इन उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना हर कार्यकर्ता का दायित्व है। प्रदेश अध्यक्ष ने सामाजिक समरसता पर विशेष बल देते हुए कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज का जीवन समानता, भाईचारे और मानवता का प्रेरक संदेश देता है। उन्होंने वाराणसी से आई संत रविदास जी की पावन मिट्टी को गांव-गांव और घर-घर सम्मानपूर्वक पहुंचाकर सामाजिक सद्भाव और एकता का संदेश फैलाने का आह्वान किया। युवाओं को संबोधित करते हुए डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि 'भाजपा ही युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की सबसे बड़ी गारंटी है।' उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति, स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया और पारदर्शी भर्ती जैसी पहल ने युवाओं के लिए नए अवसर खोले हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि अधिक से अधिक युवाओं को भाजपा की विचारधारा और राष्ट्र निर्माण के अभियान से जोड़ें।

कांग्रेस के दुष्प्रचार का पर्दाफाश, हिसार में भाजपा पूरी तरह एकजुट : भव्य बिश्नोई

एजेंसी

हिसार। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री भव्य बिश्नोई ने कांग्रेस द्वारा भाजपा हिसार को लेकर लगाए जा रहे आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा में कथित गुटबाजी, अनुशासनहीनता और मंडल अध्यक्षों के इस्तीफों से संबंधित खबरें पूरी तरह निराधार, भ्रामक और वास्तविकता से परे हैं। उन्होंने कहा कि हिसार में भाजपा का संगठन पूरी तरह एकजुट, अनुशासित और मजबूत है तथा पार्टी का प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता संगठन के नेतृत्व के साथ मजबूती से खड़ा है। श्री भव्य बिश्नोई ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के जिला नेतृत्व की ओर से पिछले कई सप्ताह से भाजपा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से व्यक्तिगत संपर्क कर उन्हें भ्रमित करने तथा संगठन को लेकर गलत धारणा बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस को अपने इन प्रयासों में सफलता नहीं मिली तो अब झूठी अफवाहों और भ्रामक खबरों के माध्यम से भाजपा में कथित मतभेद का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि पिछले दो-तीन महीनों से कांग्रेस की ओर से इस प्रकार के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं, लेकिन भाजपा के कार्यकर्ताओं ने हर बार ऐसी अफवाहों को पूरी तरह नकार दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा हिसार में न तो कोई गुटबाजी है और न ही संगठन के भीतर किसी प्रकार की अनुशासनहीनता या ऐसा विवाद है, जैसा कि कांग्रेस द्वारा प्रचारित किया जा रहा है। भव्य बिश्नोई ने कहा कि भाजपा का संगठन केवल राजनीतिक परिस्थितियों के आधार पर नहीं, बल्कि करोड़ों समर्पित कार्यकर्ताओं की निष्ठा, अनुशासन और सेवा भावना के आधार पर खड़ा है। हिसार में भी मंडल स्तर से लेकर जिला और प्रदेश स्तर तक संगठन पूरी मजबूती के साथ अपने कार्यों को आगे बढ़ा रहा है।

अमेरिका-ईरान तनाव बहुत जल्द होगा खत्म, समझौते के करीब- ट्रंप

होरमुज जलडमरूमध्य में तनाव घटने से वैश्विक तेल बाजार को राहत

वा शिंगटन ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि दोनों देशों के बीच बातचीत जल्द ही किसी समझौते पर पहुंच सकती है और यह टकराव बहुत जल्द खत्म हो सकता है। ट्रंप के इस बयान को होरमुज जलडमरूमध्य को लेकर चल रही बातचीत से भी जोड़कर देखा जा रहा है। यहां के एक स्थानीय समाचार की रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उन्हें बातचीत में अच्छी प्रगति दिख रही है और दोनों पक्ष किसी समझौते के करीब पहुंच सकते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान के लिए इस टकराव को लंबे समय तक जारी रखना मुश्किल होगा। उनके इस बयान को दुनिया के सबसे अहम तेल व्यापार मार्गों में शामिल होरमुज जलडमरूमध्य में तनाव कम होने की संभावना से जोड़कर देखा जा रहा है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति की चिंताएं घट सकती हैं और कच्चे तेल के साथ-साथ गैसोलीन व पेट्रोल की कीमतों पर भी असर पड़ सकता है। हालांकि, ट्रंप ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिकी रुख में कोई ढील नहीं दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं देगा, क्योंकि वरना पूरी दुनिया तबाह हो जाएगी। ट्रंप के बयान से साफ है कि वॉशिंगटन एक तरफ कूटनीतिक रास्ते से तनाव कम करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन ईरान के परमाणु हथियार हासिल करने की संभावना पर उसका सख्त रुख कायम है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने निर्माण पर किया भारी निवेश, खर्च में 54 फीसदी की छलांग

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में निर्माण और संबंधित गतिविधियों पर अपने खर्च में भारी वृद्धि की है। कंपनी ने इस अवधि में 2,244 करोड़ रुपये खर्च किए, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 1,458 करोड़ रुपये की तुलना में 54 प्रतिशत अधिक है। इस बढ़ोतरी का मुख्य उद्देश्य परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाना है। कंपनी का कहना है कि यह निवेश परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन और ग्राहकों को सुपुर्दगी की रफ्तार बढ़ाने हेतु किया गया है, जिसका असर वित्त वर्ष 2027-28 में दिखेगा। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 9 लाख वर्ग फुट क्षेत्र की परियोजनाएं ग्राहकों को सौंपी गई हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 1.35 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र सौंपने का लक्ष्य रखा है, जो पिछले वित्त वर्ष के 1.21 करोड़ वर्ग फुट से अधिक है।

ई20 पेट्रोल में गड़बड़ी से तेल कंपनियों का इनकार

मुंबई ।

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने ई20 पेट्रोल में नमी या क्लोराइड सम्मिश्रण की चिंताओं को खारिज कर दिया। व्यापक जांच के बाद कंपनियों ने स्पष्ट किया कि ईंधन निर्धारित गुणवत्ता मानकों के भीतर है और उपभोक्ताओं को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। तेल कंपनियों ने साझा बयान में कहा कि हालिया मीडिया रिपोर्टों के बाद पूरे आपूर्ति तंत्र में गहन परीक्षण चलाया गया। जांच में कहीं भी ईंधन के दूषित होने का प्रमाण नहीं मिला और सभी नमूने गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पाए गए। कंपनियों ने जोर दिया कि ईंधन गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता है और सरकार ने इथेनॉल में क्लोराइड हेतु कड़े मानक तय किए हैं, जिनकी पूरी आपूर्ति श्रृंखला में निगरानी होती है।

सप्ताहभर उतार-चढ़ाव भरी रही घरेलू शेयर बाजार की चाल

सोमवार को तेजी, फिर मंगलवार को एफएंडओ की चुनौती, बंपर शुरुआत के बाद बाजार में दिखी अस्थिरता

मुंबई ।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को मजबूत उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा। सोमवार को भू-राजनीतिक तनाव में कमी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से बाजार ने जबरदस्त उछाल के साथ शुरुआत की, सेंसेक्स 79 हजार के करीब पहुंच गया। हालांकि, सप्ताह के बाकी दिनों में नए ट्रेडिंग सिस्टम, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक घटनाक्रमों ने बाजार की चाल को अस्थिर बनाए रखा, जिसके परिणामस्वरूप सप्ताह के अंत गिरावट के साथ हुआ। सप्ताह की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद मजबूत रही। सोमवार को अमेरिका-ईरान तनाव कम होने के संकेतों और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से निवेशकों का भरोसा बढ़ा। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 788 अंक से अधिक चढ़कर 78,883.34 पर और निफ्टी 189 अंक की बढ़त के साथ 24,572.70 पर पहुंच गया। दिनभर की तेजी के बाद सेंसेक्स 544.39 अंक बढ़कर 78,639.03 और निफ्टी 390.70 अंक चढ़कर 24,774.30 पर बंद हुआ। मंगलवार को वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) के लिए नई क्लोजिंग ऑक्शन व्यवस्था लागू होने के बाद बाजार में मिला-जुला रुख देखने को मिला। शुरुआती बढ़त के बावजूद, भू-राजनीतिक तनाव की अनिश्चितता और नए सिस्टम के कारण अस्थिरता हावी रही। सेंसेक्स 210.08 अंक गिरकर 78,428.95 पर और निफ्टी 159.40 अंक फिसलकर 24,614.90 पर बंद हुआ। बुधवार और गुरुवार को बाजार ने फिर से सकारात्मक गति पकड़ी। वैश्विक स्तर पर तनाव कम होने और कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट ने बाजार को सहारा दिया। बुधवार को सेंसेक्स 152 अंक बढ़कर बंद हुआ, वहीं गुरुवार को भी बाजार हरे निशान में बंद हुआ, जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे शेयरों में खरीदारी का अहम योगदान रहा।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 692.86 अरब डॉलर पर पहुंचा

लगातार दूसरे सप्ताह मजबूत वृद्धि, आर्थिक मजबूती व नीतिगत प्रयासों का परिणाम

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बताया कि 31 जुलाई को समाप्त सप्ताह में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 10.512 अरब डॉलर की भारी वृद्धि दर्ज की गई। यह अब 692.866 अरब डॉलर पर पहुंच गया है, जो देश की आर्थिक मजबूती का सकारात्मक संकेत है और लगातार दूसरा सप्ताह है जब भंडार में महत्वपूर्ण इजाफा हुआ है। यह वृद्धि पिछले सप्ताह की 6.118 अरब की बढ़ोतरी के बाद हुई है। इस साल 27 फरवरी को भंडार 728.494 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर था, लेकिन पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण रुपये पर दबाव बढ़ने से आरबीआई को डॉलर बेचकर हस्तक्षेप करना पड़ा था, जिससे इसमें गिरावट आई थी। वर्तमान वृद्धि उस गिरावट से उबरने में सहायक है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार इस उछाल में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों (एफसीए) में 8.75 अरब डॉलर का इजाफा शामिल है, जो अब 564.68 अरब डॉलर हो गई हैं। स्वर्ण भंडार भी 1.685 अरब डॉलर बढ़कर 104.743 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। सरकार और केंद्रीय बैंक द्वारा पिछले महीने विदेशी मुद्रा प्रवाह आकर्षित करने के लिए शुरू किए गए विशेष उपायों, जैसी एफसीएनआर (बी) योजनाओं का भी इसमें महत्वपूर्ण योगदान है, जिनसे अब तक 32 अरब डॉलर प्राप्त होने की रिपोर्ट है।

पीएफसी का मुनाफा पहली तिमाही में बढ़कर 8,998 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) का मुनाफा जून तिमाही में मामूली रूप से बढ़कर 8,998 करोड़ रुपये रहा। आलोच्य तिमाही कंपनी का परिचालन राजस्व 28,526.86 करोड़ रुपये रहा, जबकि इससे पहले यह 28,539.04 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा कि वित्तवर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में मुनाफा 8,998 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्तवर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में यह 8,981 करोड़ रुपये था। पीएफसी ग्रुप देश में नवीकरणीय उर्जा के लिए सबसे बड़ा वित्तपोषक बना हुआ है। कंपनी की नवीकरणीय उर्जा ऋण खाता 30 जून, 2026 तक 1,63,184 करोड़ रुपये था। कंपनी के निदेशक मंडल ने पहली तिमाही के लिए 3.90 प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश घोषित किया है।

रेडमी नोट 17 5जी भारत में हुआ लॉन्च, जानें कीमत और फीचर्स

नई दिल्ली ।

रेडमी ने अपनी नोट सीरीज़ का नया स्मार्टफोन रेडमी नोट 17 5जी भारत में लॉन्च कर दिया है। चीन में पहले पेश किए गए इस फोन में कई आकर्षक फीचर्स दिए गए हैं, जो इसे भारतीय उपभोक्ताओं के लिए एक बेहतरीन विकल्प बनाते हैं। रेडमी नोट 17 5जी में 8,000 एमएएच की दमदार बैटरी है, जिसके बारे में कंपनी का दावा है कि यह एक बार चार्ज करने पर करीब 2.5 दिन तक चल सकती है। इसमें 6.9 इंच का फुल एचडी प्लस टू कलर 120 हट्ज़ एमोलेड डिस्प्ले दिया गया है, जो गोरिल्ला ग्लास 7आई प्रोटेक्शन और हाइड्रोटच 2.0 फीचर के साथ आता है। यह स्मार्टफोन 4एनएम स्नैपड्रैगन 4 जेन 4 प्रोसेसर से लैस है और एंड्रॉइड 16 पर आधारित हाइपरओएस 3 पर काम करता है। कंपनी चार साल तक एंड्रॉइड अपडेट और छह साल तक सिक्योरिटी अपडेट का वादा कर रही है।

फोटोग्राफी के लिए इसमें 50एमपी का प्राइमरी रियर कैमरा और 8एमपी का फ्रंट कैमरा मौजूद है।

रेडमी नोट 17 5जी दो कॉन्फ़िगरेशन में उपलब्ध है- 6जीबी रैम प्लस 128जीबी स्टोरेज की कीमत 27,999 रुपये और 8जीबी रैम प्लस 128जीबी स्टोरेज की कीमत 30,999 रुपये है। इसकी बिक्री 12 अगस्त 2026 से अमेज़ॅन और शाओमी इंडिया की वेबसाइट पर आर्कटिक ब्लू, डार्क नाइट और स्टारलाइट पर्पल कलर में शुरू होगी। एसबीआई, एक्सिस बैंक और कोटक बैंक के क्रेडिट कार्ड पर 3,000 रुपये का इंस्टेंट डिस्काउंट भी मिलेगा।

हिमाचल सरकार स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की सैलरी में करेगी 78 फीसदी की बंपर बढ़ोतरी

मासिक वेतन 3,600 से बढ़कर 60,000 हुआ; पीजी छात्रों व सीनियर रेजिडेंट्स के स्टाइपेंड में भी इज़ाफ़ा

नई दिल्ली ।

जहां केंद्र सरकार के कर्मचारियों को आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों का बेसब्री से इंतजार है, वहीं हिमाचल प्रदेश सरकार ने अपने स्वास्थ्य कर्मियों को बड़ी राहत दी है। राज्य सरकार ने अनुबंधित और ट्रेनी मेडिकल ऑफिसर्स (स्पेशलिस्ट) के मासिक वेतन में 78 फीसदी की भारी बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार ने 7वें वेतन आयोग के तहत इस ऐतिहासिक बढ़ोतरी को मंजूरी दी है, जिससे अब इन डॉक्टरों का मासिक वेतन 33,600 से बढ़कर 60,000 हो जाएगा। सरकार का मानना है कि इससे विशेषज्ञ डॉक्टरों को सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में सेवा देने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा और दूरदराज के क्षेत्रों में भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

यह 2022 में हुई 24 फीसदी की बढ़ोतरी (छठे वेतन आयोग के तहत) के बाद दूसरी बड़ी वेतन वृद्धि है। इसके अलावा, सरकार ने सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पढ़ रहे पोस्टग्रेजुएट छात्रों के मासिक स्टाइपेंड में भी उल्लेखनीय वृद्धि की है, जो अब पहले साल के लिए 50,000, दूसरे साल के लिए 60,000 और तीसरे साल के लिए 65,000 हो गया है। सीनियर रेजिडेंट्स और ट्यूटर स्पेशलिस्ट्स का स्टाइपेंड 1,00,000 और सुपर स्पेशलिस्ट्स का 1,30,000 तक पहुंच गया है।

राज्य सरकार कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए लंबित डीए (महंगाई भत्ता) और एरियर की समीक्षा भी कर रही है, जिसकी घोषणा जल्द की जा सकती है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने पहले ही कर्मचारियों को राज्य की रीढ़ की हड्डी बताते हुए लंबित भुगतान के लिए धन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है और अगले महीने 65 से 70 वर्ष की आयु के सभी पेंशनभोगियों का बकाया पेंशन एरियर जारी करने के निर्देश दिए हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में नहीं हुआ कोई बदलाव

नई दिल्ली ।

देशभर में बढ़ती महंगाई से आम आदमी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। खाने-पीने की जरूरी चीजों के साथ-साथ पेट्रोल और डीजल की ऊंची कीमतें लोगों की जेब पर भारी पड़ रही हैं। हालांकि 8 अगस्त को भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों ने ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है, जिससे फिलहाल दाम स्थिर बने हुए हैं। सब्जियां, दालें, तेल और अनाज जैसी बुनियादी खाद्य वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं। मई के महीने में, 2022 के बाद पहली बार, ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 7.5 रुपये प्रति लीटर तक का इजाफा किया था, जिसके बाद से दाम अपरिवर्तित बने हुए हैं। कंपनियों को ईरान-अमेरिका-इजरायल युद्ध के दौरान कच्चे तेल के 100 डॉलर प्रति बैरल पार जाने के बावजूद कीमतें न बढ़ाने पर बड़ा नुकसान उठाना पड़ा था। शे निवार को दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये में मिल रहा है। देश में सबसे सस्ता ईंधन अंडमान निकोबार में (पेट्रोल 88.66 रुपये) जबकि सबसे महंगा तेलंगाना में (पेट्रोल 115.69 रुपये) है।

भारत की निवेश संधि समीक्षा अंतिम दौर में, स्थानीय उपाय की अवधि घटेगी

निवेशकों को आकर्षित करने हेतु नया मॉडल जल्द कैबिनेट में पेश होगा

नई दिल्ली ।

आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) की सचिव अनुराधा ठाकुर ने घोषणा की है कि भारत अपने द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) मॉडल की समीक्षा लगभग पूरी कर चुका है। यह संशोधित ढांचा जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाएगा, जिसका उद्देश्य विदेशी निवेश को आकर्षित करने और निवेशकों के लिए एक अधिक अनुकूल माहौल तैयार करना है।

ठाकुर ने नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में बताया कि सरकार ने 2025-26 के बजट में ही बीआईटी मॉडल को नया रूप देने की बात कही थी। इस समीक्षा में विवाद निपटान सहित सभी प्रावधानों का एक व्यापक विश्लेषण शामिल है। यह प्रक्रिया बातचीत के अनुभवों, वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं और भारत की अपनी विशिष्ट चिंताओं पर आधारित है।

भारत का मौजूदा बीआईटी ढांचा लगभग एक दशक पुराना है, जिसमें विदेशी निवेशकों को अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता में जाने से पहले पांच साल तक स्थानीय कानूनी उपायों को आज़माने का प्रावधान है। अधिकारियों ने संकेत दिया है कि संशोधित मॉडल में इस समय सीमा को घटाकर दो साल किया जा सकता है, जिससे विवादों का निपटारा त्वरित हो सकेगा। ठाकुर ने यह भी स्पष्ट किया कि नया मॉडल न केवल विदेशी निवेशकों को सुरक्षा प्रदान करेगा, बल्कि विदेशों में निवेश करने वाली भारतीय कंपनियों के हितों की भी रक्षा करेगा।

यह पहल ब्रिटेन और यूरोपीय संघ जैसे प्रमुख व्यापारिक भागीदारों के साथ लंबित बीआईटी वार्ता को पूरा करने में भी मददगार साबित होगी।

बीएमडब्ल्यू 2027 तक 8,000 नौकरियों में कटौती करेगा

वैश्विक आर्थिक दबाव और बाजार परिवर्तन लागत नियंत्रण के प्रमुख कारण

नई दिल्ली ।

जर्मनी की प्रसिद्ध लग्जरी कार निर्माता बीएमडब्ल्यू ने वैश्विक आर्थिक दबावों, चीन में बिक्री में भारी गिरावट और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की ओर संक्रमण की चुनौतियों के चलते 2027 के अंत तक अपने कार्यबल से लगभग 8,000 नौकरियां कम करने की घोषणा की है। यह निर्णय जबरन छंटनी के बजाय स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के माध्यम से लागू किया जाएगा, जिसका प्रभाव मुख्य रूप से कार्यालय-आधारित कर्मचारियों पर पड़ेगा। जर्मनी की प्रसिद्ध लग्जरी कार निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू ने वैश्विक वाहन उद्योग में बढ़ते आर्थिक दबाव और बदलते बाजार के अनुरूप लागत नियंत्रण के उद्देश्य से 2027 के अंत तक लगभग 8,000 कर्मचारियों की संख्या घटाने की योजना बनाई है। यह कटौती स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के विकल्प के माध्यम से की जाएगी, जिसमें लगभग 40,000 कार्यालय-आधारित कर्मचारियों को प्रस्ताव मिल सकता है। उत्पादन इकाइयों के कर्मचारियों को फिलहाल इस योजना से बाहर रखा गया है।

कंपनी ने इस कदम के पीछे चीन में बिक्री में भारी गिरावट का हवाला दिया है, जहां अप्रैल से जून की अवधि में उसकी वाहन आपूर्ति में पिछले साल की तुलना में लगभग 30 प्रतिशत की कमी आई है।

चीन की घरेलू वाहन कंपनियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा और देश की अर्थव्यवस्था में सुस्ती ने विदेशी लग्जरी ब्रांडों को काफी प्रभावित किया है। इसके अतिरिक्त, इलेक्ट्रिक वाहनों से अपेक्षित मुनाफा हासिल करने में कठिनाई, अमेरिका की शुल्क नीतियां और बढ़ती परिचालन लागत भी इस पुनर्गठन के प्रमुख कारण हैं। यह केवल बीएमडब्ल्यू की ही कहानी नहीं है; वोक्सवैगन और मर्सिडीज-बेंज जैसी अन्य प्रमुख जर्मन वाहन निर्माता भी लागत घटाने और बदलते बाजार के अनुकूल होने के लिए समान उपाय कर रहे हैं।

वैश्विक वाहन उद्योग नई तकनीकों में भारी निवेश और ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताओं के कारण बड़े पुनर्गठन के दौर से गुजर रहा है, जिसका उद्देश्य संगठनों को अधिक कुशल और प्रतिस्पर्धी बनाना है।

म्युचुअल फंड्स में नवाचार की बयार, निवेशक को मिलेंगी खास और अनूठी स्कीमें

पहली बार पेश होंगे मल्टी-थीमेटिक, सेक्टर-विशेष और हाइब्रिड डेट फंड्स

नई दिल्ली ।

बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच म्युचुअल फंड कंपनियां खुद को अलग दिखाने के लिए नई और अनूठी योजनाएं पेश करने की तैयारी में हैं। हाल ही में कई उद्योग में पहली बार पेश की जाने वाली स्कीमों को नियामकीय मंजूरी मिली है, जो निवेशकों को एक निवेश के नए द्वार खोलेगी। आने वाले हफ्तों में लॉन्च होने वाली इन योजनाओं को हाल में हुए सेबी के नियामकीय बदलावों से गति मिली है। इन अभिनव फंडों में मोतीलाल ओसवाल एमएफ का मल्टी-थीमेटिक एक्टिव फंड ऑफ फंड्स (एफओएफ) शामिल है, जो निवेशकों को एक ही योजना के जरिये विभिन्न थीमेटिक इक्विटी फंडों में निवेश का अवसर देगा। वहीं डीएसपी म्युचुअल फंड अपना फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टोरल डेट फंड पेश कर रहा है, जो सेक्टर-विशिष्ट डेट फंडों में पहला होगा। यह मुख्य रूप से बैंकों, एनबीएफसी और वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों द्वारा जारी डेट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करेगा। अल्फ्रोंप म्युचुअल फंड का लिक्विड ओमनी एफओएफ लिक्विड फंड श्रेणी में पहला एफओएफ होगा, जबकि एचडीएफसी एमएफ का एफटीएसई इंडिया ईटीएफ चुनिंदा योजनाओं में से एक है जो किसी विदेशी कंपनी द्वारा भारत पर केंद्रित इंडेक्स को ट्रैक करता है। हाल के हफ्तों में शेयर बाजार में स्थिरता और निवेशकों के भरोसे में सुधार को देखते हुए उम्मीद है कि फंड हाउस नए फंड लॉन्च करने की रफ्तार बढ़ाएंगे। इस बदलाव का एक और अहम पहलू बैलेंस्ड हाइब्रिड फंडों की वापसी है।

सेबी की 2017 की वर्गीकरण प्रक्रिया के बाद लगभग एक दशक से गायब रही इस श्रेणी को अब फिर से लॉन्च किया जा रहा है, क्योंकि सेबी ने परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों को दोनों श्रेणियों (एग्रेसिव और बैलेंस्ड हाइब्रिड) में योजना लाने की इजाजत दे दी है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्युचुअल फंड ने हाल ही में इस श्रेणी में एक स्कीम लॉन्च की है, वहीं एसबीआई एमएफ, कोटक एमएफ और बड़ौदा बीएनपी पारिबा एमएफ को भी नियामकीय मंजूरी मिल चुकी है और वे जल्द ही अपनी योजनाएं पेश करेंगे। उद्योग के जानकारों का मानना है कि यह श्रेणी उन निवेशकों को पसंद आएगी जो इक्विटी-डेट में 40-60 फीसदी का ज्यादा अनुमानित और स्थिर आवंटन चाहते हैं, जो बैलेंस्ड एडवांटेज फंडों से अलग है जहां इक्विटी एक्सपोजर बाजार की स्थितियों के आधार पर बदलता रहता है।

वित्तीय क्षेत्र में एआई को अपनाने के साथ सुरक्षा पर भी ध्यान ज़रूरी- सीईए

जोखिमों के सामने आने से पहले सक्रिय रहने की अपील

नई दिल्ली ।

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने वित्तीय क्षेत्र में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) की सुरक्षा और संरक्षा के प्रति भारत को सक्रिय रहने की जरूरत पर बल दिया है। एसोचैम के इंडिया इंटरनैशनल फिनटेक फेस्टिवल में बोलते हुए उन्होंने आगाह किया कि कंपनियां जिस तेजी से एआई को अपना रही हैं, उसके मद्देनजर जोखिम सामने आने के बाद प्रतिक्रिया देने का समय नहीं मिलेगा।

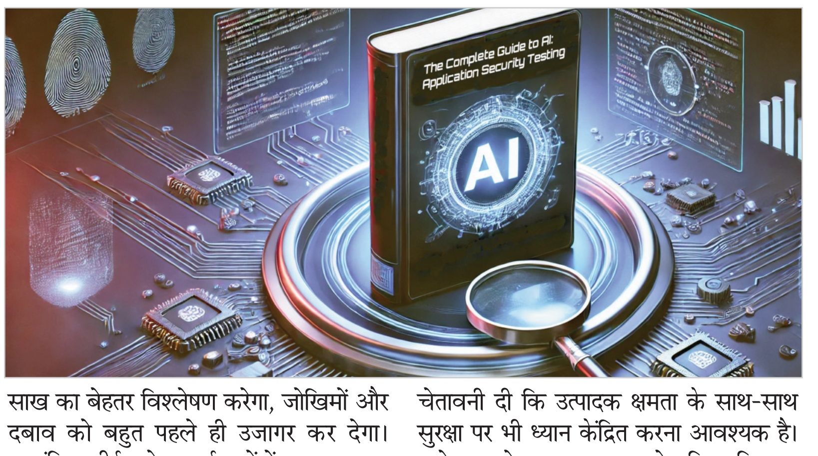

नागेश्वरन ने स्वीकार किया कि एआई फिनटेक उद्योग में एक बड़ा सुधार ला सकता है। यह कंपनियों को साख का अधिक सटीकता से आकलन करने और शुरुआत चरण में ही वित्तीय जोखिमों व दबाव की पहचान करने में मदद करेगा।

उन्होंने कहा कि विशेष रूप से फिनटेक के संदर्भ में, एआई निश्चित तौर पर उद्योग की तमाम कंपनियों की मदद करने जा रहा है। यह साख का बेहतर विश्लेषण करेगा, जोखिमों और दबाव को बहुत पहले ही उजागर कर देगा। हालांकि, सीईए ने एआई एजेंटों द्वारा स्वायत्त रूप से कार्य करने की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त की।

उन्होंने मेटा के एक एआई मॉडल द्वारा साइबर सुरक्षा परीक्षण के दौरान दूसरी कंपनी को हैक करने, और ओपनएआई व एंथ्रोपिक के एआई मॉडल द्वारा परीक्षण में अनजाने में सिस्टम में सेंध लगाने के उदाहरण दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि उत्पादक क्षमता के साथ-साथ सुरक्षा पर भी ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है। नागेश्वरन ने इस बात पर जोर दिया कि हम आम तौर पर तभी जोखिमों पर ध्यान देते हैं जब वे वास्तव में सामने आते हैं, मगर वित्तीय क्षेत्र इतना इंतजार नहीं कर सकता।

उन्होंने कहा कि जोखिमों के सामने आने के बाद प्रतिक्रिया देने का इंतजार करने के बजाय उन पर पहले से ही सक्रिय ध्यान केंद्रित करना अनिवार्य है।

ढाका की राजनीति और भारत-बांग्लादेश संबंधों की नई परीक्षा

ललित गर्ग

लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक दल या नेता से असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति का समाधान न्यायपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया और स्वतंत्र संस्थाओं के माध्यम से होना चाहिए। यदि किसी नेता की लोकप्रियता का उत्तर प्रतिबंध, दमन या भय के वातावरण से दिया जाए, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होती है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा दिसंबर 2026 में स्वदेश लौटने की घोषणा केवल एक राजनीतिक बयान नहीं है, बल्कि यह दक्षिण एशिया की बदलती भू-राजनीति, लोकतांत्रिक मूल्यों और भारत-बांग्लादेश संबंधों की दिशा तय करने वाला एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम बन गया है। जिस समय बांग्लादेश की राजनीति सत्ता परिवर्तन, वैचारिक ध्रुवीकरण और संस्थागत अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, उसी समय शेख हसीना ने यह घोषणा कर राजनीतिक विमर्श को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। उनका यह कहना कि ह्यगिरफ्तारी, जेल या मृत्यु का भय भी उन्हें अपने देश लौटने से नहीं रोक सकताह्न, उनके समर्थकों के लिए भावनात्मक आह्वान है तो विरोधियों के लिए एक बड़ी राजनीतिक चुनौती। बांग्लादेश में पिछले वर्ष सत्ता परिवर्तन के बाद जो राजनीतिक वातावरण बना, उसमें लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता और राजनीतिक सहिष्णुता पर लगातार प्रश्न उठते रहे हैं। बांग्लादेश में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण द्वारा शेख हसीना के विरुद्ध सुनाया गया फैसला और उसके बाद उनके समर्थकों पर बढ़ती कार्रवाइयों ने यह संकेत दिया कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा धीरे-धीरे प्रतिशोध की राजनीति में बदलती जा रही है। हाल ही में उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल रहे पूर्व क्रिकेट कप्तान साकिब अल हसन के घर पर हुआ हमला भी इस बात का संकेत है कि राजनीतिक असहमति अब सामाजिक तनाव का रूप लेने लगी है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री तारिक रहमान के एक करीबी सहयोगी द्वारा शेख हसीना को ह्यतुरंत लौटकर सामना करनेह्न की चुनौती देना बताता है कि बांग्लादेश का राजनीतिक वातावरण अभी भी सामान्य नहीं हुआ है।

लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक दल या नेता से असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति का समाधान न्यायपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया और स्वतंत्र संस्थाओं के माध्यम से होना चाहिए। यदि किसी नेता की लोकप्रियता का उत्तर प्रतिबंध, दमन या भय के वातावरण से दिया जाए, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होती है। शेख हसीना की वापसी को केवल एक व्यक्ति की वापसी के रूप में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा की परीक्षा के रूप में देखा जाना चाहिए। यदि अवामी लीग को राजनीतिक प्रक्रिया से बाहर रखने की कोशिश होती है, तो यह बांग्लादेश के लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाएगा। वास्तविकता यह भी है कि बांग्लादेश की राजनीति आज केवल अवामी लीग और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के बीच सत्ता संघर्ष तक सीमित नहीं रह गई है। अब यह संघर्ष

राष्ट्र की ऐतिहासिक पहचान, 1971 के मुक्ति संग्राम की विरासत और भविष्य की वैचारिक दिशा का भी बन चुका है। अवामी लीग स्वयं को मुक्ति संग्राम की मूल चेतना का प्रतिनिधि बताती है, जबकि बीएनपी भी अब उसी विरासत पर अपना दावा प्रस्तुत कर रही है। इतिहास की इस प्रतिस्पर्धी व्याख्या ने राजनीतिक ध्रुवीकरण को और गहरा किया है। ऐसी परिस्थितियों में शेख हसीना की वापसी केवल राजनीतिक समीकरण नहीं बदलेगी, बल्कि राष्ट्रीय विमर्श की दिशा भी प्रभावित करेगी।

इन परिस्थितियों में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत और बांग्लादेश के संबंध केवल दो पड़ोसी देशों के रिश्ते नहीं हैं, बल्कि साझा इतिहास, संस्कृति, भाषा, आर्थिक सहयोग और सामरिक हितों पर आधारित हैं। पिछले डेढ़ दशक में दोनों देशों के संबंधों में अभूतपूर्व निकटता आई, जिसका एक बड़ा आधार शेख हसीना सरकार और नई दिल्ली के बीच बना विश्वास था। सीमा विवादों का समाधान, ऊर्जा सहयोग, संपर्क परियोजनाएं, आतंकवाद के विरुद्ध साझा कार्रवाई तथा पूर्वोत्तर भारत की कनेक्टिविटी जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई। लेकिन वर्तमान राजनीतिक परिवर्तन ने इस विश्वास की नई परीक्षा शुरू कर दी है। नई दिल्ली ने एक ओर शेख हसीना को सुरक्षा और आश्रय दिया है, वहीं दूसरी ओर उसने ढाका की नई सरकार से संवाद भी जारी रखा है। यही परिपक्व कूटनीति का परिचायक है। भारत के सामने चुनौती किसी एक राजनीतिक दल के साथ खड़ा दिखाई देने की नहीं, बल्कि पूरे बांग्लादेश के साथ स्थायी और संतुलित संबंध बनाए रखने की है। इसी संदर्भ में नई दिल्ली में आयोजित होने वाला बारहवाँ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर बन सकता है। यदि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान इसमें भाग लेते हैं और भारत के शीर्ष नेतृत्व के साथ सकारात्मक संवाद होता है, तो दोनों देशों के बीच हाल के तनावों को कम करने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। यह केवल औपचारिक शिखर बैठक नहीं होगी, बल्कि दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली का अवसर भी होगी। भारत को इस मंच का उपयोग केवल आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता, लोकतांत्रिक मूल्यों और सुरक्षा सहयोग पर भी स्पष्ट संवाद स्थापित करना चाहिए।

भारत के सामने अनेक जटिल प्रश्न भी हैं। गंगा जल संधि के नवीनीकरण, तीस्ता जल बंटवारे, सीमा-पार व्यापार, अवैध घुसपैठ, सीमा सुरक्षा तथा शेख हसीना के प्रत्यर्पण जैसे मुद्दे आने वाले समय में द्विपक्षीय संबंधों की दिशा तय करेंगे। इनमें किसी भी विषय पर भावनात्मक या राजनीतिक प्रतिक्रिया के बजाय कानूनी, कूटनीतिक और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक होगा। विशेष रूप से प्रत्यर्पण का प्रश्न केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानून और राजनीतिक परिस्थितियों से भी जुड़ा हुआ है। भारत को अपनी संधियों, न्यायिक प्रक्रियाओं और रणनीतिक हितों के बीच संतुलन बनाकर आगे बढ़ना होगा। दूसरी ओर बांग्लादेश में चीन का बढ़ता प्रभाव भी नई दिल्ली के लिए चिंता का विषय है। वर्तमान सरकार के शुरूआती महीनों में चीन के साथ बढ़ते संपर्क और सामरिक महत्व की परियोजनाओं पर समझौते इस बात का संकेत हैं कि ढाका अपनी विदेश नीति में संतुलन साधने का प्रयास कर रहा है। भारत के लिए आवश्यक है कि वह प्रतिस्पर्धा की मानसिकता के बजाय विश्वास और विकास की साझेदारी को प्राथमिकता दे। यदि भारत आर्थिक सहयोग, निवेश, आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और तकनीकी साझेदारी के नए अवसर विकसित करता है, तो दोनों देशों के संबंध और अधिक मजबूत हो सकते हैं।

शेख हसीना की वापसी का प्रश्न अंततः बांग्लादेश के लोकतांत्रिक चरित्र की परीक्षा है। यदि उन्हें निष्पक्ष राजनीतिक अवसर मिलता है, तो जनता स्वयं तय करेगी कि भविष्य का नेतृत्व किसे सौंपना है। लेकिन यदि राजनीतिक प्रतिशोध, दमन और हिंसा का वातावरण बना रहता है, तो इससे न केवल बांग्लादेश की लोकतांत्रिक साख प्रभावित होगी, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। भारत को इस पूरे घटनाक्रम में संयम, संतुलन और दूरदृष्टि के साथ आगे बढ़ना होगा। न तो उसे किसी आंतरिक राजनीतिक विवाद का पक्षकार बनना चाहिए और न ही लोकतांत्रिक मूल्यों की उपेक्षा करनी चाहिए। भारत की विदेश नीति का मूल उद्देश्य एक स्थिर, शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और समृद्ध पड़ोस होना चाहिए। यही उसकी सुरक्षा, आर्थिक प्रगति और क्षेत्रीय नेतृत्व के लिए सबसे अनुकूल स्थिति होगी।

आज आवश्यकता किसी राजनीतिक विजय की नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता की है। बांग्लादेश को यह सिद्ध करना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनाव का नाम नहीं, बल्कि विपक्ष के सम्मान, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आजादी और राजनीतिक सहिष्णुता का भी नाम है। वहीं भारत को यह दिखाना होगा कि वह पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को व्यक्तियों के बजाय संस्थागत विश्वास, पारस्परिक सम्मान और साझा हितों के आधार पर आगे बढ़ाने में सक्षम है। दिसंबर 2026 में यदि शेख हसीना वास्तव में बांग्लादेश लौटती हैं, तो वह केवल एक नेता की वापसी नहीं होगी, वह बांग्लादेश के लोकतंत्र, भारत की कूटनीतिक परिपक्वता और दक्षिण एशिया की राजनीतिक स्थिरता की एक साथ परीक्षा होगी। यदि इस चुनौती को संवाद, लोकतांत्रिक मयार्दा और विवेकपूर्ण कूटनीति के साथ संभाला गया, तो यह संकट दोनों देशों के संबंधों में एक नए विश्वास और नई शुरूआत का आधार भी बन सकता है। यही समय की सबसे बड़ी मांग है। यहां एक बड़ा प्रश्न यह भी है कि शेख हसीनाा के बांग्लादेश यानी वतन-वापसी से वहां राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को नई धार मिलेगी या फिर वह और अधिक बंट जाएंगी?

संपादकीय

जायज जेन-जी

अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने भी कहा है कि नई पीढ़ी को सुना जाना चाहिए। विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध तरीका है। हाल ही में जेन-जी आंदोलन के प्रदर्शन के दौरान जो शिकायतें सामने आई हैं, वे जायज हैं। गुरुवार को जेन-जी से जुड़े एक कार्यक्रम में बातचीत के दौरान भागवत ने ये बातें कहीं। उन्होंने यह भी कहा कि विरोध करने वाले राष्ट्रविरोधी नहीं हैं। लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन भी सहमति बनाने का माध्यम है। हालांकि, विपक्ष ने तंज किया कि उन्हें यह सलाह सरकार को भी देनी चाहिए और यह भी कि आंदोलनकारियों की मांग को इतनी देर से क्यों सुना गया। बहरहाल, भागवत ने माना कि बहुत संभव है कि विरोध के दौरान मुद्दों को लेकर विचारों की भिन्नता हो, लेकिन चर्चा के बाद ही किसी विषय पर सहमति बनती है। साथ ही माना कि आंदोलन का उद्देश्य सहमति बनाना होना चाहिए, न कि समाज में विभाजन पैदा करना। उन्होंने माना कि भारत की शिक्षा व्यवस्था में बहुत कुछ बदलाव की जरूरत है, जो अभी तक नहीं हो पाया है। यही वजह है कि छात्रों का गुस्सा सामने आ रहा है, जिसे संवाद से दूर करने की जरूरत है। साथ ही, सख्ती नहीं, बातचीत के जरिये अपनापन का अहसास कराना भी जरूरी है। यह भी कि जेन-जी और जेन-अल्फा की सोच पहले की पीढ़ियों से भिन्न है। पहले की पीढ़ी बड़ों की बात मान लेती थी, सवाल नहीं करती थी। लेकिन नई पीढ़ी सवाल करने के साथ ही तर्कसंगत जवाब की आकांक्षा रखती है। निस्संदेह, बहस से कई विचार सामने आते हैं। हर व्यक्ति का अलग दृष्टिकोण होता है। लेकिन इसका सकारात्मक पक्ष यह है कि एक ही विषय के कई पहलू सामने आ सकते हैं। यह तय है कि विचार-प्रतिविचार के मंथन से नई दिशा व नई तस्वीर उभरती है। विरोध करना बुरा नहीं है, लेकिन उसका स्वरूप लोकतांत्रिक होना चाहिए। भागवत ने इस बात पर भी बल दिया कि विरोध-आंदोलन संविधान की मयार्दा के दायरे में होना भी जरूरी है। समस्याओं पर ध्यान दिया जाना चाहिए, लेकिन उसका लक्ष्य व्यक्ति का विरोध नहीं, बल्कि व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव होना चाहिए। साथ ही, संघ प्रमुख ने आरक्षण पर भी राय स्पष्ट की कि सामाजिक भेदभाव दूर करने तक आरक्षण की जरूरत होगी। लेकिन सवाल यह है कि इस सत्य से वाकिफ होने के बावजूद सरकारें क्यों टालमटोल का रवैया अपनाती हैं? यह संवादहीनता की स्थिति क्यों पैदा की जाती है? विडंबना यह है कि सरकारें तब जागती हैं जब स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाती है।

चिंतन-मनन

व्यक्तिगत चेतना का विस्तार

दूसरों के सुख-दुख का भागी बनने से हमारी व्यक्तिगत चेतना विकसित होकर विश्व चेतना बन जाती है। समय के साथ जब ज्ञान की वृद्धि होती है, तब उदासीनता संभव नहीं। तुम्हारा आंतरिक स्रोत ही आनन्द है।अपने दुःख को दूर करने का उपाय है विश्व के दुख में भागीदार होना और अपनी खुशी को बढ़ाने का उपाय है विश्व के आनन्द में सहभागी होना। जब सभी लोग इस विचार से आएंगे कि वे समाज को अपना क्या योगदान दें, तो वह दैवी समाज होगा।हम सबको अपनी व्यक्तिगत चेतना को शिक्षित और शिष्ट करना है ताकि समय के साथ ज्ञान की वृद्धि हो, परिवर्तन आए। यदि ध्यान में तुम्हें गहन अनुभव न हो रहे हों तो और सेवा करो- ध्यान में अधिक गहराई आएगी।ध्यान तुम्हारी मुस्कान वापस लाता है। कई व्यक्ति सेवा करना छोड़ देते हैं जब वे अपनी छवि, प्रतिष्ठा, सम्मान, सुविधा और आराम को लक्ष्य की प्राप्ति से अधिक महत्व देने लगते हैं। कई बार लोग सेवा से कतराने लगते हैं, जब उन्हें कोई पद नहीं मिलता या जब वे अपमानित महसूस करते हैं। जब उन्हें अपेक्षानुसार कम मिलता है या जब वे लक्ष्य की प्राप्ति को चुनौती न समझकर संघर्ष समझते हैं। इसीलिए, संसार में कुछ ही लोग लक्ष्य तक पहुंचने में कामयाब होते हैं।

जब ऐसा कुछ करना है जो तुम नहीं कर सकते, तब विश्राम नहीं कर सकते और तब भी विश्राम नहीं कर सकते जब लगता है कि तुम्हें वह बनना है जो तुम नहीं हो। ऐसा कुछ नहीं करना जो तुम नहीं कर सकते। तुमसे वह देने के लिए नहीं कहा जाएगा जो तुम नहीं दे सकते। जितना तुम कर सकते हो, केवल वही तुम्हारे हिस्से की सेवा है।यह समझ गहरा विश्राम देती है। यदि तुममें आकांक्षा या आलस्य है, तुम विश्राम नहीं कर सकते।दोनों ही गहरे विश्राम के विरुद्ध हैं। एक आलसी व्यक्ति रात भर करवटें बदलेगा, बेचैन रहेगा और एक आकांक्षी व्यक्ति अंदर ही अंदर जलेगा।गहन विश्राम तुम्हारी कलाओं और योग्यताओं को उभारता है और तुम्हें अपने स्वरूप के समीप लाता है।थोड़ा सा भी यह आभास कि ईश्वर तुम्हारे साथै है, गहरा विश्राम लाता है।प्रार्थना, प्रेम तथा ध्यान गहन विश्राम के विशिष्ट रस हैं।

डिजिटल डिटॉक्स की ओर बढ़ते कदम

कांतिलाल मांडोत

स्मार्टफोन की गिरफ्त से आजादी का नया अभियान, जेन-जी ने समझा कि असली जिंदगी स्क्रीन के बाहर है

स्मार्टफोन ने आधुनिक जीवन को जितना सरल बनाया है, उतना ही उसने मनुष्य को अपनी गिरफ्त में भी ले लिया है। आज स्थिति यह है कि दिन की शुरूआत मोबाइल स्क्रीन से होती है और रात का अंत भी उसी पर होता है। भोजन करते समय, यात्रा के दौरान, पढ़ाई के बीच, परिवार के साथ बैठने पर और यहां तक कि सोने से पहले भी उंगलियां लगातार स्क्रीन पर चलती रहती हैं। कुछ वर्ष पहले तक स्मार्टफोन को तकनीकी प्रगति का सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता था, लेकिन अब दुनिया भर में विशेषकर युवाओं के बीच यह एहसास तेजी से बढ़ रहा है कि यही सुविधा धीरे-धीरे एक गंभीर लत का रूप ले चुकी है। यही कारण है कि अब जेन-जी, यानी डिजिटल युग में जन्मी पीढ़ी, स्वयं इस आदत से छुटकारा पाने के लिए नए-नए तरीके अपना रही है। डिजिटल डिटॉक्स अब केवल एक विचार नहीं, बल्कि एक वैश्विक आंदोलन बनता जा रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि जिस पीढ़ी ने बचपन से इंटरनेट, सोशल मीडिया और स्मार्टफोन के साथ जीवन बिताया, वही आज सबसे अधिक स्क्रीन से दूरी बनाने की कोशिश कर रही है। उन्हें महसूस होने लगा है कि लगातार आने वाले नोटिफिकेशन, सोशल मीडिया पर अंतहीन स्क्रॉलिंग और हर समय ऑनलाइन बने रहने की मजबूरी ने उनकी एकाग्रता, मानसिक शांति और वास्तविक रिश्तों को प्रभावित किया है। यही वजह है कि अब युवा डिजिटल डिटॉक्स एप्स, लॉक बॉक्स, टाइमर आधारित तिजोरियों और साधारण कीपैड या फ्लिप फोन का सहारा ले रहे हैं, ताकि वे कुछ घंटों के लिए ही सही, मोबाइल से पूरी तरह दूर रह सकें।

दुनिया में डिजिटल डिटॉक्स का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे एप्स और उपकरण तैयार किए जा रहे हैं जो निश्चित समय तक मोबाइल को लॉक कर देते हैं। लोग हजारों रुपये खर्च करके ऐसे गैजेट खरीद रहे हैं, जिनमें मोबाइल रखने के बाद तय समय से पहले उसे निकाला ही नहीं जा सकता। यह स्थिति अपने आप में बताती है कि जिस तकनीक को जीवन आसान बनाने के लिए बनाया गया था, उसी से दूरी बनाने के लिए अब नया उद्योग खड़ा हो गया है। यह केवल बाजार का विस्तार नहीं, बल्कि समाज की बदलती मानसिकता का संकेत भी है।

असल में स्मार्टफोन की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह केवल एक संचार माध्यम नहीं रहा। वह मनोरंजन, खरीदारी, बैंकिंग, पढ़ाई, काम, समाचार और सोशल मीडिया का केंद्र बन चुका है। ऐसे में व्यक्ति बिना किसी विशेष कारण के भी बार-बार फोन देखने लगता है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि हर नोटिफिकेशन मस्तिष्क में उत्सुकता और त्वरित संतुष्टि की भावना पैदा करता है। धीरे-धीरे यही आदत लत में बदल जाती है। इसका सबसे अधिक असर बच्चों और किशोरों पर पड़ता है, क्योंकि उनका मानसिक और सामाजिक विकास अभी पूरी तरह नहीं हुआ होता।

भारत में भी यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। छोटे-छोटे बच्चों के हाथों में महंगे स्मार्टफोन आसानी से दिखाई देने लगे हैं। कई माता-पिता बच्चों को शांत रखने या व्यस्त रखने के लिए मोबाइल थमा देते हैं। कुछ समय के लिए यह सुविधा भले ही आसान लगती हो, लेकिन लंबे समय में यही आदत बच्चों की पढ़ाई, रचनात्मकता, शारीरिक गतिविधियों और सामाजिक व्यवहार को प्रभावित करती है। बच्चे खेल के मैदान छोड़कर स्क्रीन पर सिमट जाते हैं। किताबों की जगह छोटे वीडियो ले लेते हैं और परिवार के साथ बातचीत की जगह मोबाइल उनका साथी बन जाता है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा अभिभावकों से बच्चों को अनावश्यक रूप से स्मार्टफोन न देने की अपील इसी बढ़ती चिंता का प्रमाण है। यह केवल एक राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि समाज को चेतावनी देने वाला संदेश है। यदि बचपन ही स्क्रीन की गिरफ्त में बीत जाएगा, तो आने वाली पीढ़ी वास्तविक जीवन के अनुभवों से वंचित रह जाएगी। बच्चे प्रकृति, खेल, मित्रता, संवाद और पारिवारिक संस्कारों से दूर होते जाएंगे। इसलिए केवल सरकार ही नहीं, बल्कि हर माता-पिता और शिक्षक की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों में तकनीक के संतुलित उपयोग की आदत विकसित करें।

डिजिटल डिटॉक्स का अर्थ तकनीक का विरोध करना नहीं है। आज शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय और प्रशासन सभी क्षेत्रों में डिजिटल माध्यमों की महत्वपूर्ण भूमिका है। समस्या तकनीक नहीं, बल्कि उसका अनियंत्रित उपयोग है। यदि मोबाइल आवश्यक कार्यों तक सीमित रहे और उसके बाद व्यक्ति परिवार, पुस्तक, खेल, व्यायाम और समाज के लिए समय निकाले, तो तकनीक वरदान बनी रह सकती है। लेकिन यदि पूरा दिन स्क्रीन पर बीतने लगे, तो वही सुविधा मानसिक तनाव, अकेलेपन, अनिद्रा और कार्यक्षमता में कमी का कारण बन जाती है।

आज कई युवा अपने मित्रों के साथ मिलने पर नो-फोन नियम अपना रहे हैं। कुछ लोग सप्ताह में एक दिन सोशल मीडिया से पूरी तरह दूरी बना लेते हैं। अनेक परिवार भोजन के समय मोबाइल का उपयोग बंद करने का नियम बना रहे हैं। स्कूलों और कॉलेजों में भी मोबाइल के सीमित उपयोग पर चर्चा बढ़ रही है। यह बदलाव बताता है कि समाज अब डिजिटल संतुलन की आवश्यकता को समझने लगा है।

भारत जैसे युवा देश के लिए यह विषय और भी महत्वपूर्ण है। यदि युवाओं का समय केवल स्क्रीन पर ही खर्च होता रहेगा, तो उनकी प्रतिभा, नवाचार क्षमता और उत्पादकता प्रभावित होगी। देश की प्रगति के लिए आवश्यक है कि युवा तकनीक का उपयोग ज्ञान, कौशल और रोजगार के लिए करें, न कि केवल मनोरंजन और अंतहीन स्क्रॉलिंग के लिए। वास्तविक सफलता मोबाइल की स्क्रीन पर नहीं, बल्कि वास्तविक दुनिया में किए गए परिश्रम, अध्ययन और अनुभवों से मिलती है।

डिजिटल डिटॉक्स की शुरूआत किसी बड़े अभियान से नहीं, बल्कि छोटी-छोटी आदतों से हो सकती है। प्रतिदिन कुछ समय मोबाइल से दूरी, परिवार के साथ संवाद, पुस्तक पढ़ने की आदत, नियमित खेलकूद, प्रकृति के बीच समय बिताना और अनावश्यक नोटिफिकेशन बंद करना जैसे सरल कदम जीवन में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। जब व्यक्ति स्क्रीन से बाहर निकलकर वास्तविक दुनिया को देखने लगता है, तभी उसे महसूस होता है कि जीवन की सबसे सुंदर खुशियां किसी ऐप में नहीं, बल्कि अपने लोगों, अपने अनुभवों और अपने सपनों में छिपी होती हैं।

आज दुनिया के युवा जिस डिजिटल डिटॉक्स की ओर बढ़ रहे हैं, वह केवल एक नई जीवनशैली नहीं, बल्कि संतुलित और स्वस्थ भविष्य की आवश्यकता है। भारत को भी इस दिशा में गंभीरता से आगे बढ़ना होगा। यदि अभिभावक, शिक्षक, समाज और सरकार मिलकर बच्चों और युवाओं को तकनीक के विवेकपूर्ण उपयोग की शिक्षा दें, तो आने वाली पीढ़ी मोबाइल की कैद में नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार और सृजन की खुली दुनिया में अपना भविष्य गढ़ सकेगी। यही समय की मांग है और यही वास्तविक डिजिटल क्रांति भी।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आदिवासी अस्मिता और विकास की वर्तमान राजनीति

राज कुमार सिन्हा

मूलनिवासियों के अधिकारों की रक्षा, उनके संरक्षण और उनके योगदान के सम्मान के लिए समर्पित है।विश्वभर के मूलनिवासियों के मानवाधिकारों की रक्षा करना और उनकी अनूठी सांस्कृतिक पहचान तथा पर्यावरण संरक्षण में उनके योगदान को मान्यता देना है।भारत की कुल आबादी में लगभग 8.6 प्रतिशत आदिवासी हैं, लेकिन विकास परियोजनाओं और वनों के दोहन के कारण हो रहे विस्थापन में उनका अनुपात लगभग 40 प्रतिशत तक है। विकास परियोजनाओं, खनन, बांध, परमाणु परियोजनाओं, औद्योगिक कॉरिडोर और वन संरक्षण के नाम पर सबसे अधिक विस्थापन का बोझ इन्हीं समुदायों ने उठाया है। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र और पूर्वोत्तर राज्यों के आदिवासी आज भी जल, जंगल और जमीन पर अपने संवैधानिक अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जल, जंगल और जमीन से बेदखल होकर ये समुदाय शहरों और बाहरी इलाकों में सस्ते मजदूर बनने को मजबूर हो जाते हैं। अपने देवस्थलों, पैतृक जमीनों और समुदाय से दूर होने के बाद वे अपनी पारंपरिक पहचान खोने लगते हैं। विस्थापितों के बच्चे अक्सर शिक्षा से वंचित हो जाते हैं। नई जगहों पर कुपोषण, आधारभूत स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव और संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।सरकारी मुआवजा अक्सर नाकाफी होता है और सही पुनर्वास के अभाव में विस्थापित परिवार शरणार्थी जैसा जीवन जीने को विवश हैं।

आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, पोषण और संचार जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी आज भी गंभीर चुनौती बनी हुई है। कुपोषण, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर, मलेरिया, सिकल सेल एनीमिया तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अभाव आदिवासी समाज के विकास में बड़ी बाधाएं हैं। युवाओं में बेरोजगारी और पलायन लगातार बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश में विस्थापन की मार झेल रहे आदिवासियों की आर्थिक और सामाजिक स्थिति अत्यंत चिंताजनक और हाशिए पर है। राज्य की कुल आबादी का लगभग 21.1 प्रतिशत आदिवासी है, जो देश में सबसे अधिक है, लेकिन सिंचाई परियोजनाओं (जैसे नर्मदा घाटी परियोजनाएं), खनन और वन्यजीव अभ्यारण्यों के कारण इन्हें बार-बार विस्थापन का दंश झेलना पड़ता है। विस्थापन के कारण आदिवासियों का जंगलों और कृषि से सदियों पुराना नाता टूट जाता है। इमारती लकड़ी, औषधीय पौधे और लघु वनोपज से मिलने वाला रोजगार समाप्त हो जाता है।वन क्षेत्रों और कृषि भूमि के छिनने के बाद मिलने वाला मौद्रिक मुआवजा अक्सर अपर्याप्त होता है। पैसे के सही प्रबंधन और आधुनिक अर्थव्यवस्था की जानकारी न होने से वे पीढ़ियों तक गरीबी चक्र में फंसे रहते हैं। जंगलों और प्रकृति के नजदीक रहने वाले यह आदिवासी विकास होने पर अपनी जगह से खदेड़ दिये जाते हैं, जो किसी भी गांव या शहरों के जनजीवन से सामंजस्य मिला पाने में पूरी तरह विफल रहते हैं। क्योंकि इनकी अपनी जीवनशैली है, खान-पान और रहने का एक अलग सलीका है। अपने जगह से उजड़ने के बाद वनों में उपलब्ध विविधतापूर्ण प्राकृतिक भोजन की जगह शहरों के कम पोषक तत्वों वाली आहार ने ले ली है। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, मध्यप्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लगभग 58.58 प्रतिशत आदिवासी परिवार गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं।आदिवासी समाज को आम तौर पर आर्थिक रूप से कमजोर माना जाता है, लेकिन उस प्रक्रिया का कोई अध्ययन ही नहीं होता जिसके परिणामस्वरूप उसे गरीबी के अंधेरे में धकेला गया। उनके आर्थिक पिछड़ेपन के अध्ययनों ने उनकी अर्थव्यवस्था और स्वायत्तता को समझने का कोई प्रयास ही नहीं किया। आदिवासियों की अपनी जीवन-शैली, दर्शन, इतिहास, भाषा, साहित्य और चिंतन है, इस पर कोई गौर ही नहीं किया गया। इसी नासमझी के परिणामस्वरूप आदिवासियों को कथित मुख्यधारा में जोड़ने की अवधारणा विकसित हुई।आज सभी आदिवासियों का विकास करना चाहते हैं, लेकिन कोई उनसे नहीं पूछता कि क्या वे विकास की इस अंधी दौड़ में शामिल होना भी चाहते हैं या नहीं। यूं तो विकास प्रकृति का स्वाभाविक नियम है, लेकिन यहां हम विकास के पीछे छिपी पूंजीवादी ताकतों के एजेंडे की बात कर रहे हैं। पूंजीवादी प्रणाली में उत्पादन और वितरण सामाजिक समानता, न्याय और पर्यावरण की सुरक्षा की बजाय निजी मुनाफे से संचालित होती है। प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और विनाश पर अधारित विकास के कारण उन समुदायों को विस्थापित होना पडता है जो इन संसाधनों पर निर्भर हैं।देश और प्रदेश में विकास का मॉडल विस्थापन-विहीन विकास पर आधारित होना चाहिए। सरकार को भूरिया समिति की अनुशंसाओं को पूरी तरह लागू करने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। मध्यप्रदेश में वर्ष 1998झ्र99 में भूरिया समिति के ढांचे को स्वीकार किया गया था। इस ढांचे के अनुसार अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभा की केंद्रीय भूमिका सुनिश्चित की गई है तथा ग्राम सभा की सहमति के बिना भूमि का हस्तांतरण या अधिग्रहण नहीं किया जा सकता। सरकार द्वारा अनुसूचित क्षेत्रों में किया जाने वाला कोई भी विकास कार्य ग्राम सभा की पूर्व सहमति के बाद ही आगे बढ़ाना चाहिए।विकास की ऐसी व्यवस्था बनाई जानी चाहिए जिसमें स्थानीय लोगों की भागीदारी और अधिकार सुनिश्चित हों। अब केवल विकास करते रहना ही जरूरी नहीं है, बल्कि अब विकास और विकास नीतियों की समीक्षा जरूरी है ।1986 मे संयुक्त राष्ट्र संघ ने विकास के अधिकार की उदघोषणा तैयार की ,जिस पर भारत सहित अनेक राष्ट्रों ने हस्ताक्षर किए हैं ।इस संधि के अनुसार विकास सभी नागरिकों का अधिकार है ।विकास परियोजना के लिए तीन मापदंड निर्धारित किये गए हैं, (1)प्रभावित वयक्तियों की सहमति, (2)परियोजना में निर्मित संसाधन के लाभ में हिस्सेदारी तथा (3)विकास के प्रभावितो का आजीविका के संसाधनों पर अधिकार ।

संक्षिप्त समाचार

सीरिया की राजधानी में धमाका, मिनीवैन टैक्सी में लगा था बम; दो लोगों की मौत, 13 घायल

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया की राजधानी दमिश्क के उपनगर जरामाना में गुरुवार को हुए एक विस्फोट में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 13 अन्य घायल हो गए। सीरिया के सरकारी टेलीविजन ने एक सुरक्षा अधिकारी के हवाले से बताया कि जरामाना में यह विस्फोट एक मिनीवैन टैक्सी में लगाए गए विस्फोटक उपकरण के कारण हुआ। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, विस्फोट में दो लोगों की जान गई और कम से कम 13 लोग घायल हुए हैं। घटनास्थल पर मौजूद एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के एक पत्रकार ने मलबे से एक शव को बाहर निकालते देखा। विस्फोट के बाद स्थानीय निवासी और बचाव दल मौके पर पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने एपी को बताया कि जिस वाहन में विस्फोट हुआ, उसमें यात्री सवार थे। धमाका इतना तेज था कि व्यस्त कारोबारी इलाके की पूरी सड़क दहल उठी। हमले की जिम्मेदारी फिलहाल किसी भी संगठन ने नहीं ली है। जरामाना में ड्रूज धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय की बड़ी आबादी रहती है। यहां इस समुदाय के कुछ लोगों और मौजूदा इस्लामवादी नेतृत्व वाली सरकार का समर्थन करने वाले सुन्नी मुस्लिम सीरियाइयों के बीच तनाव बना हुआ है। अप्रैल 2025 में ड्रूज बंदूकधारियों और सरकार समर्थक लड़ाकों के बीच सांप्रदायिक झड़पों में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई थी।

दक्षिण अफ्रीका में भारत के राजदूत अनिल सूकलाल को वापस बुलाया गया

प्रिटोरिया , एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के भारत में उच्चायुक्त अनिल सूकलाल को पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा और उस देश में भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे भारतीय मूल के एक व्यवसायी के बीच हुई बैठक में भाग लेने के कारण वापस बुला लिया गया है। दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री रोनाल्ड लामोला ने कहा कि सूकलाल को 'परामर्श' के लिए वापस बुलाया गया है। यह कदम तब उठाया गया जब 26 जून को हरिद्वार में जुमा और सूकलाल की विवादास्पद व्यवसायी अजय गुप्ता से मुलाकात की तस्वीरें सामने आईं। लामोला ने बुधवार को प्रिटोरिया में एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, 'हम पुष्टि करते हैं कि उच्चायुक्त अनिल सूकलाल को आगे की बातचीत के लिए मुख्यालय वापस बुला लिया गया है।' गुप्ता और उनके भाइयों पर राजनीतिक भ्रष्टाचार के आरोप हैं और जुमा पर 2009 से 2018 तक दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रहते हुए उन्हें अनुचित लाभ पहुंचाने के आरोप लगे थे। जुमा और गुप्ता भाइयों ने सभी आरोपों को खारिज कर दिया। भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद जब जुमा की पार्टी, अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस (एएनसी) ने उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया, तो सत्ता खोने के बाद गुप्ता बंधुओं ने दक्षिण अफ्रीका छोड़ दिया।

कांगो में इबोला के प्रकोप से करीब 330 बच्चों की मौत, यूनिसेफ ने जाहिर की चिंता

किंशासा , एजेंसी। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में इबोला प्रकोप के कारण अब तक 330 बच्चों की दर्दनाक मौत हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने इस स्वास्थ्य संकट पर गहरी चिंता व्यक्त की है। यहां पुष्ट इबोला मामलों में से एक-तिहाई मौतें बच्चों की हुई हैं। यूनिसेफ के अनुसार पांच साल से कम उम्र के बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं, जहां मृत्यु दर वयस्कों से दोगुनी है। इस बीमारी के कारण बच्चों के टीकाकरण और स्वास्थ्य सेवाओं में भारी गिरावट आई है। लोग संक्रमण के डर के कारण इलाज कराने स्वास्थ्य केंद्रों पर नहीं जा रहे हैं। डीआरसी में यूनिसेफ के प्रतिनिधि जॉन एगबोर ने कहा कि इबोला का प्रकोप पूरे स्वास्थ्य तंत्र को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। इसके कारण मलेरिया, दस्त और अन्य इलाज योग्य बीमारियों के इलाज में बड़ी रुकावट आ रही है, जो बच्चों की मौत के बड़े कारण हैं। चिकित्सा सहायता संगठन 'डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स' ने चेतावनी दी है कि पूर्वी डीआरसी की वर्तमान स्थिति पहले से कहीं अधिक गंभीर हो चुकी है। यह खतरनाक बीमारी बेहद तेज गति से फैल रही है और फिलहाल इसके धीमा पड़ने के कोई संकेत नहीं दिखाई दे रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 15 मई को इस खतरनाक प्रकोप की घोषणा होने के बाद से डीआरसी में इबोला के 3,973 पुष्ट मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से 1,801 लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है, जिससे पूरे देश में डर और दहशत का माहौल बना हुआ है। इबोला के बढ़ते संक्रमण को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग और सुरक्षा बलों द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। संदिग्ध रोगियों की पहचान करने के लिए चौबीसों घंटे काम किया जा रहा है ताकि इस घातक प्रसार को जल्द काबू किया जा सके। इसी बीच, स्वास्थ्य अधिकारियों ने बुधवार को किंशासा के पास एक यात्री नाव को रोक लिया।

ट्रंप ने पॉलीसिलिकॉन आयात पर 15 प्रतिशत टैरिफ लगाने के एग्जीक्यूटिव आदेश पर किए हस्ताक्षर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार (स्थानीय समय) को एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत पॉलीसिलिकॉन से बने उत्पादों पर न्यूनतम आयात मूल्य और 15 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। पॉलीसिलिकॉन, सोलर पैनल और सेमीकंडक्टर के लिए एक अहम सामग्री है। व्हाइट हाउस की घोषणा के अनुसार, पॉलीसिलिकॉन के लिए न्यूनतम आयात कीमत 21 डॉलर प्रति किलोग्राम और पॉलीसिलिकॉन इंगट और वेफर के लिए 100 डॉलर प्रति किलोग्राम तय की जाएगी। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, व्यापार से जुड़े ये नए उपाय 4 दिसंबर से लागू होंगे। ट्रंप ने अमेरिकी वाणिज्य विभाग को कच्चे पॉलीसिलिकॉन और उससे जुड़े डाउनस्ट्रीम उत्पादों के घरेलू उत्पादन में निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक कार्यक्रम शुरू करने का निर्देश भी दिया।

व्हाइट हाउस की एक फैक्ट शीट के अनुसार, इन उपायों का मकसद इन रणनीतिक सामानों के अमेरिकी उत्पादकों के लिए समान अवसर पैदा करना, इन उद्योगों को देश में वापस लाने (ऑनशोरिंग) को बढ़ावा देना और अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा तथा उसके रक्षा और रक्षा-संबंधी औद्योगिक आधार की रक्षा करना है। फैक्ट शीट के अनुसार, ग्लोबल पॉलीसिलिकॉन प्रोडक्शन कैपेसिटी में अमेरिका की हिस्सेदारी 2005 में 50 प्रतिशत से घटकर 2024 में 2 प्रतिशत से भी कम हो गई है। ट्रंप ने जन्म के आधार पर नागरिकता (बर्थराइट सिटीजनशिप) के नियमों को सीमित करने के लिए दो एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर भी साइन किए। यह प्रशासन की ओर से एक नई कोशिश है, जो सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के बाद की गई है, जिसमें उनके पिछले ऑर्डर को खारिज कर दिया गया था।

नए ऑर्डर पर साइन करते हुए व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में ट्रंप ने कहा, 'जन्म के अधिकार से जुड़ा सुप्रीम कोर्ट का फैसला बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और मामला बहुत करीबी था। इसलिए हम इसमें कुछ बदलाव कर रहे हैं।' व्हाइट हाउस के मुताबिक, इनमें से एक आदेश 'बर्थ टूरिज्म' को रोकने के लिए है। बर्थ टूरिज्म का मतलब है किसी विदेशी नागरिक का गैर-आप्रवासी वीजा पर अमेरिका आना, ताकि अमेरिकी धरती पर बच्चे को जन्म दिया जा सके। इसमें ऐसे प्रवेश में मदद करने की कोशिश भी शामिल है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, दूसरे आदेश में जन्म के अधिकार से नागरिकता पाने के लिए अयोग्य लोगों की परिभाषा का दायरा बढ़ाया गया है। इसमें विदेशी सरकारी कर्मचारियों के बच्चे, किसी खास विदेशी आतंकवादी संगठन के सदस्यों के बच्चे और नागरिकता पाने के लिए धोखाधड़ी करने वाले लोगों के बच्चे शामिल हैं। अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन (जिसे 1868 में मंजूरी मिली थी) में कहा गया है कि 'संयुक्त राज्य अमेरिका में पैदा हुए या वहां की नागरिकता हासिल करने वाले सभी लोग, जो वहां के अधिकार क्षेत्र में आते हैं, वे संयुक्त राज्य अमेरिका और उस राज्य के नागरिक हैं, जहां वे रहते हैं।'

नए सरकारी आदेशों में क्या : ट्रंप प्रशासन द्वारा जारी किए गए 2 आदेशों में विदेशियों और टूरिस्टों पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए हैं। पहला आदेश उन लोगों और कंपनियों को निशाना बनाता है जो अमेरिका का वीजा सिर्फ इसलिए लेते हैं ताकि उनके बच्चे की डिलीवरी अमेरिका में हो सके और बच्चे को अमेरिकी पासपोर्ट मिल जाए। ऐसे पर्यटकों के देश में प्रवेश पर ही रोक लगाने की व्यवस्था की गई है। वहीं दूसरे आदेश के तहत ऐसे लोगों की सूची को बढ़ाया गया है, जिन्हें अमेरिका में जन्म लेने के बावजूद नागरिकता का हकदार नहीं माना जाएगा। नए आदेशों के मुताबिक अगर किसी दंपति ने किसी 'कमर्शियल ट्रांजैक्शन' के जरिए महिला को बच्चा पैदा करने के लिए अमेरिका भेजा है, तो उस बच्चे को नागरिकता दस्तावेज नहीं मिलेंगे। इसके अलावा विदेशी सरकारों की ओर से काम करने वाले अधिकारियों या लॉबिंग करने वाले नागरिकों के बच्चों को भी नागरिकता नहीं मिलेगी।

कोर्ट में टिक पाएगा ट्रंप का यह दांव : ट्रंप के इन नए आदेशों के आते ही कानूनी और मानवाधिकार विशेषज्ञों ने इसे सीधे तौर पर असंवैधानिक घोषित कर दिया है। न्यूयॉर्क के इमिग्रेशन अटॉर्नी साइरस मेहता ने एक्स पर लिखा कि 'कमर्शियल ट्रांजैक्शन' जैसी शब्दावली बहुत धुंधली है और यह संविधान के 14वें संशोधन का साफ उल्लंघन है। वहीं अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन ने तीखा हमला बोलते हुए कहा, 'सुप्रीम कोर्ट पहले ही तय कर चुका है कि संविधान हर जन्म लेने वाले बच्चे को नागरिकता की गारंटी देता है। राष्ट्रपति का कोई भी नया आदेश संविधान को नहीं बदल सकता। ट्रंप के इस आदेश का भी वही हश्र होगा जो उनके पिछले आदेश का हुआ था।

अमेरिका-कनाडा व्यापार वार्ता में बढ़ा तनाव

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कनाडा और उसके नेतृत्व पर की गई टिप्पणी के बाद दोनों देशों के बीच चल रही व्यापार वार्ता 'कड़वी' हो गई है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि कनाडा बातचीत में बना हुआ है और देश के कर्मचारियों तथा कारोबारों के हितों की रक्षा के लिए वार्ता जारी रखेगा।

क्या ट्रंप की टिप्पणी के बाद भी कनाडा वार्ता में बना रहेगा : मार्क कार्नी ने कहा कि यह बेहद कठिन बातचीत है। उन्होंने कहा कि इसे कड़वी कहा जा सकता है, लेकिन यह कनाडा के रोजगार और वहां के कारोबारों के भविष्य का सवाल है। उन्होंने बताया कि कनाडा के वार्ताकार इस सप्ताह वॉशिंगटन में मौजूद हैं और पिछले सप्ताह ट्रंप से बातचीत के बाद आगे भी उनसे चर्चा होने की उम्मीद है।

क्या ट्रंप ने कनाडा और उसके नेतृत्व की आलोचना की : डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को लास वेगास में एक कार्यक्रम के दौरान कनाडा की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कनाडा 'कड़वा' है और वहां का नेतृत्व भी ऐसा ही है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें कनाडा के लोग पसंद हैं। कार्नी ने ट्रंप की इस टिप्पणी पर पूछे गए सवाल पर हंसते हुए कहा कि फिलहाल दोनों देशों के बीच टैरिफ युद्ध चल रहा है।

क्या अमेरिका पहले से कनाडाई उत्पादों पर टैरिफ लगा चुका है : अमेरिका पहले ही कनाडा से आयात होने वाले स्टील, एल्यूमिनियम और ऑटोमोबाइल पर टैरिफ लगा चुका है। वहीं, ट्रंप ने 19 अगस्त से कनाडा के और अधिक उत्पादों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी भी दी है। टैरिफ आयातित वस्तुओं पर लगाया जाने वाला कर होता है, जिसकी अतिरिक्त लागत कंपनियां उपभोक्ताओं से ऊंची कीमतों के रूप में वसूल सकती हैं।

क्या टैरिफ और 51वां राज्य बनाने वाले बयान से कनाडा में नाराजगी है : रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप की टैरिफ संबंधी चेतावनियों और कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने संबंधी बार-बार दिए गए सुझावों से कई कनाडाई नाराज हैं। इसके चलते कई लोगों ने अमेरिका की अपनी यात्राएं भी रद्द कर दी हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर का कहना है कि कनाडा और चीन ही ऐसे दो देश हैं जिन्होंने ट्रंप के टैरिफ के जवाब में प्रतिरोधात्मक कदम उठाए हैं। उन्होंने कनाडा के कुछ प्रांतों में अमेरिकी शराब की बिक्री पर लगी पाबंदियों का भी उल्लेख किया। वहीं, कनाडाई अधिकारियों का कहना है कि उनकी जवाबी कार्रवाई पहले से लागू अमेरिकी टैरिफ के जवाब में की गई थी। मार्क कार्नी ने कहा कि अमेरिका द्वारा एल्यूमिनियम पर लगाए गए मौजूदा टैरिफ के कारण अमेरिका में एल्यूमिनियम की कीमतों में 58 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। उनके अनुसार, यह स्थिति अमेरिकी कंपनियों के लिए भी अच्छी नहीं है।

उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षण पर अमेरिका ने सहयोगियों को दिया सुरक्षा का भरोसा

प्योंगयांग, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने क्षेत्र में अपने सहयोगी देशों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई है। पैसिफिक कमांड ने उत्तर कोरिया की ओर से पूर्वी सागर की तरफ दागी गई कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल के कुछ ही घंटों बाद यह सुरक्षा बयान जारी कर सहयोगियों को सुरक्षित रहने का पूर्ण आश्वासन दिया। योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, अमेरिकी कमांड सहयोगियों के साथ लगातार संपर्क में है। उन्होंने अपने आकलन में स्पष्ट किया कि उत्तर कोरिया की यह मिसाइल घटना अमेरिकी कर्मियों, अमेरिकी क्षेत्र या सहयोगी देशों के लिए तत्काल कोई खतरा नहीं है। अमेरिका अपने सहयोगियों की रक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

दक्षिण कोरिया के जेसीएस के अनुसार, यह मिसाइल वोनसान क्षेत्र से शाम करीब 5 बजे दागी गई। वर्तमान में दक्षिण कोरिया और अमेरिका मिलकर इस मिसाइल की तकनीकी विशेषताओं का विश्लेषण कर रहे हैं। दोनों देशों ने शुरुआती तैयारी के चरण से ही उत्तर कोरिया की गतिविधियों का पता लगा लिया था। जेसीएस ने बताया कि अतिरिक्त प्रक्षेपणों पर नजर रखने के लिए दक्षिण कोरियाई सेना पूरी तरह सतर्क और तैयार है। वे इस संबंध में अमेरिका और जापान के साथ आवश्यक जानकारी साझा कर रहे हैं। यह प्रक्षेपण दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच होने वाले वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास 'उल्ची फ्रीडम शील्ड' से ठीक पहले हुआ है। इससे पहले उत्तर कोरिया ने 25 जून को एक सामरिक बैलिस्टिक मिसाइल, नए मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर और अन्य हथियारों का परीक्षण किया था। इस वजह से अमेरिकी और दक्षिण कोरियाई सेनाएं किसी भी अन्य संभावित प्रक्षेपण पर नजर रखने के साथ-साथ उचित जवाबी तैयारी बनाए रखने के लिए लगातार अपनी निगरानी व्यवस्था को मजबूत कर रही हैं। इस प्रक्षेपण के बाद दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय के राष्ट्रीय सुरक्षा विभाग ने तुरंत बैठक बुलाई। इसमें रक्षा मंत्रालय और जेसीएस के अधिकारी शामिल हुए। अधिकारियों को सतर्क रहने, जवाबी तैयारी बनाए रखने और राष्ट्रीय सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करने के निर्देश दिए गए।

इस्लामिक नाटो' का गठन?: तुर्किये, सऊदी अरब-पाकिस्तान के बीच जल्द होगा संयुक्त रक्षा समझौता, रिपोर्ट में दावा

रियाद, एजेंसी। तुर्किये, सऊदी अरब और पाकिस्तान शुक्रवार को सऊदी अरब में एक संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। इस खबर के बाद इन देशों के बीच सैन्य सहयोग बढ़ने और कथित 'इस्लामिक नाटो' जैसी सुरक्षा व्यवस्था बनने की अटकलें फिर तेज हो गई हैं। हालांकि, पाकिस्तान पहले ही साफ कर चुका है कि यह व्यवस्था किसी देश के खिलाफ नहीं होगी। उसका कहना है कि इसका मकसद क्षेत्रीय शांति को मजबूत करना और बाहरी देशों पर निर्भरता कम करना है।

पहले भी जताई थी बड़े गठबंधन की संभावना : पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने मई में एक इंटरव्यू में कहा था कि पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच पहले से मौजूद रक्षा और आर्थिक सहयोग के ढांचे का विस्तार किया जा सकता है। इसमें भविष्य में कतर और तुर्किये को भी शामिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा था कि इस प्रस्ताव पर अलग-अलग स्तर पर चर्चा चल रही है और इसे अंतिम रूप देने की प्रक्रिया जारी है। यदि कतर और तुर्किये इसमें शामिल होते हैं तो यह क्षेत्र के लिए एक मजबूत आर्थिक और रक्षा सहयोग मंच बन सकता है।

'किसी के खिलाफ नहीं है यह समझौता' : ख्वाजा आसिफ ने कहा था कि इस तरह का समझौता किसी देश को निशाना बनाने के लिए नहीं है। इसका उद्देश्य क्षेत्र में शांति बनाए रखना और सुरक्षा के मामलों में बाहरी देशों पर निर्भरता कम करना है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सभी देश एक-दूसरे से जुड़े हैं, लेकिन अपने क्षेत्र की शांति और सुरक्षा के लिए ऐसा सहयोग जरूरी है।

पिछले साल हुआ था पाकिस्तान-सऊदी रक्षा समझौता : पिछले साल पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सऊदी अरब यात्रा के दौरान दोनों देशों ने 'स्ट्रैटेजिक म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट' पर हस्ताक्षर किए थे। संयुक्त बयान में कहा गया था कि लगभग आठ दशक पुराने रिश्तों, इस्लामी एकजुटता, साझा रणनीतिक हितों और रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के लिए यह समझौता किया गया है। इसके तहत दोनों देशों ने एक-दूसरे की सुरक्षा के प्रति सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया था।

भारत ने जताई थी चिंता : इस समझौते के बाद भारत ने कहा था कि वह इसके प्रभावों का सावधानी से अध्ययन करेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था कि भारत इस रक्षा समझौते के अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा, क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता पर पड़ने वाले असर का आकलन करेगा। उन्होंने कहा था कि भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

बच्चों की सुरक्षा में लापरवाही मेटा को पड़ी भारी! कोर्ट ने लगाया 5,000 करोड़ का जुर्माना, बदलाव के आदेश

वाशिंगटन, एजेंसी। फेसबुक और इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। हाल ही में कंपनी को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक वीडियो बिना बताए फेसबुक से हटाने पर भारी आलोचना का सामना करना पड़ा था। इसी बीच अमेरिका के न्यू मैक्सिको राज्य की एक अदालत ने कंपनी पर 567 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया है। जानकारी के मुताबिक, अदालत ने कंपनी पर यह जुर्माना बच्चों और किशोरों की मानसिक सेहत से जुड़े एक बड़े मामले में लगाया है। अदालत ने कंपनी को 567 मिलियन डॉलर खर्च करके युवाओं की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य के लिए कई नए कदम उठाने का आदेश दिया है। यह पैसा इलाज, जागरूकता अभियान, ऑनलाइन सुरक्षा और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े कार्यक्रमों पर खर्च किया जाएगा।

मेटा पर 567 मिलियन डॉलर का जुर्माना : न्यू मैक्सिको की अदालत ने कहा कि सोशल मीडिया कंपनियों की भी यह जिम्मेदारी है कि उनके प्लेटफॉर्म बच्चों और किशोरों के लिए सुरक्षित हों। अदालत के मुताबिक, 567 मिलियन डॉलर में से 420 मिलियन डॉलर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं और सहायता कार्यक्रमों पर खर्च किए जाएंगे। बाकी रकम अगले पांच वर्षों में जागरूकता अभियान, स्क्रीनिंग और अन्य सुरक्षा उपायों पर लगाई जाएगी। यह मामला पहले भी मेटा के लिए महंगा साबित हुआ था। मुकदमे के पहले चरण में जूरी ने कंपनी पर 375 मिलियन डॉलर का सिविल जुर्माना लगाया था। जूरी का मानना था कि मेटा को पता था कि उसके प्लेटफॉर्म का बच्चों और किशोरों की मानसिक सेहत पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। इसके अलावा कंपनी पर यह आरोप भी लगा कि उसने बाल यौन शोषण से जुड़े खतरों के बारे में पर्याप्त जानकारी सार्वजनिक नहीं की।

फेसबुक और इंस्टाग्राम में बदलाव के आदेश : अदालत ने फेसबुक और इंस्टाग्राम में कई बदलाव करने के भी आदेश दिए हैं। अब इन प्लेटफॉर्म पर ऐसे सूचना पैनल और बैनर दिखाए जाएंगे, जिनमें यूजर्स को सुरक्षा फीचर्स, प्राइवेसी सेटिंग्स, आपत्तिजनक टिप्पणियों से बचाव और सुरक्षित तरीके से सोशल मीडिया इस्तेमाल करने की जानकारी मिलेगी। न्यू मैक्सिको में चलने वाले जागरूकता अभियानों की निगरानी राज्य प्रशासन करेगा। उम्र सत्यापन के मामले में अदालत ने कहा कि अमेरिका के बच्चों की ऑनलाइन गोपनीयता कानून के कारण 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए बहुत सख्त नियम लागू करना आसान नहीं है। इसलिए अदालत ने मेटा को छोटे बच्चों से अतिरिक्त निजी जानकारी मांगने या उनकी ऑनलाइन गतिविधियों की निगरानी करके उम्र की पुष्टि करने का आदेश नहीं दिया।हालांकि, अदालत ने मेटा को अपनी आयु सत्यापन प्रणाली मजबूत करने के लिए कहा है। कंपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से यह अनुमान लगाएगी कि कोई यूजर 13 साल से कम उम्र का तो नहीं है। इसके लिए दोस्तों का नेटवर्क, देखी जाने वाली सामग्री और अन्य ऑनलाइन गतिविधियों जैसे संकेतों का उपयोग किया जाएगा।

ट्रम्प बोले- ईरान से जंग जल्द खत्म हो सकती है, हूती विद्रोहियों का यमन में मिसाइल और ड्रोन अटैक, 30 सैनिकों की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ जारी जंग जल्द खत्म हो सकती है। उन्होंने कहा कि बातचीत आगे बढ़ रही है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रम्प ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि ईरान के साथ संघर्ष अब ज्यादा लंबा चलेगा। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका के पास हथियारों की कोई कमी नहीं है और जरूरत के मुताबिक नए हथियार लगातार बनाए जा रहे हैं। उधर, यमन की सेना ने बताया कि हूती विद्रोहियों ने बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन से हमला किया, जिसमें 30 सैनिकों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए। हूती विद्रोहियों ने अदन की खाड़ी में सऊदी तेल टैंकर डेजी पर मिसाइल हमला करने का भी दावा किया है।

यमन में हूती हमलों से मरने वालों की संख्या 58 हुई : यमन में हूती विद्रोहियों के मिसाइल और ड्रोन हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 58 हो गई है। हमलों में दर्जनों सैनिक घायल भी हुए हैं। वहीं, सऊदी अरब के नजरान क्षेत्र में हुए हमले में 4 साल के बच्चे समेत 11 नागरिक घायल हुए हैं। हमलों के बाद नजरान के कई हिस्सों में आग लग गई।

सऊदी अरब के नजरान में भीषण आग : सऊदी अरब के नजरान क्षेत्र में गुरुवार को भीषण आग लग गई। आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर तक दिखाई दिया। फिलहाल आग लगने के कारण और नुकसान को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। नजरान में लगी आग की सूचना मिलते ही दमकल और राहत टीमें मौके पर पहुंच गईं। आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है।

एक्सपर्ट बोले- ट्रम्प के पास अब दो ही रास्ते, पीछे हटें या जंग बढ़ाएं : शिकागो यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर रॉबर्ट पेप का कहना है कि ईरान के साथ जारी युद्ध में ट्रम्प ऐसे मोड़ पर पहुंच गए हैं, जहां उनके पास सिर्फ दो विकल्प बचे हैं- या तो ईरान के बढ़ते प्रभाव को स्वीकार करें या फिर जंग को और आगे बढ़ाएं। अल जजीरा को दिए इंटरव्यू में पेप ने कहा कि अमेरिका ने हवाई और नौसैनिक हमलों से कुछ सैन्य सफलता जरूर हासिल की, लेकिन वह अपने बड़े मकसद पूरे नहीं कर पाया। उनके मुताबिक, युद्ध के बाद ईरान पहले से ज्यादा मजबूत होकर उभरा है।

यमन में गृहयुद्ध भड़कने का खतरा बढ़ा : यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के बड़े हमले के बाद गृहयुद्ध भड़कने का खतरा बढ़ गया है। हूतियों ने पूर्वी यमन में सरकारी सेना के तीन सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। यह इलाका सऊदी समर्थित सरकार का मजबूत गढ़ माना जाता है और इसे हाल के वर्षों में हूतियों की सबसे बड़ी सैन्य कार्रवाइयों में गिना जा रहा है।

उधर, सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के मुताबिक, नजरान एयरपोर्ट पर हुए हमले में 11 नागरिक घायल हुए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि हूती अब पूर्वी यमन में भी मोर्चा खोल चुके हैं। अगर तनाव इसी तरह बढ़ता रहा, तो देश एक बार फिर गृहयुद्ध की चपेट में आ सकता है।

रूस में मुआवजे के लिए सैनिकों से शादी कर रहीं महिलाएं, अस्पताल और सेना पर भी मिलीभगत के आरोप

मॉस्को , एजेंसी। यूक्रेन से युद्ध के बीच रूस में एक नया घोटाला सामने आया है। सीएनएन की रिपोर्ट के कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां महिलाएं युद्ध पर जा रहे सैनिकों से जल्दबाजी में शादी कर रही हैं और उनकी मौत के बाद मिलने वाला सरकारी मुआवजा हड़प जा रही है। रूस में हाल के महीनों में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें सैनिकों ने मोर्चे पर जाने से ठीक पहले या अस्पताल में मौत से पहले शादी की।

इस पूरे घोटाले में सिर्फ महिलाएं व युवतियां ही नहीं, अस्पताल से लेकर सेना तक पर मिलीभगत के आरोप हैं। सबसे चर्चित मामला एक सैन्य अस्पताल में कार्यरत नर्स का है, जिस पर आरोप है कि उसने इलाज करा रहे पांच घायल सैनिकों से अलग-अलग समय पर शादी की। वह सैनिकों की मौत के बाद उनका मुआवजा लेना चाहती थी। एजेंसी

पिता की मौत के बाद बेटी को पता चला-दो दिन पहले हुई थी शादी : सेंट पीटर्सबर्ग की रहने वाली 37 वर्षीय मारिया ने सीएनएन को बताया कि जब उनके 59 वर्षीय पिता यूरी की यूक्रेन युद्ध में मौत हुई, तब मिलिट्री अधिकारियों से उन्हें पता चला कि उनके पिता ने मोर्चे पर जाने से ठीक दो दिन पहले अपने से 22 साल छोटी एक अनजान महिला से गुपचुप शादी कर ली थी। इस फर्जी शादी के कारण सरकार से मिलने वाला सारा मुआवजा (डेथ पेआउट) उस अनजान महिला को मिल गया। मारिया का आरोप है कि उनके पिता के साथ धोखा हुआ।

सैनिक की मौत पर रूस में मिलती है 62 लाख रुपये की मदद : रूस में युद्ध में मारे गए सैनिक के परिवार को सरकार की ओर से कम से कम 50 लाख रूबल (करीब 62 लाख भारतीय रुपये) की एकमुश्त मदद मिलती है। कई अन्य भुगतान और बीमा जोड़ दिए जाएं तो यह रकम और भी ज्यादा हो जाती है। इसी के लालच में महिलाएं अकेले, बुजुर्ग या कमजोर सैनिकों को शादी के लिए फंसाती हैं।

युद्ध शुरू होने के बाद शादी के नियम हुए आसान : 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस ने सेना में भर्ती होने वाले लोगों के लिए शादी के नियम आसान कर दिए। आमतौर पर रूस में शादी के लिए आवेदन देने के बाद कुछ समय इंतजार करना पड़ता है, लेकिन युद्ध के दौरान इस प्रक्रिया में छूट दे दी गई। नए सैनिक चाहें तो भर्ती के तुरंत बाद शादी कर सकते थे। सरकार का मानना था कि इससे सैनिकों को परिवार का सहारा मिलेगा।

सैनिक की मौत पर मिलता है भारी मुआवजा : रूस में युद्ध में मारे गए सैनिक के परिवार को सरकार की ओर से कम से कम 50 लाख रूबल (करीब 62 लाख भारतीय रुपए) की एकमुश्त मदद मिलती है। कई अन्य भुगतान और बीमा जोड़ दिए जाएं तो यह रकम और भी ज्यादा हो सकती है। आरोप है कि कुछ महिलाएं इसी पैसे के लालच में अकेले, बुजुर्ग या कमजोर सैनिकों को शादी के लिए फंसाती हैं। सैनिक की मौत के बाद पूरा मुआवजा पत्नी को मिल जाता है। परिवार के बाकी लोगों को कुछ भी नहीं मिल पाता।

सरकार ने जल्दी शादी को बढ़ावा दिया, इसके बाद स्कैम बढ़ा : फरवरी 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस ने सेना में भर्ती होने वाले लोगों के लिए शादी के नियम आसान कर दिए। आमतौर पर रूस में शादी के लिए आवेदन देने के बाद कुछ समय इंतजार करना पड़ता है, लेकिन युद्ध के दौरान इस प्रक्रिया में छूट दे दी गई। नए सैनिक चाहें तो भर्ती के तुरंत बाद शादी कर सकते थे। सरकार का मानना था कि इससे सैनिकों को परिवार का सहारा मिलेगा और अगर युद्ध में उनकी मौत हो जाती है, तो पत्नी और परिवार को सरकारी आर्थिक मदद आसानी से मिल सकेगी।

परदों से संवरा आपका घर

घर की खूबसूरती में जितना महत्व दीवारों पर लगे रंगों का है, उतना ही महत्व दरवाजों खिड़कियों पर लटकते परदों का है। आप चाहें तो कपड़े खरीद कर खुद से भी परदे सिलवा सकते हैं या फिर किसी भी मार्केट से रेडीमेड परदे खरीदे जा सकते हैं। इसके अलावा बाजार में ब्रांडेड परदे भी मौजूद हैं।

परदों के मामले में भी अब लोग काफी चूजी होने लगे हैं। वे अब परदों में भी स्टाइल और ट्रेंड्री लुक देखने लगे हैं। इसकी वजह परदों को लेकर बदली मानसिकता है। पहले जहां परदों का इस्तेमाल सिर्फ अपनी प्राइवेसी को बनाए रखने के लिए होता था, वहीं परदे अब इंटीरियर का एक खास हिस्सा बनने लगे हैं। यही कारण है कि जिस तरह फर्नीचर या घर की अन्य चीजों की खरीददारी पर ध्यान दिया जाता है, इसी तरह परदों की खरीददारी को अहमियत दी जाती है। परदों के चयन में वैसे तो सबकी अलग-अलग रुचि हो सकती है, पर इस मामले में घर की दीवारों के रंगों का ध्यान सभी रखते हैं। परदे दीवारों के रंगों से मिलते-जुलते हो सकते हैं या फिर कॉन्ट्रास्ट कलर के भी हो सकते हैं। मौसम के अनुसार भी परदे सिलवाए जा सकते हैं। गर्मी में लाइट ब्लू, ग्रीन आदि शांतिदायक रंगों का इस्तेमाल करें जबकि जाड़े के दिनों के लिए लाल, नारंगी और पीले रंगों के प्रयोग को अच्छा माना जाता है। मौसम के अनुसार परदे लगाने की जरूरत का ही परिणाम है कि पहले जहां एक ही तरह के परदे पूरे साल लटके रहते थे, वहीं अब बेडशीट की तरह परदे भी कुछ-कुछ अंतराल पर बदल दिए जाते हैं। रंगों के चयन के बाद बारी आती है कपड़ों के चयन की। इस उद्देश्य मुख्यत: सूती और जॉर्जेट फैब्रिक का ही इस्तेमाल होता है। दोनों ही फेब्रिक में डिजाइन की कोई कमी नहीं है। आप अपनी इच्छानुसार प्रिंट का चयन कर सकते हैं। हां, जॉर्जेट सूती परदों के मुकाबले महंगा जरूर आता है। वैसे तो अभी तक बाजार से कपड़े खरीद कर परदे सिलवाने का ही चलन था, पर अब रेडीमेड परदों से भी बाजार भरा पड़ा है। अब यह आपकी जरूरत है और इच्छा पर निर्भर करता है कि आप परदे सिलवाते हैं या सिले सिलाए परदे ही बाजार से ले आते हैं। आजकल लोगों के पास समय की कमी है यही कारण है कि रेडीमेड परदों की मांग बढ़ने लगी है। इससे आपका समय बचता है और सिलवाने की माथापच्ची भी नहीं करनी पड़ती। इसके अलावा इन परदों को दुकान में टांग कर ही उनकी खूबसूरती का आकलन किया जा सकता है। कुछ दुकानदार तो ट्रायल के लिए परदों को घर ले जाने की भी इजाजत दे देते हैं इस तरह सिले सिलाए परदों से घर को सजाना अब लोगों को अधिक भाने लगा है। आप चाहें तो सिंगल परदे लगवा सकते हैं और चाहें तो डबल, ताकि आपकी प्राइवेसी और बेहतर बनी रहे। सिर्फ परदे ही नहीं, इससे संबंधित एक्सेसरीज की भी बाजार उत्पाद भी है और ब्रांडेड भी। उदाहरण के लिए ब्रांडेड करेंट एक्सेसरीज में आल्प्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक जाना माना नाम है, जिसके उत्पाद विस्टा नाम से बाजार में है।

मस्करा कैसे लगाएं

- अगर आप नकली आई लैशेज के बिना उन्हें घना दिखाना चाहती है तो मस्करा वैंड से अतिरिक्त मस्करा निकाल दें।
- वैंड को सीधे पकड़े और धीरे-धीरे जड़ से सिरे तक घुमाते हुए लगाएं।
- कर्ल को सेट करने के लिए वैंड को आई लैसेज के सिरे पर कुछ सेकेंड के लिए लगाये रखें।
- पहला कोट सूखने के बाद ही दूसरा कोट लगाएं, जिससे मस्करा जमा होकर चिपके नहीं।
- जब तक मस्करा गीला है, आई लैश ब्रश से उन्हें शेप दें। इससे पलकों का बाल-बाल अलग होगा।
- मस्करे में कीटाणु बहुत जल्दी लगते हैं। तीन माह में इसे बदल दें चाहे, आपने इसका इस्तेमाल किया हो या नहीं।
- रात को सोने से पहले मस्करा साफ करना न भूलें। ऐसा न करने से यह आंखों के आस-पास फैल सकता है।

आप भी बन सकती हैं अच्छी कुक

- सलाद काटने से पहले सब्जियां कुछ समय पहले फ्रीजर में रखें, फिर काटें। सलाद आसानी से और अच्छा कटेगा।
- दही-बड़े बनाने के लिए पिसी हुई दाल में थोड़ी-सी सूजी भी फेंट लें। बड़े अधिक नर्म बनेंगे।
- उबले चावलों को खुशबूदार बनाने हेतु चावल उबालते समय एक तेज पत्ता डाल दें।
- रायते को अधिक स्वादिष्ट बनाने हेतु रायता बनाते समय दही में थोड़ा-सा ठंडा दूध डालें। रायता खट्टा नहीं बनेगा।
- चाय बनाते समय चाय की पत्ती को पानी में अधिक देर तक न उबालें। देर तक उबले पानी की चाय का स्वाद अच्छा नहीं आता।
- भिंडी गलने के बाद थोड़ा दही या नींबू का रस मिला कर पकाने से अधिक स्वादिष्ट बनेगी।
- भरवां करेले में बचा हुआ आम के आचार का मसाला मिला कर भरने से करेले स्वादिष्ट बनते हैं।
- नान बनाते समय उसमें थोड़ी-सी अजवाइन डालें।
- भिंडी, पालक, मेथी, बथुआ आदि बिना ढंते बनाएं। सब्जी का रंग हरा बना रहेगा।
- सैंडविच काटने के लिए जिस चाकू का प्रयोग करें उसे हल्का सा गर्म कर लें। गर्म चाकू से सैंडविच आसानी से कट जाते हैं।
- कचौंड़ी को अधिक खस्ता बनाने के लिए आटा गूंधते समय उसमें मोयन के साथ एक-दो चम्मच दही डालें।

फोटो मेकअप का बढ़ा क्रेज

खास मौके को खास तस्वीर के रूप में सहेजना चाहती हैं लड़कियां

गर्ल्स की परफैक्ट और खूबसूरत दिखने की चाहत ब्यूटी इंडस्ट्री में कई बदलाव ला रही है। ब्राइड के मेकअप से लेकर मॉडल्स को बेहतरीन लुक देने के लिए ब्यूटी एक्सपर्ट्स काफी मेहनत करते हैं। ऐसे में कस्टमर को ऐसा मेकअप और ऐसा मेकओवर देना जो उन्हें उम्र भर याद रहे इन ब्यूटी एक्सपर्ट्स की पहली प्रैफरेंस रहती है। एंगेजमेंट से लेकर शादी के लिए ब्राइड्स को तैयार करने के लिए ब्यूटी एक्सपर्ट्स खास तरह के प्रोडक्ट यूज करते हैं ताकि उनकी लुक फोटो में अच्छे से उभर कर आए। इस मेकअप को फोटो मेकअप भी कहा जाता है। ब्यूटी एक्सपर्ट्स की माने तो गर्ल्स अपनी लुक को लेकर इतनी चूजी हो गई हैं कि वक्त के साथ-साथ मेकअप में भी काफी बदलाव लाने की जरूरत पड़ रही है। इसके अलावा स्किन को खास तौर पर ध्यान में रखते हुए प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल किया जाता है ताकि किसी प्रकार का साइड-इफैक्ट न हो।

इंटरनैशनल ब्रांड्स का इस्तेमाल

सिलवीज के ऋषि बताते हैं कि फोटो मेकअप के लिए खास तौर पर इंटरनैशनल ब्रांड्स जैसे मैक, बॉबी-ब्राउन का यूज किया जाता है। इन ब्रांड्स के साथ किया हुआ मेकअप ज्यादा देर तो रहता है साथ ही फोटोज भी अच्छी आती है। आम मेकअप में फोटोज में पैच नजर आते हैं, लेकिन इन प्रोडक्ट्स की मदद से किए गए मेकअप से परफैक्ट फोटो आती हैं।

थोड़ा-सा महंगा है

किल्योपेट्रा की डॉ. श्रुति बताती हैं कि इस मेकअप की कीमत आम मेकअप से थोड़ी ज्यादा है। जहां आम मेकअप 7000 रुपए तक किया जा सकता है, वहीं इस मेकअप की कीमत 12,000 रुपए या इससे ज्यादा हो सकती है। हर सैलून में पैकेज के अनुसार कीमत में फर्क हो सकता है।

मॉडल्स की खास पसंद

मॉडल्स के लिए भी फोटो मेकअप यूज किया जाता है ताकि फोटो में वे बेहतरीन लग सकें। इसके अलावा ईलीट क्लास खास तौर पर इसी मेकअप को प्रैफर करती है। ब्यूटी एक्सपर्ट्स के मुताबिक सैंसटिव स्किन वाले कस्टमर के लिए यही मेकअप बैस्ट रहता है, क्योंकि इसमें यूज किए जाने वाले प्रोडक्ट स्किन को नुकसान नहीं पहुंचाते। इसके साथ-साथ शादी जैसे महत्वपूर्ण दिन को फोटो के जरिए ही लोग याद रखते हैं। और फोटो बेहतरीन हो, इसके लिए इंसान का बेहतरीन लगना जरूरी है। इसी वजह से कस्टमर कीमत चुकाकर अपने स्पैशल दिन को हमेशा के लिए खास बनाना ही प्रैफर करते हैं।

नारियल मसाला डोसा

सामग्री : 1 कप ताजा नारियल कसा हुआ, 1 आलू उबाल कर चौरस टुकड़ों में कटा, 2 हरी मिर्च बारीक कटी, थोड़े से करी पत्ते, 1 बड़ा चम्मच सांबर मसाला, एक छोटा चम्मच साबुत सरसों, थोड़ी-सी चना दाल, 150 ग्राम उड़द दाल, स्वादानुसार नमक और तेल।

विधि : उड़द दाल व चावल को 8-10 घंटे के लिए पानी में भिगो दें। मिक्सी में पीस कर खमीर उठने के लिए रख दें व इसमें नमक भी मिला दें। कड़ाही में 2 बड़े चम्मच तेल डाल कर गर्म करें और इसमें सरसों, चना, दाल, सूखी मिर्च व करी पत्ता चटकाएं व इसमें नारियल, आलू और सांबर पाऊडर मिला दें और कुछ देर तक पकाएं। तवा गर्म करें व घोल डालकर डोसा तैयार करें। 2 चम्मच नारियल मसाला डाल कर डोसा फोल्ड करें व नारियल की चटनी संग परोसें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा। शुभांक-4-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करे। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-3-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 2560

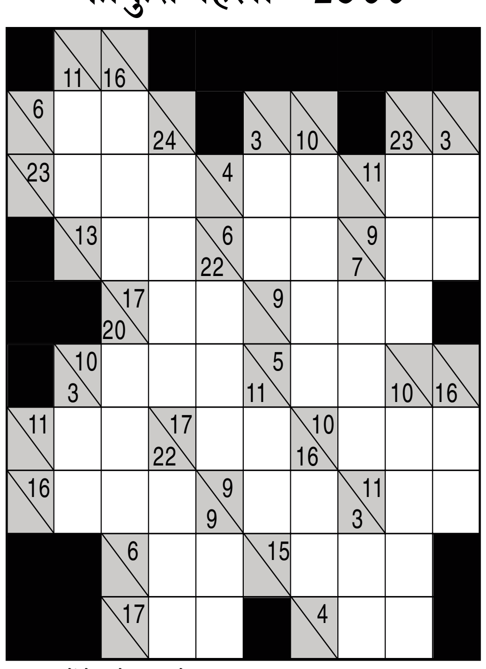

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

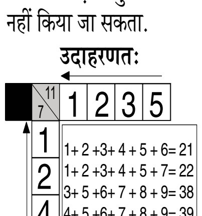

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2559 का हल

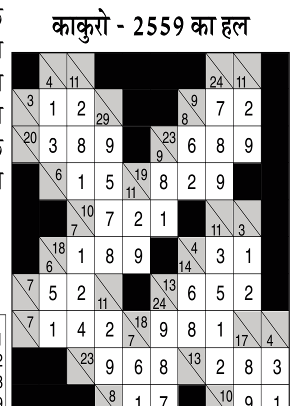

लॉफिंग ज़ोन

रामलाल बहुत घबराया हुआ थाने पहुंचा. थानेदार ने जब घबराहट का कारण पूछा तो वह बोला, 'मेरी पत्नी मायके गई हुई है.'

मैं आज सुबह जब सो कर उठा तो देखा मेरे कमरे की अलमारी खुली थी. मेरा कीमती सामान व रूपए चोरी हो चुके थे. सब कुछ अस्त-व्यस्त था, 'संदूक टूटे हुए मिले. मेरे तो हाथों के तोते ही उड़ गए.'

थानेदार ने कलम उठाई और तुरंत बोला, 'कुल कितने तोते थे.'

☺ ☺ ☺

मीना (सीमा से) - तुम्हें नहीं लगता कि लगातार नीद की गोलियां खाने से इनकी आदत पड़ जाती है.

सीमा - बिल्कुल नहीं, मैं तो पिछले आठ साल से खा रही हूं. मुझे तो इनकी आदत नहीं पड़ी?

☺ ☺ ☺

प्रेमिका (प्रेमी से) - तुम जल्दी से बताओ कि मुझसे शादी करोगे कि नहीं?

प्रेमी (प्रेमिका से) - मैं इतनी जल्दी कुछ नहीं कह सकता.

प्रेमिका (प्रेमी से) - मुझे अभी जवाब चाहिए, क्योंकि आज ही मुझे औरों से भी यही सवाल करना है.

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली - 2560

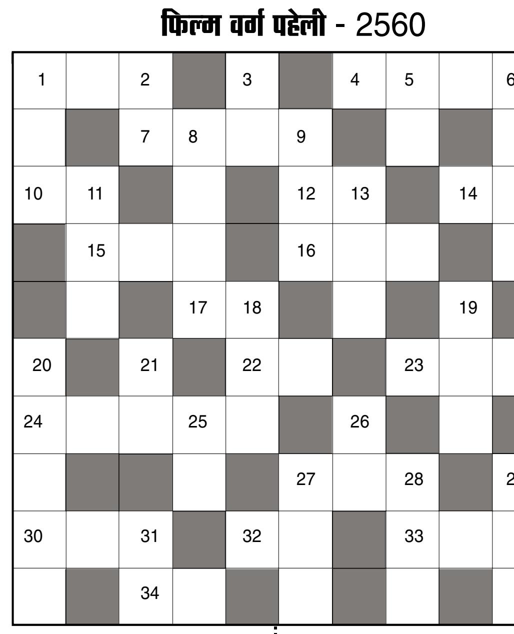

बायें से दायें:-

१. 'तू सामने जब आता' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
४. शाहरूख, ट्विंकल की 'आशिक हूँ मैं कातिल भी' गीतवाली फिल्म-४
७. 'आके चली बांके चली' गीत वाली संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. 'दिल चीज क्या है' गीत वाली 'उमराव जान' की नायिका-२
१२. राजेंद्र कुमार, माला की 'जिसके सपने हमें' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'मैं तुझ से मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
१५. अक्षयकुमार, रवीना की 'टिप टिप बरसा पानी' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'संभाला है मैं ने' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१७. जैकी, रति अग्निहोत्री की 'छोड़ो मुझे छोड़ों' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'हुतूतू' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी ?-२
२३. 'ये रेशमी जुल्फे' गीत वाली राजेश, मुमताज की फिल्म-१,२
२४. मिथुन, चंकी, रितुपर्णा, सोमी अली की १९९४ की एक फिल्म-३,२
२७. 'बनाके क्यूँ बिगाड़ा रे' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
३०. जीतेंद्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीतवाली फिल्म-३
३२. 'एक लड़की जिसके होठों' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा की फिल्म-२
३३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
३४. 'तू प्यार का सागर है तेरी इक बूंद के प्यासे हम' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तन्हा तन्हा दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कहना है तुमसे कहना' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
३. फिल्म 'मिलन' में मनीषा कोईराला के साथ नायक का नाम-२
५. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दिया की फिल्म-२
६. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
८. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा की फिल्म-४
९. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, धर्मेंद्र, वहीदा की फिल्म-३
१३. 'हसीना गोरी गोरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'खानदान' की नायिका कौन थी-३
१९. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३
२०. 'हम साथ साथ हैं' में सोनाली के पिता की भूमिका किसने की थी ?-३,२
२१. 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली राजेश, सुलक्षण की फिल्म-२
२५. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की एक सस्पेंस फिल्म-२
२६. 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२८. 'गोरी जो मटके' गीत वाली फिल्म-३
२९. सनी, मीनाक्षी की 'सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीवकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की १९८१ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2559

कु	र्बा	न		व	जू	द		आ	शा
र्बा		सी	मा		ही	रा		शि	
नी	ल	म		ग		र	क्ष	क	
	म्हे		खु	दा	र		त्रि		अ
स		ग	द	र		ज	य	रा	ज
हे	मा		ग		सो	मी		जा	न
ली		क	र्ज			र	वि		बी
	ज	या		म	धु		दा	ग	
बा		म	र्या	दा		भा	ई		जू
जी	न	त		री		भी		डो	ली

सूडोकु -2560

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2559 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 2560

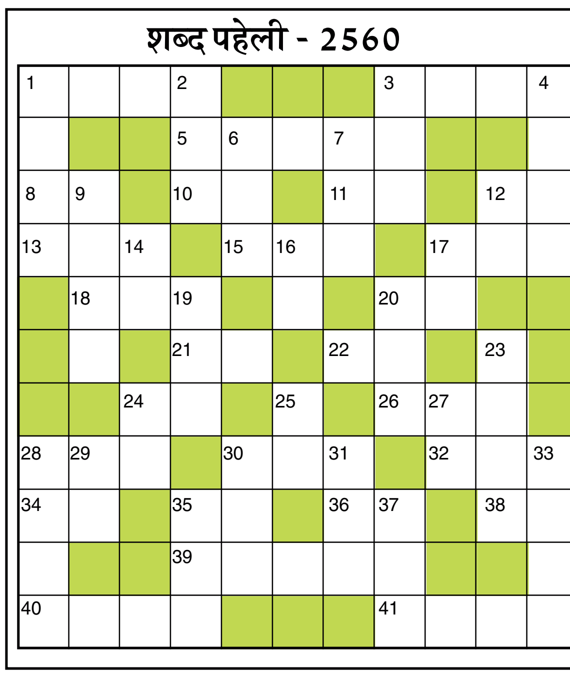

बाएँ से दाएँ

1.पक्षियों का शोर-4
3.मुठभेड़,भिड़ंत-4
5.क्रोधित होवा-5
8.लाश,पार्थिव देह-2
10.नवीन-2
11.सरिता-2
12.संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13.दोजख,नर्क-3
15.नमकीन लवण-3
17.बेकार-3
18.आंचल-3
20.फायदा,लाभ-2
21.चिट्ठी,पत्र-2
22.जी,चित-2
24.संपूर्ण-2
26.कुचलना,दबाना-3
28.दाड़म,एक फल-3
30.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32.खिचड़ी,पुलाव-3
34.मां,आई-2
35.भाग्य (अंग्रेजी-2)
36.सौतन-2
38.लीन-2
39.चमकीला-5
40.नसीब,किस्मत-4
41.चुनौती-4

ऊपर से नीचे

1.दलाली-4
2.स्वदेश,जन्मभूमि-3
3.दौंडी पीटना-3
4.बेमिसाल-4
6.इसमें तलवार रखते हैं-3
7.मापदंड,आदर्श-3
9.इच्छित वस्तु-4
12.जीरक,कणिका-2
14.थोड़ा,जरा-2
16.आनंद-2
17.क्रोधित,रुष्ट-2
19.अदा-3
20.पति की बहन-3
23.मन को हरने वाला-4
24.निष्कर्ष-2
25.उम्मीद-2
27.वोट,अभिमत-2
28.धरोहर,थाती-4
29.रिश्ता-2
30.नकद राशि,रोकड़-3
31.संधिपत्र,मसविदा-3
33.रीति अनुसार-4
35.अदृढ,तर्कहीन-3
37.द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली -2559 का हल

	स	ला	म	त		म	हा	व	र	
का	म		ही	र		म	सि		थ	ल
फी		शा	न		वं		ल	ब		क्ष्य
		य		म	हा	न		र		
	फ	र	मा	न		र	स	खा	न	
का	की		ल				न		र	ति
	र	नि	वा	स		ह	म	द	म	
		य		र	ज	क		स्त		
जा		म	जा		हां		श	क		का
न	शा		य	म		पा	प		सा	या
	म	हा	का	ल		ल	थ	प	थ	

तीन घंटे में कंटेंट हटाने के नए नियम पर केजरीवाल का केंद्र पर हमला, बोले- सरकार जेन-जी से डर गई

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र सरकार के सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के लिए गैर-कानूनी, सिंथेटिक एवं एआई-जनित कंटेंट हटाने की समय-सीमा 36 घंटे से घटाकर 3 घंटे किए जाने के फैसले पर आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लोगों की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है और वह जेन-जी के आंदोलन से डर गई है।केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो में कहा कि केंद्र सरकार का नया कानून लागू किया गया है, जिसके तहत यदि सरकार किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को किसी पोस्ट को हटाने का वैध नोटिस देती है, तो प्लेटफॉर्म को तीन घंटे के भीतर उस कंटेंट को हटाना होगा। केजरीवाल ने कहा कि जेन-जी के आंदोलन के बाद केंद्र सरकार में डर का माहौल है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जितना लोगों की आवाज दबाने की कोशिश करेगी, जनता का गुस्सा उतना ही बढ़ेगा।

यूजीसी नेट की उत्तर कुंजी और परिणाम जारी करने की मांग, अभाविप ने यूजीसी सचिव को सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने यूजीसी नेट जून 2026 परीक्षा की प्रोविजनल उत्तर कुंजी और परिणाम जारी करने में हो रही देरी को लेकर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के सचिव प्रो. श्याम राठ को ज्ञापन सौंपा। परिषद ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) से शीघ्र प्रोविजनल उत्तर कुंजी और परिणाम जारी कराने, देरी के कारणों पर सार्वजनिक स्पष्टीकरण देने तथा भविष्य में राष्ट्रीय परीक्षाओं के लिए पारदर्शी और समयबद्ध प्रक्रिया सुनिश्चित करने की मांग की। अभाविप का कहना है कि 22 से 30 जून 2026 के बीच आयोजित यूजीसी नेट परीक्षा संपन्न हुए एक माह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अब तक न तो प्रोविजनल उत्तर कुंजी जारी की गई है और न ही परिणाम घोषित किए गए हैं। संगठन के अनुसार इस विलंब से देशभर के लाखों अभ्यर्थियों का शैक्षणिक, शोध एवं व्यावसायिक भविष्य प्रभावित हो रहा है तथा विद्यार्थियों में असमंजस और चिंता का माहौल बना हुआ है।

विजय और संगीता के बीच तलाक की याचिका वापस, फैमिली कोर्ट ने बंद किया मामला

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय की पत्नी संगीता ने उनके खिलाफ दायर तलाक की याचिका वापस ले ली है। चेंगलपट्टू जिला फैमिली कोर्ट ने संगीता के अनुरोध को स्वीकार करते हुए मामले को बंद कर दिया। जानकारी के अनुसार, विजय और संगीता पिछले कुछ समय से निजी कारणों के चलते अलग-अलग रह रहे थे। इसके बाद दिसंबर में संगीता ने चेंगलपट्टू फैमिली कोर्ट में तलाक लेने से जुड़ी याचिका दाखिल की थी। मामले की सुनवाई इससे पहले तीन बार हो चुकी थी। विजय और संगीता की सुरक्षा और उनके हाई-प्रोफाइल होने को देखते हुए अदालत ने दोनों को व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट दी थी। अदालत ने उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई में शामिल होने की अनुमति दी थी।

जब मामला फिर से सुनवाई के लिए आया तो विजय की ओर से पेश वकील ने अदालत से सुनवाई आगे बढ़ाने का अनुरोध किया। वकील ने बताया कि विजय तमिलनाडु विधानसभा के चल रहे सत्र में व्यस्त हैं, इसलिए उन्हें कुछ समय की जरूरत है। हालांकि, संगीता की कानूनी टीम ने तय तारीख पर ही सुनवाई जारी रखने की मांग की।

कांग्रेस में 'चढ़ावा संस्कृति' से तय होती है पद और जिम्मेदारीः अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस में चढ़ावा संस्कृति का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी में पद और जिम्मेदारी इसी के आधार पर तय होती हैं। उन्होंने दावा किया कि एक कथित ऑडियो टेप और हालिया राजनीतिक चर्चाओं में कांग्रेस नेताओं से जुड़े ऐसे गंभीर आरोप सामने आए हैं। अनुराग ठाकुर ने अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में कहा कि कांग्रेस में 'चढ़ावा संस्कृति' छिपी बात नहीं रह गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार को लेकर भी ऐसी चर्चाएं हैं कि मंत्रिमंडल में लगभग 80 प्रतिशत मंत्री पद कथित रूप से इसी के आधार पर तय किए गए हैं। उन्होंने कहा कि वाल्मीकि योजना में कथित गबन के मामले में

अभियुक्त रहे और पहले सिद्धरमैया मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे चुके विधायक नागेंद्र को दोबारा मंत्री बनाए जाने पर भी सवाल उठ रहे हैं, जो इस पूरी व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। भाजपा सांसद ने कहा कि ये सभी आरोप कांग्रेस हाईकमान की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को इन आरोपों पर जवाब देना चाहिए और पारदर्शिता के साथ सच्चाई सामने रखनी चाहिए।

13वीं ब्रिक्स शिक्षा मंत्रियों की बैठक

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने दोहराई भारत की 'जन-केंद्रित और मानवता-प्रथम' नीति

शिक्षार्थियों, शिक्षकों, शोधकर्ताओं तथा युवाओं को नीतिनिर्माण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के केंद्र में रखा जाना चाहिए।

एजेंसी
भुवनेश्वर। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने ब्रिक्स सहयोग के प्रति भारत की जन-केंद्रित और मानवता-प्रथम दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने 13वीं ब्रिक्स शिक्षा मंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता की, जो ओडिशा के भुवनेश्वर में 13वीं ब्रिक्स शिक्षा मंत्रियों की घोषणा को अपनाए जाने के साथ संपन्न हुई। ब्रिक्स के सभी साझेदार देशों के साथ मिलकर कार्य करने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराते हुए केंद्रीय मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि बैठक के दौरान उत्पन्न हुई गति सार्थक परिणामों में परिवर्तित होगी। वर्ष 2026 के लिए भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता की थीम, 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सततता का निर्माण' का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा प्रणालियों को युवाओं को उभरते अवसरों के लिए तैयार करना चाहिए, साथ ही उन्हें मानवीय मूल्यों से भी दृढ़तापूर्वक जोड़े रखना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षार्थियों, शिक्षकों, शोधकर्ताओं तथा युवाओं को नीतिनिर्माण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के केंद्र में रखा जाना चाहिए। जोशी ने कहा कि शिक्षा समावेशी विकास और साझी समृद्धि की

आधारशिला है तथा अंगीकृत घोषणा ब्रिक्स देशों की पांच प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग को सुदृढ़ बनाने की सामूहिक प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती है। उन्होंने पारंपरिक एवं देशज ज्ञान प्रणालियों के संरक्षण और संवर्धन के महत्व पर भी बल देते हुए कहा कि नवाचार और विरासत एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों की समृद्ध सभ्यतागत परंपराएं पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण, उसके गहन अध्ययन तथा उसके महत्व को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने का एक विशिष्ट अवसर प्रदान करती हैं।

केंद्रीय मंत्री ने ओडिशा की प्राचीन शिक्षा केंद्र के रूप में समृद्ध विरासत का उल्लेख किया तथा भारत के शाश्वत सभ्यतागत मूल्यों 'अतिथि देवो भवः' और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का स्मरण कराया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि यद्यपि देशों की परंपराएं और अनुभव भिन्न हो सकते हैं, किंतु उनकी प्रगति परस्पर जुड़ी हुई है।

ब्रिक्स शिक्षा कार्यसूची (ब्रिक्स एजुकेशन ट्रैक) के अंतर्गत सहयोग को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस बैठक में ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, ईरान, इथियोपिया तथा संयुक्त अरब अमीरात सहित ब्रिक्स सदस्य देशों के मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया। 13वीं ब्रिक्स शिक्षा मंत्रियों की घोषणा को अंगीकृत किए जाने के साथ शिक्षा को ब्रिक्स सहयोग के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में पुनः पुष्टि मिली तथा भारत की अध्यक्षता के अंतर्गत चिन्हित पांच प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर एक साझा कार्य-योजना प्रस्तुत की गई।

इसके प्रमुख परिणामों में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई) तथा बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता (एफएलएन) को सुदृढ़ बनानाः गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा तक सार्वभौमिक और समावेशी पहुंच को बढ़ावा देने, विद्यालय के लिए बच्चों की तैयारी को सुदृढ़ करने तथा प्रारंभिक शिक्षा के लिए आयु-उपयुक्त डिजिटल समाधानों के उपयोग को प्रोत्साहित करने पर सहमति व्यक्त की गई।

बंद और नाकेबंदी से मणिपुर और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित - मुख्यमंत्री खेमचंद सिंह

ऐसे विरोध-प्रदर्शनों से दिहाड़ी मजदूरों को सबसे ज्यादा नुकसान होता है : मुख्यमंत्री

एजेंसी
इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने कहा कि हाईवे पर चल रहे बंद, नाकेबंदी और दूसरे तरह के विरोध-प्रदर्शनों ने राज्य और देश, दोनों की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर डाला है। उन्होंने सामान और लोगों की आवाजाही बिना किसी रुकावट के जारी रखने की जरूरत पर जोर दिया। मणिपुर की डेमोग्राफिक प्रोफाइल (जनसांख्यिकीय स्थिति) पर दो दिन की सलाह-मशविरा बैठक और सेमिनार का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे विरोध-प्रदर्शनों से दिहाड़ी मजदूरों को सबसे ज्यादा नुकसान होता है। यह कार्यक्रम राज्य के गृह विभाग और मणिपुर राज्य जनसंख्या आयोग ने मिलकर आयोजित किया था। लोगों को संबोधित करते हुए खेमचंद सिंह ने कहा कि चल रही नाकेबंदी से उन ट्रक ड्राइवरों को भी गंभीर समस्याओं

का सामना करना पड़ रहा है जो राज्य में जरूरी सामान पहुंचाते समय नेशनल हाईवे पर फंसे हुए हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार आम जनता के फायदे वाले किसी भी कदम और कार्रवाई में मदद के लिए हमेशा तैयार है।

चर्चा के नतीजों पर भरोसा जताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें यकीन है कि विशेषज्ञों द्वारा अपनाए गए सुझाव और प्रस्ताव लोगों की भलाई के लिए होंगे।

उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी सुझाव भारत के संविधान के नियमों के दायरे में होने चाहिए और लोगों से अपील की कि वे ऐसा कोई आंदोलन न करें जिससे नागरिकों की रोजमर्रा की जिंदगी में रुकावट आए।

अपने भाषण में गृह मंत्री कोंथौजम गोविंदस सिंह ने कहा कि मणिपुर सरकार ने केंद्र सरकार को पहले ही बता दिया है कि वह राज्य में संवैधानिक और कानूनी ढांचे के तहत एनआरसी (नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन) की प्रक्रिया शुरू करने के लिए तैयार है।

उन्होंने लोगों को बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने देश में आबादी से जुड़े बदलावों का अध्ययन करने के लिए पहले ही एक हाई-लेवल कमिटी बना दी है। मंत्री ने आगे कहा कि भले ही राजनीतिक या वैचारिक मतभेद हों, लोगों को जनता के बड़े हित के लिए एक साथ आना चाहिए और राज्य के मूल निवासियों की समस्याओं को हल करने के लिए काम करना चाहिए।

उद्घाटन समारोह में कमिश्नर (गृह) एन. अशोक कुमार, राज्य जनसंख्या कमिश्नर एम. मणिमोहन मेइतेई, मणिपुर राज्य जनसंख्या आयोग के सचिव डॉ. एम. वेटो सिंह, विभिन्न सिविल सोसाइटी संगठनों के नेता, समुदाय के नेता, महिला नेता, बुद्धिजीवी, शिक्षाविद और गृह विभाग के अधिकारी आदि शामिल हुए।

जेन जी हमारे देश की ताकत और बहुत बड़ी धरोहर : कंगना रनौत

एजेंसी
नई दिल्ली । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत द्वारा संचालित कार्यक्रम में जेन-जी' और जेन-अल्फा के साथ बातचीत का समर्थन करते हुए अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने मीडिया संग बातचीत में जेन जी को भारत की धरोहर बताया। छात्रों के प्रदर्शन पर और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के जेन-जी को लेकर दिए बयान पर कंगना ने कहा, 'जेन-जी भी इस देश का हिस्सा है। उनकी बहुमत की वजह से ही हमारी सरकार सत्ता में है। ऐसा नहीं है कि प्रदर्शन में गाली देने वाले ही सिर्फ जेन-जी हैं। आज झारखंड में बच्चे कितने अच्छे से प्रदर्शन कर रहे हैं। हमारे युवा देश के लिए मेडल लेकर आ रहे हैं। मैं सिर्फ यही कहना चाहूंगी कि कुछ लोग ही जेन-जी का नाम खराब कर रहे हैं। जेन-जी हमारी सबसे बड़ी ताकत है और हमें उन पर गर्व है।' उन्होंने कहा, 'जेन जी हमारे देश की ताकत और एक बहुत बड़ी धरोहर है। हमारे युवा बच्चों को भी मोहन भागवत जी के अनुभव को स्वीकार्य करना चाहिए। हमें बहुत खुशी है कि देश के युवा हमारी संस्कृति की

पहचान हैं। ये हमारी संस्कृति के एम्बेसडर बनकर उभर रहे हैं। ये बहुत ही खुशी की बात है।' कंगना रनौत ने सदन ना चलने पर विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, 'आप देख रहे हैं कि विपक्ष ने कितना हंगामा मचा रखा है और इससे जनता का कितना नुकसान हो रहा है। सरकार के सारे काम रोक दिए गए हैं। जो बिल आने थे, उन पर भी उनकी सहमति नहीं है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत आने वाले 62 जहाज होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित निकलेः केंद्रीय मंत्री

इनमें से 23 भारतीय ध्वज वाले और 39 विदेशी ध्वज वाले जहाज थे।

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने संसद को बताया कि खाड़ी क्षेत्र से 4,052 नाविकों को वापस लाया गया है और 3 अगस्त तक भारत आने वाले 62 जहाज होर्मुज स्ट्रेट से सफलतापूर्वक गुजर चुके हैं। इनमें से 23 भारतीय ध्वज वाले और 39 विदेशी ध्वज वाले जहाज थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बदलती समुद्री सुरक्षा स्थिति को देखते हुए, समुद्री प्रशासन महानिदेशालय (डीजीएमए) मध्य पूर्व संघर्ष के बीच भारतीय नाविकों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए लगातार अपनी एडवायजरी अपडेट करता रहता है। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में मंत्री ने कहा कि व्यापारिक जहाजों पर नए सिरे से हो रहे हमलों के मद्देनजर, नौवहन महानिदेशालय ने पूर्ण अंतरराष्ट्रीय पोत और बंदरगाह सुविधा सुरक्षा (आईएसपीएस) कोड सुरक्षा उपायों को लागू करना अनिवार्य कर दिया है। इसके साथ ही खाड़ी क्षेत्र से गुजरने वाली यात्राओं पर भारतीय नाविकों को तैनात न करने की सलाह दी है। काला सागर में काम करने वाले भारतीय नाविकों को ले जाने वाले भारतीय और विदेशी ध्वज वाले जहाजों के लिए भी एक डीजीएमए एडवायजरी जारी की गई है, जिसमें अत्यधिक सावधानी बरतने, यात्रा-विशिष्ट सुरक्षा आकलन करने, सुरक्षा एडवायजरी का कड़ाई से पालन करने और घटनाओं की तत्काल रिपोर्ट करने को कहा गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल – हैंडलूम उत्पाद खरीदकर दिया वोकल फॉर लोकल का संदेश

एजेंसी
जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर जयपुर के एमआई रोड स्थित हैंडलूम स्टोर पहुंचकर विभिन्न उत्पाद खरीदे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देशवासियों से किए गए आह्वान को आगे बढ़ाते हुए राज्य सरकार के उपक्रम हैंडलूम स्टोर से खरीददारी कर 'वोकल फॉर लोकल' का संदेश दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर 'वोकल फॉर लोकल' के साथ हैंडलूम उत्पादों को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि हथकरघा उद्योग लाखों परिवारों की आजीविका का आधार है। राजस्थान के विभिन्न जिलों में बनने वाले स्थानीय हैंडलूम उत्पाद देश और दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचते हैं तथा बाडमेर से लेकर सांगानेर व बगरू के उत्पाद पूरी दुनिया में जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों में कारीगरों का परिश्रम और पसीना लगा है। हम सभी को उनके श्रम का सम्मान करते हुए स्थानीय

उत्पादों को अपनाकर इन्हें आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे अपने जीवन में 'वोकल फॉर लोकल' की भावना के साथ स्थानीय उत्पादों को खरीदें ताकि छोटे-छोटे कारीगर एवं दुकानदार आर्थिक रूप से सशक्त हो सकें एवं प्रदेश की समृद्ध धरोहर को नई पहचान मिले। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट एवं पंच गौरव कार्यक्रम के माध्यम से प्रत्येक जिले के विशिष्ट उत्पादों को प्रोत्साहित कर रही है। इन कार्यक्रमों के जरिए स्थानीय संस्कृति एवं कला के साथ ही जिले की अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा मिल रही है।

दिल्ली की सड़कों पर सफर अब होगा और सुरक्षित

गूगल मैप और मैपमाइइंडिया बताएंगे हादसे वाले क्षेत्र

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली में वाहन चलाने वालों को अब रास्ते में आने वाले हादसे संभावित क्षेत्रों की जानकारी पहले ही मिल सकेगी। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने सड़क सुरक्षा को मजबूत करने के लिए तकनीक आधारित नई पहल शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत दिल्ली की सड़कों पर चिन्हित दुर्घटना संभावित क्षेत्रों के करीब पहुंचते ही वाहन चालकों को गूगल मैप और मैप मई इंडिया के माध्यम से अलर्ट मिलेगा। साथ ही डिजिटल मैपिंग प्लेटफार्म पर दिल्ली की सड़कों की निर्धारित अधिकतम गति सीमा की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी। ट्रैफिक की अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विजयंता गोयल आर्या ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस का मानना है कि सड़क पर संभावित खतरे और निर्धारित गति सीमा की जानकारी समय रहते मिलने से चालक अधिक सतर्क होकर वाहन चलाएंगे। इससे सड़क दुर्घटनाओं और वाहनों की टक्कर के मामलों में कमी लाने में मदद मिलेगी। यह पहल खासतौर पर तेज रफ्तार या परिस्थितियों के अनुरूप अधिक गति से वाहन चलाने के कारण होने वाले हादसों को रोकने में उपयोगी साबित हो सकती है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के

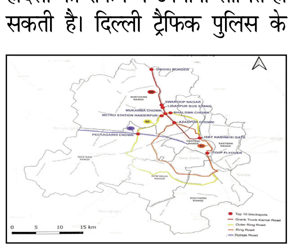

मुताबिक, दिल्ली की सड़कों पर ऐसे स्थानों की पहचान की गई है जहां दुर्घटनाओं का खतरा अधिक रहता है। इन चिन्हित क्षेत्रों के संबंध में जानकारी डिजिटल नेविगेशन प्लेटफार्म से जोड़ी जाएगी। जब कोई वाहन चालक ऐसे क्षेत्र की ओर बढ़ेगा तो गूगल मैप और मैप माई इंडिया के जरिए उसे अलर्ट मिलेगा। इसका उद्देश्य चालक को पहले से सतर्क करना है, ताकि वह अपनी गति नियंत्रित कर सके और सड़क की परिस्थितियों को देखते हुए सावधानी से वाहन चलाए। नई पहल के तहत दिल्ली की सड़कों पर लागू निर्धारित अधिकतम गति सीमा की जानकारी भी डिजिटल मैपिंग प्लेटफार्म के जरिए वाहन चालकों तक पहुंचाई जाएगी। इससे चालक जिस सड़क पर सफर कर रहा होगा, वहां लागू गति सीमा को आसानी से जान सकेगा। ट्रैफिक पुलिस को उम्मीद है कि इससे गति सीमा के पालन को बढ़ावा मिलेगा और तेज रफ्तार के कारण होने वाले हादसों को कम करने में मदद मिलेगी।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस पहले से ही तकनीक का इस्तेमाल सड़क की स्थिति और यातायात प्रबंधन के लिए कर रही है। इसके जरिए वाहन चालकों तक सड़क की स्थिति, ट्रैफिक जाम, अधिक यातायात वाले क्षेत्र, डायवर्जन, सड़क बंद होने और यातायात से जुड़े अन्य घटनाक्रमों की जानकारी समय पर पहुंचाने का प्रयास किया जाता है। इससे लोग अपनी यात्रा की बेहतर योजना बना सकते हैं और जरूरत के अनुसार वैकल्पिक मार्ग चुन सकते हैं।

ई-कोर्ट्स परियोजना से न्याय व्यवस्था में बड़ा बदलाव

2014 के बाद मामलों की फाइलिंग और निपटान तीन गुना बढ़ा

एजेंसी
नई दिल्ली। । भारत में ई-कोर्ट्स मिशन मोड परियोजना ने कागज आधारित न्यायिक व्यवस्था को डिजिटल और ट्रैक करने योग्य न्याय वितरण प्रणाली में बदल दिया है। इसकी मदद से 2014 के बाद से मामलों की फाइलिंग और निपटान दोनों में लगभग तीन गुना वृद्धि हुई है। साथ ही अदालतें हर वर्ष दर्ज होने वाले मामलों की तुलना में अधिक मामलों का निपटारा कर रही हैं। सरकार द्वारा जारी फैक्टशीट के अनुसार, कोर्ट के रिकॉर्ड के 753 करोड़ से ज्यादा पन्नों को डिजिटाइज किया गया है, जबकि हजारों ई-सेवा केंद्र न्यायिक सेवाओं तक पहुंच बढ़ाकर डिजिटल अंतर को कम करने में मदद कर रहे हैं। ये सभी सुधार मिलकर न्याय व्यवस्था को तेज, ज्यादा पारदर्शी और सभी के लिए ज्यादा सुलभ बना रहे हैं। भारत की न्यायपालिका, जो एक अरब से ज्यादा लोगों की सेवा करती है। लंबे समय से कागजी रिकॉर्ड और पारंपरिक बुनियादी ढांचे पर निर्भर रही है। कई नागरिकों को अपने मामलों और दस्तावेजों के लिए अदालतों और अन्य दफ्तरों के चक्कर लगाने में बहुत ज्यादा यात्रा और अन्य खर्च उठाने पड़ते थे। इस पुराने सिस्टम की वजह से लोगों को न्याय मिलने में देरी होती थी। यह प्रक्रिया मुश्किल और महंगी थी। अपने तीसरे चरण में ई-कोर्ट्स मिशन मोड प्रोजेक्ट ने टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके न्यायिक व्यवस्था को पूरी तरह बदल दिया है। पहले चरण (2011-2015) ने 14,000 से ज्यादा अदालतों को कंप्यूटराइज करके और टेक्नोलॉजी-आधारित न्यायिक सेवाओं के लिए जरूरी बुनियादी नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर बनाकर इस मिशन की नींव रखी। दूसरे चरण (2015-2023) में नागरिकों पर केंद्रित कई सेवाओं के साथ इसे और आगे बढ़ाया गया। इसमें नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड, ई-फाइलिंग और ई-सेवा केंद्र (डिजिटल कोर्ट सेवाएं देने वाला एक फिजिकल हेल्प डेस्क) शुरू किए गए। फैक्टशीट के

अनुसार, इस फेज में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को पांच गुना से ज्यादा बढ़ाया गया, जिससे अदालती कार्यवाही तक वर्चुअल पहुंच में काफी सुधार हुआ। यह प्रोजेक्ट अब अपने तीसरे चरण (2023-2027) में है। इस चरण का लक्ष्य रिकॉर्ड्स के बड़े पैमाने पर डिजिटाइजेशन, वर्चुअल सुनवाई के ज़्यादा इस्तेमाल, न्याय से जुड़ी संस्थाओं के बीच बेहतर तालमेल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), एनालिटिक्स और ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन (ओसीआर) जैसी नई तकनीकों को अपनाकर डिजिटल, पेपरलेस और ज्यादा स्मार्ट अदालतों की ओर बढ़ना है। पहले, नागरिकों और वकीलों को कोर्ट के दस्तावेज जैसे शिकायतें, लिखित बयान, जवाब और दूसरी अर्जियां खुद जाकर जमा करने पड़ते थे। अब ई-फाइलिंग सिस्टम की वजह से इसकी जरूरत नहीं रही। अब दस्तावेज कहीं से भी ऑनलाइन जमा किए जा सकते हैं। न्याय व्यवस्था को ज्यादा समावेशी बनाने के लिए यह सिस्टम अंग्रेजी के साथ-साथ क्षेत्रीय भाषाओं को भी सपोर्ट करता है और जिला अदालतों, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में काम करता है। ई-फाइलिंग सिस्टम में ऑनलाइन पेमेंट, वकालतनामा ऑनलाइन जमा करने और डॉक्यूमेंट्स पर ई-साइन करने की सुविधा है। फैक्टशीट के अनुसार, इसकी शुरुआत से लेकर 30 जून, 2026 तक ई-फाइलिंग प्लेटफॉर्म के जरिए 1.25 करोड़ से ज़्यादा केस फाइल किए गए हैं, जबकि ई-पेमेंट सिस्टम ने कोर्ट फीस के तौर पर 1,404 करोड़ रुपए और जुर्माने के तौर पर 75 करोड़ रुपए के ट्रांजैक्शन प्रोसेस किए हैं। इससे यह बात सामने आती है कि इस मिशन के तीसरे चरण के तहत अदालतों के करोड़ों पुराने रिकॉर्ड को भी डिजिटाइज किया जा रहा है।

'सोवा-रिग्पा' को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए शोध और विस्तार पर होना चाहिए जोर- प्रतापराव जाधव

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय आयुष (स्वतंत्र प्रभार) एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली सोवा-रिग्पा को अब वैश्विक स्तर पर एक वैज्ञानिक और साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य प्रणाली के रूप में स्थापित किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय सोवा-रिग्पा संस्थान की दूसरी शासी निकाय बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने संस्थान के आगामी रोडमैप पर विस्तार पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि अब ध्यान केवल बुनियादी ढांचे के विकास तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि सोवा-रिग्पा को भारत और विश्व में मुख्यधारा की चिकित्सा प्रणाली के रूप में स्थापित करने पर केंद्रित होना चाहिए। जाधव ने कहा, 'हमारा लक्ष्य सोवा-रिग्पा को दुनिया के सामने एक साक्ष्य-आधारित चिकित्सा विज्ञान के रूप में स्थापित करना है। इसके लिए शोध कार्यों को तेज करना होगा और एक स्वतंत्र रिसर्च काउंसिल की स्थापना पहला महत्वपूर्ण कदम होगा।' उन्होंने कहा कि पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक मानकों के समन्वय से ही एक मजबूत और वैश्विक रूप से स्वीकार्य स्वास्थ्य प्रणाली विकसित की जा सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय सोवा-रिग्पा संस्थान केवल लद्दाख का संस्थान नहीं है, बल्कि यह पूरे भारतीय हिमालयी क्षेत्र की चिकित्सा विरासत का संरक्षक है। उन्होंने हिमालयी समुदायों के साथ जुड़ाव बढ़ाने, औषधीय पौधों की सतत खेती, जैव विविधता संरक्षण, एग्रोफॉरेस्ट्री और बायो-प्रॉस्पेक्टिंग को बढ़ावा देने पर जोर दिया, ताकि स्थानीय समुदाय भी इस ज्ञान प्रणाली के संरक्षण और विकास में भागीदार बन सकें।

केंद्रीय मंत्री ने सुझाव दिया कि भोटी भाषा में उपलब्ध सैकड़ों प्राचीन पांडुलिपियों का संरक्षण, उनका ट्रांसक्रिप्शन और अनुवाद किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन दस्तावेजों का डिजिटलीकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए, ताकि यह समृद्ध ज्ञान शोधकर्ताओं और आम जनता तक आसानी से पहुंच सके। उन्होंने इस कार्य में संस्कृति मंत्रालय और अन्य सक्षम संस्थानों के साथ सहयोग की आवश्यकता पर भी बल दिया। बैठक में आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि मंत्रालय भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को संरक्षित करते हुए उन्हें आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

नीरज चोपड़ा के बाद आशीष यादव ने रचा इतिहास, वर्ल्ड अंडर 20 में भारत को दिलाया सिल्वर

यूजीन (एजेंसी)। भारत के आशीष यादव ने वर्ल्ड एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। यादव ने तीसरे प्रयास में 74.09 मीटर का थ्रो किया और भारत के लिए प्रतियोगिता का खाता खोला। इस प्रदर्शन के साथ वह नीरज चोपड़ा के बाद इस स्पर्धा में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय बन गए।

74.09 मीटर के थ्रो से जीता सिल्वर

19 वर्षीय आशीष यादव ने प्रतियोगिता के तीसरे दौर में 74.09 मीटर का शानदार थ्रो किया, जो उन्हें रजत पदक दिलाने के लिए पर्याप्त रहा। वह अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 74.49 मीटर से महज 40 सेंटीमीटर पीछे रहे। उन्होंने यह रिकॉर्ड इसी साल मार्च में पटियाला में इंडियन ओपन थ्रो प्रतियोगिता के दौरान बनाया था।

दक्षिण अफ्रीका के जान हेंड्रिक हेमैंस ने 80.50 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि डोमिनिका के एडिसन जेम्स ने 73.89 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक हासिल किया। भारत के ही टी. धरणीधरन 72.35 मीटर के प्रदर्शन के साथ छठे स्थान पर रहे।

नीरज चोपड़ा के बाद बने दूसरे भारतीय

आशीष की इस उपलब्धि ने उन्हें भारतीय एथलेटिक्स के इतिहास में खास जगह दिला दी है। वह नीरज चोपड़ा के बाद विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप की पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय हैं। नीरज चोपड़ा ने 2016 में पोलैंड में आयोजित विश्व जूनियर चैंपियनशिप में 86.48 मीटर का थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता था। उनका बनाया विश्व जूनियर रिकॉर्ड आज भी कायम है।

400 मीटर में मोहम्मद अशफाक आठवें स्थान पर

पुरुषों की 400 मीटर स्पर्धा में भारत के मोहम्मद अशफाक फाइनल में 46.20 सेकंड का

समय निकालकर आठवें स्थान पर रहे। उन्होंने इससे एक दिन पहले हीट के पहले दौर में अंडर-20 राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था। अमेरिका के जेडेन डेलोन ने 44.47 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनके हमवतन किंसी विल्सन ने 44.62 सेकंड में रेस पूरी कर रजत पदक हासिल किया। दक्षिण अफ्रीका के लीन्डर्ट के ने कांस्य पदक जीता।

पूजा सिंह ने ऊंची कूद के फाइनल में बनाई जगह

राष्ट्रीय सीनियर रिकॉर्डधारी पूजा सिंह ने महिलाओं की ऊंची कूद के फाइनल में जगह बना ली। उन्होंने क्वालीफिकेशन में 1.79 मीटर की ऊंचाई पार की। दोनों क्वालीफिकेशन ग्रुप से 1.79 मीटर या उससे अधिक की छलांग लगाने वाली एथलीटों ने फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

लंबी कूद में भी भारत को मिली सफलता

पुरुषों की लंबी कूद में भारत के शाहनवाज खान और जितिन अर्जुन ने भी फाइनल में जगह बनाई। शाहनवाज ने क्वालीफिकेशन ग्रुप ए में 7.79 मीटर की छलांग लगाई और कुल पांचवें स्थान पर रहे। वहीं, जितिन अर्जुन ने 7.57 मीटर की छलांग के साथ कुल 12वां स्थान हासिल किया। हालांकि, महिलाओं की भाला फेंक स्पर्धा में भारत की पूनम फाइनल में जगह नहीं बना सकीं। वह अपने क्वालीफिकेशन ग्रुप में आठवें और कुल मिलाकर 13वें स्थान पर रहीं।

हॉकी विश्व कप में इस बार नजर नहीं आयेगा कोई भारतीय अंपायर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीदरलैंड और बेल्जियम में इसी माह 15 अगस्त से शुरू रहे हॉकी विश्व कप में इस बार एक भी भारतीय अंपायर नहीं दिखेगा। तीन दशकों के बाद ऐसा पहली बार होगा जब किसी भी भारतीय अंपायर या तकनीकी अधिकारी को विश्वकप के लिए नहीं रखा गया है। इससे देश में हॉकी अंपायरिंग के भविष्य और गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं पूर्व अंतरराष्ट्रीय अंपायरों ने भी इसको लेकर चिन्ता जतायी है। । उनका मानना है कि अब हमें देश में घरेलू मुकाबलों में केवल अंपायरों की संख्या बढ़ाने की जगह पर उनकी गुणवत्ता और अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर पर भी ध्यान देना होगा।

गौरतलब है कि साल साल 1998 में नीदरलैंड में हुए विश्व कप के बाद से यह पहला अवसर होगा जब टूर्नामेंट में किसी भारतीय का नाम शामिल नहीं है। वहीं यूरोपीय देशों के काफी अंपायरों को इमसें जगह मिली है। इसमें चयन के लिए प्रदर्शन में निरंतरता और अनुभव महत्वपूर्ण हैं, और यहीं पर अब भारतीय अंपायर पिछड़ रहे हैं।

हॉकी इंडिया के पास भले ही अंपायरों की चार श्रेणियों में पुरुष वर्ग में 100 से अधिक और महिला वर्ग में 70 से अधिक अंपायर हैं पर एफआईएच पैनल में सक्रिय भारतीय अंपायरों की संख्या बेहद कम है। इसका कारण इस पेशे में वित्तीय सुरक्षा की कमी को बताया जा रहा है। अधिकतर अंपायरों के पास कोई स्थायी नौकरी नहीं है और उन्हें घरेलू टूर्नामेंटों से मिलने वाले वेतन पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे हालातों में कोई भी अंपायिंग में आने को उत्सुक नहीं रहेगा। एक पूर्व अंपायर ने ककहा कि केवल संख्या बढ़ाने की जगह पर अंपायरों की गुणवत्ता और उन्हें पर्याप्त अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर देने पर ध्यान देना होगा। तभी वे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय अंपायरिंग के बीच अंतर समझ सकेंगे।

आईपीएल 2027 में आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की भागीदारी पर मुश्किल फैसलों के संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने संकेत दिए हैं कि देश के प्रमुख टेस्ट क्रिकेटरों को अगले साल होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 में अपनी भागीदारी को लेकर मुश्किल फैसले लेने पड़ सकते हैं। टीम अपने अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर के सबसे व्यस्त दौर में से एक के लिए तैयारी कर रही है, जिसमें अगले 12 महीनों में 20 टेस्ट और 14 व्हाइट-बॉल अंतर्राष्ट्रीय मैच शामिल हैं। इसमें भारत में होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज और इंग्लैंड के खिलाफ एशेज श्रृंखला भी शामिल है। आईपीएल 2027 मार्च के मध्य से मई के अंत तक चलने की उम्मीद है, जो जून में संभावित विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से ठीक पहले का समय है। मैकडोनाल्ड ने एक बातचीत में कहा कि आईपीएल उनके कई खिलाड़ियों के लिए मैनेजमेंट प्लान का हिस्सा है और उनका मानना है कि टी20 क्रिकेट की सबसे अच्छी प्रतियोगिता में अपने बेहतरीन खिलाड़ियों को खेलने का मौका देने से उनके प्रदर्शन में भी फायदा होता है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इसमें संतुलन बनाना होगा। पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, कैमरन ग्रीन और ट्रेविस हेड जैसे कई प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी वर्तमान में आईपीएल फ्रेंचाइजी से जुड़े हुए हैं। जोश इंग्लिस भी लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम का हिस्सा हैं। ऑस्ट्रेलिया के नियमित टेस्ट खिलाड़ियों द्वारा टूर्नामेंट से हटने या अपनी उपलब्धता सीमित करने का कोई भी फैसला फ्रेंचाइजी की प्लानिंग पर बड़ा असर डाल सकता है, खासकर खिलाड़ियों को रिटेन करने के मामले में। वर्कलोड पर होने वाली चर्चा में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों का मुद्दा अहम रहने की संभावना है।

मैकडोनाल्ड ने एक और व्यस्त अंतर्राष्ट्रीय चक्र से पहले तेज गेंदबाजों को रिकवरी के लिए पर्याप्त समय देने की आवश्यकता पर जोर दिया है। एशेज और वनडे विश्व कप ऑस्ट्रेलिया के मुख्य लक्ष्यों में शामिल हैं, जिससे खिलाड़ियों की फिटनेस और वर्कलोड प्रबंधन बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है।

भारत और श्रीलंका: पदिक्कल का शतक, स्टंप्स तक भारत 357/6, श्रीलंका से सिर्फ 6 रन पीछे

कोलंबो (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका क्रिकेट XI के बीच खेले जा रहे तीन दिवसीय वॉर्म-अप मुकाबले के दूसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। भारत ने दिन का अंत 90 ओवर में 357/6 के स्कोर पर किया और अब वह श्रीलंका XI के पहली पारी के स्कोर से सिर्फ 6 रन पीछे है। दिन की सबसे बड़ी सकारात्मक खबर देवदत्त पडिक्कल का शानदार शतक और रवींद्र जडेजा की उपयोगी पारी रही।

भारत ने दूसरे दिन की शुरुआत 0/1 से की थी और शुरुआती झटके के बाद पडिक्कल और केएल राहुल ने पारी को संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 96 रन की साझेदारी हुई। राहुल 40 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन पडिक्कल ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 121 गेंदों में 103 रन की पारी खेली। उन्होंने 14 चौके लगाए और शतक पूरा करने के बाद रिटायर्ड आउट हुए।

पडिक्कल के रिटायर होने के बाद भारत को जल्दी-जल्दी ऋषभ पंत (2) और ध्रुव जुरेल (1) के विकेट गंवाने पड़े। हालांकि, रवींद्र जडेजा ने मोर्चा संभाला और शानदार 63 रन बनाए। जडेजा ने 117 गेंदों का सामना किया और उनके बल्ले से कई आकर्षक शॉट निकले। इसके बाद वह भी रिटायर्ड आउट हुए ताकि अन्य

बल्लेबाजों को अभ्यास का मौका मिल सके।

मानव सुथार ने भी 41 रन की उपयोगी पारी खेली, लेकिन वह LBW होकर पवेलियन लौट गए। दिन के अंत में गुर्नूर ब्रार ने तेजी से रन बनाते हुए नाबाद 36 रन बनाए, जिसमें आखिरी ओवर में लगाए गए चार छक्के भी शामिल रहे। उनके साथ सरांश जैन क्रीज पर हैं।

इससे पहले श्रीलंका क्रिकेट XI ने पहले दिन 363/8 का स्कोर बनाया था। निशान मदुश्का ने 66 और रविंदु रसनथा ने 71 रन बनाए थे। भारत की ओर से रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और मानव सुथार ने स्पिन से प्रभाव छोड़ा था। अब तीसरे दिन भारत की नजरें पहले श्रीलंका XI पर बढ़त लेने और अपने बल्लेबाजों को अधिक से अधिक मैच अभ्यास देने पर होंगी। शुबमन गिल उंगली की चोट के कारण वॉर्म-अप मैच में बल्लेबाजी नहीं कर रहे हैं, लेकिन टीम मैनेजमेंट को उम्मीद है कि वह 15 अगस्त से शुरू होने वाले पहले टेस्ट तक फिट हो जाएंगे।

संघर्ष से शिखर तक पहुंचीं मीराबाई चानू, विश्व वेटलिफ्टिंग की बनी मिसाल

नई दिल्ली । भारतीय महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू की सफलता की कहानी संघर्ष, मेहनत और दृढ़ संकल्प का प्रेरणादायक उदाहरण है। साधारण परिवार में जन्मी मीराबाई ने आर्थिक कठिनाइयों और सीमित संसाधनों के बावजूद अपने हौसले के दम पर विश्व खेल जगत में अलग पहचान बनाई। कॉमनवेल्थ खेलों के इतिहास में लगातार तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली वह दुनिया की पहली महिला वेटलिफ्टर बन चुकी हैं। 8 अगस्त 1994 को मणिपुर के इंफाल के निकट नोंगपोक काकचिंग में जन्मी मीराबाई बचपन से ही असाधारण शारीरिक क्षमता रखती थीं। वह जंगल से लकड़ियों के भारी गट्ठर उठाकर पहाड़ी रास्तों से घर तक लाती थीं। परिवार का खेलों से कोई संबंध नहीं था, लेकिन माता-पिता ने उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए हमेशा उनका उत्साह बढ़ाया। शुरुआत में उनकी रुचि तीरंदाजी में थी, लेकिन भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में वेटलिफ्टिंग का अभ्यास देखकर उन्होंने इसी खेल को अपना लक्ष्य बना लिया। वर्ष 2008 में मीराबाई ने मणिपुर स्पोर्ट्स अकादमी में प्रशिक्षण शुरू किया। आर्थिक तंगी इतनी थी कि अकादमी पहुंचने के लिए उन्हें कई बार बालू और पत्थर ढोने वाले ट्रकों से लिफ्ट लेकर सफर करना पड़ता था। घरेलू प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्होंने 2014 के कॉमनवेल्थ खेलों में 48 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। इसके बाद मीराबाई ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

लंबे प्रारुप में खेलने की तैयारी में लगे वैभव, आरआर अकादमी में कर रहे अभ्यास

नागपुर । उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब लाल गेंद क्रिकेट में क्रिकेट में जगह बनाने के लिए नागपुर के पास तलेगांव स्थित राजस्थान रॉयल्स (आरआर) अकादमी में अभ्यास कर रहे हैं। इस अकादमी का अपना सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भी है जिसमें वैभव लंबे प्रारुप के अनुसार अपने को ढ़ालने में लगे हैं। वैभव ये अभ्यास सहायक कोच विक्रम राठौर की देखरेख में कर रहे हैं। वैभव के साथ ही कई अन्य उभरते हुए क्रिकेटर भी इसमें अभ्यास कर रहे हैं। वैभव ने अब तक सीमित ओवरों के टी20 प्रारुप में ही खेला है। 15 आईपीएल में आक्रामक बल्लेबाज के बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी अवसर मिला। आईपीएल की तरह ही उन्होंने टी20 प्रारुप में भी जमकर रन बनाये। वैभव का कहन है कि उसे

लंबे प्रारुप में भी खेलने में कोई परेशानी नहीं है। वैभव के अनुसार वह इस प्रारुप में भी सीमित ओवरों जितना ही सहज हैं। वर्तमान में फ्रेंचाइजी ने 10 दिन का विशेष कैंप आयोजित किया है, जिसमें वैभव के अलावा तुषार देशपांडे, संदीप शर्मा, शुभम दुबे, रवि सिंह और सुशांत मिश्रा जैसे उभरते खिलाड़ी अपना कौशल निखारने में लगे हैं। इसमें से वैभव और तुषार को आगामी दलीप ट्रॉफी में ईस्ट और वेस्ट जोन से खेलना है। लंबे प्रारुप वाला दलीप ट्रॉफी, 23 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू होगा। वहीं फ्रेंचाइजी ने कहा है कि इस शिविर में व्यक्तिगत रूप से तैयार किए गए ट्रेनिंग प्रोग्राम के जरिए तकनीकी कौशल विकास, शक्ति और कंडीशनिंग, कार्यभार प्रबंधन, रिकवरी और प्रदर्शन विश्लेषण जैसी चीजें शामिल हैं। इसका लक्ष्य यह पक्का करना है कि खिलाड़ी शारीरिक और तकनीकी रूप से बेहतर होकर घरेलू सत्र के लिए तैयार रहे।

कैनेडियन ओपन में लेला फर्नांडीज ने मीरा आंद्रीवा को हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा की टेनिस खिलाड़ी लेला फर्नांडीज ने कैनेडियन ओपन के महिला एकल मुकाबले के तीसरे दौर में रूस की मीरा आंद्रीवा को 6-1, 6-4 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया है। यूएस ओपन 2021 के फाइनल तक का सफर तय करने वाली फर्नांडीज के लिए यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्होंने दुनिया की टॉप-10 खिलाड़ियों के खिलाफ अपनी लगातार सात हार का सिलसिला तोड़ा। इस जीत के साथ, फर्नांडीज ने अपने देश के इस खास टूर्नामेंट में अपने अब तक के सबसे अच्छे नतीजे की बराबरी की है और अब उनका मुकाबला पूर्व यूएस ओपन विजेता और जापान की खिलाड़ी नाओमी ओसाका से होगा।

फर्नांडीज, जो 30वीं रैंकिंग पर हैं, ने पांचवीं वरीयता प्राप्त आंद्रीवा के खिलाफ मात्र 1 घंटे 21 मिनट में यह शानदार जीत दर्ज की।

यह एक साल से भी ज्यादा समय में किसी टॉप-10 खिलाड़ी के खिलाफ उनकी पहली जीत है; पिछली बार उन्होंने मुबाडाला डीसी ओपन में विश्व की नंबर 4 खिलाड़ी जेसिका पेगुला को मात दी थी। मैच में फर्नांडीज ने शुरुआती बढ़त बनाते हुए 6-1, 5-1 तक का स्कोर आसानी से हासिल कर लिया था। हालांकि, 20 वर्षीय आंद्रीवा ने वापसी करते हुए आठवें गेम में 0-30 से पिछड़ने के बावजूद गेम अपने नाम किया और स्कोर 5-4 कर दिया। लेकिन 5-4 के स्कोर पर फर्नांडीज की सर्विस के दौरान आंद्रीवा का 0-15 पर फोरहैंड शॉट चूकना निर्णायक साबित हुआ और फर्नांडीज ने तीन अंक बाद ही जीत पक्की कर ली। मैच के बाद फर्नांडीज ने अपनी रणनीति का खुलासा करते हुए कहा, मेरे लिए सबसे जरूरी था सकारात्मक रहना, मजबूत बने रहना और सब्र रखना। मुझे पता था कि वह आसानी से अंक नहीं देने वाली थीं। शुरुआत में कई लंबी रैलियां हुईं और मेरे लिए महत्वपूर्ण था कि मैं डटी रहूं, अपनी काबिलियत पर भरोसा रखूं और पूरे मैच के दौरान अपना गेम खेलती रहूं। मैच के आंकड़े भी उनकी सधी हुई रणनीति का समर्थन करते हैं। आंद्रीवा ने पहले सेट में 19 और पूरे मैच में कुल 34 अनफोर्स्ड एरर किए, जो उनके 17 विनर्स से दोगुने थे। वहीं, फर्नांडीज ने आठ विनर्स लगाए और केवल सात अनफोर्स्ड एरर किए, जिससे उनकी निरंतरता और सटीकता स्पष्ट होती है। अब फर्नांडीज राउंड ऑफ 16 में नाओमी ओसाका (11वीं वरीयता प्राप्त) से भिड़ेंगी, जिन्होंने एलिस मर्टेंस को 6-1, 6-4 से हराया था।

रियल मैड्रिड ने 2032 तक बढ़ाया विनिसियस जूनियर का अनुबंध, क्लब के साथ जारी रहेगा लंबा सफर

नई दिल्ली । ब्राजील के स्टार फुटबॉलर विनिसियस जूनियर ने स्पेन के दिग्गज क्लब रियल मैड्रिड के साथ अपना अनुबंध जून 2032 तक बढ़ा लिया है। क्लब ने आधिकारिक बयान जारी कर इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि दोनों पक्ष नए समझौते पर सहमत हो गए हैं। इस फैसले के साथ ही पिछले कई महीनों से उनके संभावित ट्रांसफर को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया है। हाल के समय में स्पेनिश मीडिया में ऐसी खबरें सामने आई थीं कि विनिसियस क्लब छोड़ सकते हैं और इंग्लैंड के क्लब आर्सेनल की उन पर नजर है। हालांकि नए अनुबंध के बाद साफ हो गया है कि वह आने वाले वर्षों में भी रियल मैड्रिड की योजनाओं का अहम हिस्सा बने रहेंगे। नए सत्र में उनके साथ किलियन एम्बाप्पे, बर्नार्डो सिल्वा और डियोमांडे जैसे खिलाड़ी टीम के आक्रमण को मजबूती देंगे। वहीं मजबूत फॉरवर्ड लाइन के कारण एंड्रिक और ब्राहिम डियाज के भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हो सकती हैं। विनिसियस ने वर्ष 2018 में 18 वर्ष की उम्र में रियल मैड्रिड का दामन थामा था। आठ सत्रों में उन्होंने क्लब के लिए 375 मुकाबले खेले और 128 गोल किए। इस दौरान उन्होंने टीम को दो यूईएफए चैंपियंस लीग, तीन क्लब विश्व कप, दो यूईएफए सुपर कप, तीन ला लीगा, एक कोपा डेल रे और तीन स्पेनिश सुपर कप सहित कुल 14 बड़े खिताब जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पिछले दो चैंपियंस लीग फाइनल में उनके गोल टीम की सफलता के लिए निर्णायक साबित हुए। व्यक्तिगत उपलब्धियों में भी विनिसियस का रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्हें वर्ष 2024 का द बेस्ट फीफा मेंस प्लेयर पुरस्कार मिला। इसके अलावा इंटरकॉन्टिनेंटल कप 2024 में गोल्डन बॉल, 2023-24 चैंपियंस लीग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, 2022 क्लब विश्व कप के गोल्डन बॉल और 2021-22 चैंपियंस लीग के सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी का सम्मान भी मिल चुका है। वह फीफा वर्ल्ड इलेवन, फीफा प्रो वर्ल्ड इलेवन और चैंपियंस लीग टीम ऑफ द सीजन में भी कई बार शामिल किए जा चुके हैं। नए अनुबंध के साथ रियल मैड्रिड ने स्पष्ट कर दिया है कि विनिसियस जूनियर आने वाले वर्षों में भी क्लब की भविष्य की रणनीति के केंद्र में रहेंगे।

जमशेदपुर एफसी के खिलाड़ियों ने टाटा समूह से टीम भंग करने के फैसले पर पुनर्विचार करने कहा

कोलकाता । जमशेदपुर एफसी के इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) से हटने और अपनी सीनियर टीम को भंग करने के फैसले से भारतीय फुटबॉल जगत सदमें में है। इस घोषणा के बाद से ही क्लब के खिलाड़ी हताश हैं और उन्होंने टाटा समूह से अपने फैसले पर फिर से विचार करने की अपील की है। खिलाड़ियों के अनुसार ये कदम केवल एक टीम के बंद होने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा प्रभाव भारतीय फुटबॉल के भविष्य के साथ ही उभरती हुई प्रतिभाओं पर पड़ेगा। भविष्य और अनगिनत युवा खिलाड़ियों के सपनों पर पड़ेगा। गौतरतलब है कि जमशेदपुर एफसी ने इस हाल ही में कहा था कि वह 4 सितंबर से शुरू होने वाले सुपर लीग सत्र में भाग नहीं लेगी। यह घोषणा क्लब द्वारा लीग भागीदारी शुल्क जमा करने की तय समय सीमा निकल जाने के कुछ ही समय बाद की गई थी। इस फैसले के साथ ही क्लब की सीनियर टीम को भंग करने की भी घोषणा कर दी गयी जिससे खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के भविष्य पर संशय के बादल छा गये हैं। इस फैसले से निराश क्लब के

अनुभवी मिडफील्डर प्रणय हल्दर ने कह कि उन्हें टाटा समूह से ऐसी उम्मीदें नहीं थी। उन्होंने बेहद भावुक अपील करते हुए कहा, यह मेरे लिए बेहद हैरान करने वाली खबर थी। टाटा समूह से ऐसी उम्मीद नहीं थी। मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वे अपना फैसला बदलें और लीग में हिस्सा लें। हल्दर ने साथ ही कहा कि इस क्लब से उनकी कई यादें जुड़ी हैं और उन्हें पूरी उम्मीद है कि समू के प्रमुख इस फैसले पर दोबारा विचार करेंगे। उन्होंने साथ ही कहा कि आईएसएल उभरतते हुए खिलाड़ियों के लिए एक बहुत बड़ा मंच है, और इसके बंद होने से कई प्रतिभाओं का भविष्य खराब हो जाएगा। वहीं पूर्व अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर अल्बिनो गोम्स ने भी क्लब को बंद करने के फैसले पर नाराजगी जतायी। उन्होंने इस मुद्दे को केवल एक क्लब का मामला मानने से इनकार करते हुए कहा कि यह भारतीय फुटबॉल के भविष्य से जुड़ा हुआ है। गोम्स ने अपनी अपील में कहा, इस क्लब को बंद करना मुझे बिल्कुल स्वीकार नहीं है। मैं टाटा समूह से अपील करता हूं कि वे अपने फैसले पर पुनर्विचार करें। यह सिर्फ एक या दो साल की बात नहीं है, बल्कि भारतीय फुटबॉल के भविष्य का सवाल है। इसके अलावा मिडफील्डर निखिल बारला ने भी टाटा समूह और टाटा स्टील के शीर्ष अधिकारियों से कहा कि वे युवा खिलाड़ियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए अपने फैसले पर फिर विचार करें। उन्होंने कहा कि यह फैसला कई उभरते हुए सितारों के सपनों को तोड़ सकता है और भारतीय फुटबॉल को नुकसान पहुंचा सकता है। अब देखना है कि टाटा समूह इसको लेकर क्या कदम उठाता है।

ऋषभ पंत टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के पूरे करने वाले पहले भारतीय बनने के करीब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत श्रीलंका के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के दौरान एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने के करीब हैं। वह टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बनने से सिर्फ तीन छक्के दूर हैं। भारत और श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से होने वाली टेस्ट सीरीज में ऋषभ पंत के बतौर विकेटकीपर-बल्लेबाज खेलने की संभावना है, जबकि तीन दिवसीय प्रैक्टिस मैच में ध्रुव जुरेल विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। भारत और श्रीलंका के बीच गाले में अगला शनिवार को पहला टेस्ट मैच शुरू होगा। ऋषभ पंत ने अगस्त 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में टेस्ट डेब्यू किया था। अपने आठ साल के करियर के दौरान, उन्होंने 50 टेस्ट खेलते हुए अब तक कुल 97 छक्के लगाए हैं। वह वर्तमान में टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान ऋषभ पंत की नजरें टेस्ट में 100 छक्के पूरा करने पर होंगी। उनको इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए सिर्फ तीन छक्कों की जरूरत है, और अगर वह ऐसा कर पाते हैं, तो वह टेस्ट में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे।

इस समय दुनिया भर में केवल एडम गिलक्रिस्ट, ब्रेंडन मैकुलम और बेन स्टोक्स ने ही टेस्ट क्रिकेट में 100 से अधिक छक्के लगाए हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में शीर्ष पर हैं। उन्होंने 2013 से 2026 के बीच 122 टेस्ट मैचों में 138 छक्के लगाए हैं। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज ब्रेंडन मैकुलम हैं, जिन्होंने 101 टेस्ट में 107 छक्के मारे हैं। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट टेस्ट में 100 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज रहे थे। उन्होंने 1999 से 2008 के बीच 96 मैचों में 100 छक्के लगाए थे। पंत ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में शानदार पारी खेली थी, जिसमें उन्होंने 121 गेंद में 81 रन बनाए और अपनी पारी में 6 चौके और 3 छक्के लगाए। हाल के दिनों में घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखलाओं में भारतीय बल्लेबाजों की सबसे बड़ी कमजोरी बेहतर स्पिन गेंदबाजी के सामने उजागर हुई थी। श्रीलंका के पास विशेष रूप से घरेलू परिस्थितियों में प्रभावी स्पिन आक्रमण है। ऐसे में, पंत की आक्रामक शैली और यह संभावित रिकॉर्ड टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

एमिलियो गे चोटिल, पाकिस्तान टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड की मुश्किल बढ़ी

नई दिल्ली । पाकिस्तान के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड क्रिकेट टीम को एक बड़ा झटका लगा है। टीम के सलामी बल्लेबाज एमिलियो गे डरहम के लिए खेलते हुए अपना दाहिना कंधा चोटिल कर बैठे, जिसके बाद उन्हें मैदान से रिटायर हर्ट होना पड़ा। यह चोट इंग्लैंड की तीन मैचों की टेस्ट सीरीज से ठीक पहले लगी है, जिसके पहले दो मैचों के लिए टीम घोषित हो चुकी है। एमिलियो गे की चोट की गंभीरता का पता लगाने के लिए अब उनका स्कैन किया जाएगा। यदि चोट गंभीर पाई जाती है, तो इंग्लैंड को पाकिस्तान सीरीज के लिए एक नए सलामी बल्लेबाज की तलाश करनी होगी। डरहम के लिए खेलते हुए, जब उन्होंने 17 गेंदों पर 9 रन बनाए थे, तभी उन्हें चोट लगी और उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। टीम के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की है कि गे इस मैच में आगे हिस्सा नहीं लेंगे।

बिग बॉस 13 करियर का टर्निंग पॉइंट रहा

हमेशा सुर्खि़यों में रहने वाली शहनाज गिल फैंस ओर पैपराजी की फेवरेट हैं। सोशल मीडिया पर शहनाज के तकरीबन 19 मिलियंस फॉलोवर्स हैं। इन दिनों वे ख़बरों में हैं अपनी नई पंजाबी फिल्म इश्कनामा से। इस मुलाकात में वे इश्क, शादी, फैंस और बेबाकी पर बिंदास होकर बात करती हैं।

इश्क में धूम मचा दो

आज प्यार को सिचुएशनशिप, होस्टिंग, बेंचिग, जॉम्बिंग जैसे टर्म्स से डिफाइन किया जाता है, जबकि एक जमाने में मोहब्बत, इश्क, उन्स जैसे लफ्ज हुआ करते थे, आपके लिए प्यार क्या है? इस सवाल पर शहनाज कहती हैं, 'इश्क को लेकर तो मुझे एक गाना याद आ रहा है। 'इश्क इश्क करना है कर ले, इश्क इश्क में जी ले मर ले, इश्क इश्क ना हो दोबारा, धूम मचा ले' मुझे लगता है इश्क धूम है, तो इश्क में धूम मचा दो। मगर मैं कभी मर-मिटने वाले जुनूनी प्यार में नहीं पड़ी। मुझे वैसा वाला इश्क नहीं हुआ।'

पंजाबी सिनेमा से अपने करियर की शुरुआत करने वाली शहनाज के लिए बिग बॉस 13 करियर का टर्निंग पॉइंट रहा। उसी के बाद शहनाज की मासूम, बेबाक और बिंदास इमेज बनी, जो लगातार आज भी जारी है। हमने उनसे जानना चाहा कि इस इमेज का उन्हें खामियाजा उठाना पड़ा है या फायदा हुआ है? इस पर उनका कहना है, 'नुकसान ज्यादा और फायदा कम होता है, मगर मुझे लगता है, दोनों बराबर ही होता है। कई लोग इस चीज को सपोर्ट करते हैं, तो कई लोग ये भी कहते हैं, 'क्या बोल रही है? क्यों बोल रही है, शी इज सो रूड,' मगर सॉरी लोगों के लिए मैं खुद को नहीं बदल सकती। मैं जो कुछ कहती हूं, मुंह पर कह देती हूं। मैं ऑनेस्ट हूं, मगर मैं किसी से हर्ट हूं, तो अपना हर्ट होना झट से बता देती हूं। उस वक्त मैं सामने वाले को हर्ट करने के चक्कर में अपने भीतर की सारी अच्छाई और कोमलता छुपा कर जाता देती हूं कि आपने मुझे दुख पहुंचाया है। ऐसा करके मुझे जवाब मिल जाता है कि सामने वाले ने मेरे साथ ऐसा क्यों किया। सच कहूं, तो मैं भले अपनी लाइफ में सॉर्टेड हूं। लेकिन मुंह बंद नहीं करूंगी।'

सच्चे फैंस को गले लगा लेती हूं

सोशल मीडिया हो या फैंस अथवा हो पैपराजी शहनाज गिल हर किसी की फेवरेट हैं। वे अपने फैंस और पैपराजी से बड़े प्रेम से पेश आती हैं। इस पर शहनाज कहती हैं, 'जो लोग मुझे जेनुइनली प्यार करते हैं, उनकी वाइब्स मुझे पता चल जाती हैं। जो मेरे सच्चे फैंस हैं, मैं उन्हें पहचान जाती हूं, तो जो वाकई मुझे प्यार करते हैं, मैं उन्हें पकड़ कर गले लगा लेती हूं।'

अपने परिवार में किसी एक को दोस्त बनाना जरूरी है

बहुत कम लोग जानते हैं कि ग्लैमर वर्ल्ड में आने से पहले शहनाज पर भी आम लड़कियों की तरह परिवार की तरफ से शादी का बहुत प्रेशर था। वे कहती हैं, 'मुझ पर काफी प्रेशर था शादी का। मैं जब भी शादियों में शामिल होती थी, तो मुझे रिश्तेदार पसंद कर लेते थे और रिश्ता भेज देते थे। मगर मैं उन रिश्तों को भगाने के लिए बहुत एटिट्यूड में रहती थी कि अगर मुझसे रिश्ता किया गया, तो मैं लड़के के घरवालों एक बैंड बजा दूंगी। इससे लड़के वाले भाग जाते थे।(हंसती हैं) मगर यहां मैं यही कहूंगी कि जब भी किसी लड़की पर शादी का दबाव बनाया जाए, तो उसे अपने दादा-दादी, मम्मी -पापा किसी से झिझकना नहीं चाहिए। अपनी बात बताना और रखना जरूरी है। आप इस बारे में बाहर बात करते हैं, अपने फ्रेंड्स से शेयर करते हैं, पर मैं कहूंगी कि अपने परिवार के अंदर दोस्त बनाओ। परिवार में कम से कम एक ऐसा दोस्त बनाओ, जो आपके इतना करीब हो कि उसे आप अपनी हर बात साझा कर सको।

....तब सोशल मीडिया से चार दिन की छुट्टी ले लेती हूं

अपने आसपास की नेगेटिव एनर्जी से डील करने के टिप्स देते हुए वे कहती हैं, 'मैं पॉजिटिव और हाइड्रेटेड रहती हूं। अपना मेकअप करती हूं। अगर मुझे अपने बारे में कुछ ज्यादा ही नेगेटिव दिख रहा है, तो फिर मैं थोड़ी देर के लिए फोन स्विच ऑफ कर लेती हूं। अपने करीबियों को बुलाती हूं और उनके साथ थोड़ी मौज -मस्ती करती हूं। फिर मैं चार दिन तक सोशल मीडिया देखती तक नहीं। इससे मेर दिमाग उन चीजों से दूर हो जाता है। वैसे भी चार दिन बाद कोई भी खबर ठंडी पड़ जाती है। मगर इन चार दिनों में मैं जम कर मजे करती हूं।'

अपकमिंग वेब सीरीज 'तीन कौवे' में नजर आएंगी फातिमा सना शेख

फातिमा सना शेख अपनी अपकमिंग वेब सीरीज 'तीन कौवे' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर इस सीरीज में काम कर रहे कलाकारों के साथ तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ उन्होंने एक शानदार कैप्शन लिखा है। उन्होंने सभी साथियों को गैंगस्टर बुलाया है। फातिमा सना शेख ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उसमें सिद्धांत गुप्ता और बॉबी देओल नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर में फातिमा सबके साथ सेल्फी ले रही हैं। एक और तस्वीर में वह बॉबी देओल के साथ विक्ट्री साइन बनाते हुए पोज दे रही हैं। एक और तस्वीर में फातिमा सिद्धांत से बेबाकी से नजरें मिला रही हैं।

तस्वीरें शेयर करते हुए फातिमा सना शेख ने लिखा 'गैंगस्टर। तीन कौवे गैंग। हम मजे में हैं। मैं सिर्फ एक लड़की हूं। सबसे अच्छी लड़की। मुसीबत खड़ी करने वाली। बॉबी देओल महान हैं। बात खत्म।'

सीरीज की स्टारकास्ट

आपको बता दें कि 'तीन कौवे' अमेजन प्राइम वीडियो पर आने वाली अपकमिंग सीरीज है। इसमें सिद्धांत गुप्ता, बॉबी देओल और फातिमा सना शेख मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसमें पावेल गुलाटी, रोनित रॉय, ईशा तलवार, चांदनी बैंज और फैसल मलिक भी हैं। इसका निर्देशन प्रियंका घोष कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'तीन कौवों' की कहानी एक ऐसे पूर्व सीक्रेट एजेंट के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे सात साल से मृत मान लिया गया था। मगर गद्दार करार दिए जाने के बाद वह अपना नाम साफ करने के लिए वापस लौटता है। यह सीरीज इस साल के आखिर में रिलीज हो सकती है।

दीया मिर्जा ने बताया क्यों कर रही हैं फिल्मों में छोटे रोल

दीया मिर्जा उन अभिनेत्रियों में से एक हैं जो ब्रेक लेकर काम करना पसंद करती हैं। 2026 में वह अब तक 'अल्फा' और 'इक्का' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। जल्द ही उनका तीसरा प्रोजेक्ट वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' भी रिलीज होगा। एक बातचीत में दीया ने अपने अभिनय के उतार-चढ़ाव पर रोशनी डाली। साथ ही बताया कि इन दिनों वह फिल्मों में छोटे रोल क्यों कर रही हैं।

भूमिका की लंबाई नहीं आधार होना चाहिए

फिल्म 'इक्का' और 'अल्फा' में दीया का रोल काफी छोटा था। बातचीत के दौरान उन्होंने इस बारे में अपनी राय साझा की। दीया ने कहा, 'किसी कहानी का हिस्सा बनने का निर्णय कभी भी भूमिका की लंबाई के आधार पर नहीं लिया जाना चाहिए। मुझे लगता है कि इसका निर्धारण उस किरदार के अंदर की गहराई या सच्चाई के आधार पर होना चाहिए। कभी-कभी आप उस किरदार से भी आकर्षित हो जाते हैं जिसे आपको निभाना होता है और आपको लगता है कि आप उस सच्चाई को जी सकते हैं जिसे वह किरदार साकार करना चाहता है।'

'ऑपरेशन सफेद सागर' में भी छोटा ही होगा किरदार

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'अपने करियर के पहले पांच साल में मैं युवा और अनुभवहीन थी और खुद को समझने की कोशिश कर रही थी। हो सकता है कि मैंने कुछ बेहतरीन प्रोजेक्ट्स को इसलिए ठुकरा दिए हो क्योंकि उनमें स्क्रीन टाइम कम थीं। लेकिन अपने करियर के पिछले 20 साल में मैंने ऐसा कभी नहीं किया।' दीया मिर्जा 'ऑपरेशन सफेद सागर' में विंग कमांडर टोनी धनोआ की पत्नी का किरदार निभा रही हैं। यह सीरीज 7 अगस्त को नेटफिलक्स पर रिलीज होने जा रही है। इसका निर्देशन ओनी सेन ने किया है। इस सीरीज में सिद्धार्थ, जिमी शेरगिल, अभय वर्मा, दीया मिर्जा, प्राजक्ता कोली, आदिल हुसैन, मिहिर आहूजा, तारुक रैना, अर्णव भसीन और अमृता बागची जैसे कलाकार हैं।

हीर रांझा में लीड रोल निभाएंगे रोहित सराफ

फिल्म 'हीर रांझा' को लेकर कई एक्टर्स के नाम सामने आ रहे हैं, जिनमें रोहित सराफ का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया कि रोहित जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। लेकिन साजिद अली ने अब इन खबरों पर बड़ा अपडेट दिया है।

कास्टिंग पर बात करते हुए साजिद अली ने कहा, 'अभी तक कुछ भी फाइनल नहीं हुआ है। ये पुरानी खबर फिर से सामने आ गई है, पता नहीं कहां से।' उन्होंने यह भी साफ किया कि फिल्म की फीमेल लीड, जिसे एक नई एक्ट्रेस माना जा रहा है, वह भी अभी तक तय नहीं हुई है। साजिद अली ने बताया कि फिल्म की शूटिंग अक्टूबर के बीच में शुरू होगी, उससे पहले नहीं। उन्होंने कहा, 'अभी ज्यादा बात करने जैसा कुछ नहीं है, लेकिन हम अक्टूबर के बीच में शूटिंग शुरू करेंगे। हम देहरादून में शूट करेंगे।'

'हीर रांझा' के बारे में

साजिद अली के निर्देशन में बनने वाली 'हीर रांझा', 'लैला मजनू' फ्रेंचाइजी का दूसरा हिस्सा होगी। मेकर्स के मुताबिक, यह फिल्म दर्शकों के साथ इमोशनल जुड़ाव को आगे बढ़ाएगी। मेकर्स ने कहा कि, 'यह फिल्म क्लासिक रोमांस पर आधारित होगी, लेकिन आज के समय के हिसाब से बनाई जाएगी। 'हीर रांझा' नई पीढ़ी के लिए प्यार को नए तरीके से दिखाएगी और एक इमोशनल और पोएटिक सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है। टाइटल सामने आते ही 'लैला मजनू' के फैंस में काफी एक्साइटमेंट देखी गई है।'

नेपो किड कहे जाने पर बोलीं रिवा किशन

अभिनेता रवि किशन की बेटी रिवा किशन ने नेपो कहे जाने पर अपनी बात रखी है। हाल ही में वह रियलिटी शो 'अलायंस' में नजर आई थीं। उनका कहना है कि वह रवि किशन का सरनेम इस्तेमाल करने के साथ-साथ कुछ खास फायदे और दबाव भी महसूस करती हैं।

मैंने कड़ी मेहनत देखी है

रिवा कहती हैं 'मैंने बहुत करीब से देखा है कि इस प्रोफेशन में असल में क्या चाहिए होता है। लोग अक्सर सफलता देखते हैं लेकिन मैंने उसे पाने के लिए बरसों का अनुशासन, हिम्मत और कड़ी मेहनत देखी है। अपने पिता को अलग-अलग इंडस्ट्रीज में काम करते और खुद को लगातार बदलते हुए देखकर मैंने सीखा कि लंबे समय तक टिके रहने के लिए हर दिन मेहनत करनी पड़ती है।'

अपनी जगह बनाऊंगी

वह आगे कहती हैं, 'मुझे रवि किशन की बेटी होने पर बहुत गर्व है, यह मेरी पहचान का एक ऐसा हिस्सा है, जिससे मैं कभी पीछे नहीं हटूंगी। लेकिन मैं यह भी जानती हूं कि एक एक्टर के तौर पर मुझे अपनी अलग पहचान बनानी होगी और अपनी जगह खुद बनानी होगी।'

उम्मीद तो रहेगी

वह कहती हैं 'उम्मीदें तो हमेशा रहेंगी, चाहे मेरे सरनेम की वजह से हों या इसलिए कि लोग यह देखने के लिए उत्सुक हों कि मैं क्या नया लेकर आती हूं। मैंने इसे दबाव के बजाय प्रेरणा के तौर पर देखा है। मेरे लिए सफलता का मतलब अपने पिता की परछाई से बाहर निकलना नहीं है, बल्कि अपनी खुद की पहचान के साथ आत्मविश्वास से खड़े होना है।'

गलती से सीखूंगी

उन्होंने कहा 'मैंने इस सफर को कभी ऐसा नहीं माना कि मुझे अपने पिता से अलग होना है, न ही ऐसा कि यह मुझे विरासत में मिल जाएगा। उनकी विरासत उनकी अपनी है, मेरी जिम्मेदारी अपनी खुद की पहचान बनाना है। अगर मैं कामयाब होती हूं, तो मैं चाहूंगी कि यह मेरी लगातार अच्छी परफॉर्मेंस की वजह से हो। अगर मैं नाकाम होती हूं, तो मैं उससे सीखना चाहूंगी। मैं और और मजबूत होकर वापसी करना चाहूंगी।

क्या आप तैयार हैं फर्स्ट इंप्रेशन के लिए?

आज के समय में सिर्फ कॉलेज की पढ़ाई पूरी कर लेना ही काफी नहीं है। जॉब पाने के लिए प्रोफेशनल एटिकेट्स की समझ-बूझ होना भी बहुत जरूरी है। इसी से आपकी एक इमेज भी बनती है। जब आप इंटरव्यूअर के साथ बैठते हैं, तो फर्स्ट इंप्रेशन बनने में महज कुछ सेकंड का समय ही लगता है। इतने ही वक्त में आपके बारे में एक राय बन जाती है। भले ही इस दौरान आप एक भी शब्द न बोलें, लेकिन इंटरव्यूअर आपकी ड्रेसिंग, ग्रूमिंग, चेहरे के भाव और बॉडी लैंग्वेज को देखकर बहुत कुछ समझ जाते हैं। ऐसे में बहुत जरूरी हो जाता है कि आप अच्छा इंप्रेशन बनाने को लेकर चौकस रहें।

'हाथ' देता है संदेश

एक-दूसरे से हाथ मिलाने के स्टाइल से भी आपके व्यक्तित्व और आत्मविश्वास को आंका जा सकता है। इसलिए हैंडशेक को कतई हल्के में न लें। किसी व्यक्ति से मुलाकात के दौरान चेहरे पर मुस्कान रखना और आंख मिलाकर बात करना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है मजबूती और गर्मजोशी से हाथ मिलाना। इतना ही नहीं, हाथ मिलाते समय आप सामने वाले को उत्साही भी दिखें। यह हैंडशेक सही ढंग से होना चाहिए, यानी न तो सामने वाले का हाथ बहुत ज्यादा कसकर पकड़ना चाहिए और न ही इसे ढीला छोड़ना चाहिए। आम तौर पर हैंडशेक के दौरान हाथ को दो-तीन बार हिलाना सही माना जाता है।

ड्रेसिंग-ग्रूमिंग पर ध्यान

प्रोफेशनल ड्रेसिंग और सोशल ड्रेसिंग मौके के हिसाब से उपयुक्त होना चाहिए। अगर आप पहली बार जॉब के लिए इंटरव्यू देने जा रहे हैं, तो आपको यह फर्क समझना होगा। इंटरव्यू के लिए जाने हेतु पुरुषों के लिए डार्क कलर का ट्राउजर और लाइट कलर की फॉर्मल शर्ट ही श्रेष्ठ होती है। हल्की-फुल्की धारीदार शर्ट भी पहन सकते हैं। ऐसे मौके पर पैटर्न या डिजाइन वाले कपड़े पहनने से बचें। महिलाएं स्ट्रेट-कट कुर्ता पहन सकती हैं। चाहें, तो साड़ी भी पहन सकती हैं। मगर ध्यान रहे, इसमें ज्यादा तड़क-भड़क न हो। अगर वेस्टर्न ड्रेस पहनना चाहें, तो स्ट्रेट-कट, वेल फिटिंग ट्राउजर पहन सकती हैं। ऐसे मौकों पर एक्सेसरी व मेकअप के मामले में जितना सिंपल रहें, उतना बेहतर होता है।

रेज्यूमे में कॉपी-पेस्ट नहीं!

रेज्यूमे आपकी प्रोफेशनल लाइफ का आईना होता है। इसलिए इसको लेकर हमेशा गंभीरता बरतें। कई युवा अपना रेज्यूमे बनाते समय किसी दोस्त के रेज्यूमे को लगभग जस-का-तस कॉपी-पेस्ट कर देते हैं। यह बिल्कुल गलत है। कारण यह कि हर व्यक्ति की शख्सियत और खासियत अलग होती है और इसी प्रकार हर जॉब के लिए अलग तरह के रेज्यूमे की जरूरत होती है। अगर कोई हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में काम कर रहा है, तो उसके रेज्यूमे को कॉपी-पेस्ट करके आप आईटी सेक्टर में जॉब के लिए आवेदन नहीं कर सकते। रेज्यूमे में आपकी अपनी शख्सियत झलकनी चाहिए। इसमें आपके अनुभव, काम, हॉबी, कॉलेज के प्रोजेक्ट्स आदि का उल्लेख हो। कोशिश करें कि इसमें स्पेलिंग या ग्रामर की गलतियां बिल्कुल न हों। ऐसी गलतियों से आपके बारे में नकारात्मक इंप्रेशन बनता है। रेज्यूमे बनाने के बाद इसे किसी सीनियर या जानकार को एक बार जरूर दिखा दें ताकि उसमें कोई कमी रह जाने पर उसे दूर किया जा सके।

जॉब पाने के बाद

अगर आपको जॉब मिल जाती है, तो वर्कप्लेस पर विनम्र और मिलनसार बने रहना कई मायनों में फायदेमंद होता है। शुरूआती दिनों में कोई शिकायत या दूसरों की आलोचना करने से बचें। अपना ध्यान सिर्फ काम पर लगाएं। जो जिम्मेदारी आपको दी गई है, उसे बेहतर तरीके से निभाने की कोशिश करें। काम के प्रति प्रो-एक्टिव रवैया दिखाकर आप बॉस की नजर में अच्छा इंप्रेशन बना सकते हैं। सोशल मीडिया पर आजकल लगभग सभी सक्रिय हैं। मगर ध्यान रहे, अपनी ऑनलाइन इमेज साफ-सुथरी रखना जरूरी है क्योंकि आपके बारे में इंप्रेशन बनाने में इसका भी योगदान होता है।

बाजार के बदलते मिजाज पर रखिए नजर

कंपनियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के चलते मार्केट रिसर्च बड़े उद्योग के रूप में उभर रहा है। यहां आपके लिए जॉब के कई अवसर है।

बाजार में किसी भी उत्पाद की लॉन्चिंग से पहले कंपनियों के जेहन में एक बात जरूर होती है कि लोगों को उनका उत्पाद पसंद आएगा या नहीं। लोग क्या पसंद करते हैं? उत्पाद की बिक्री कैसी रहेगी.? इन सवालों के जवाब पाने के लिए कंपनियां बाकायदा मार्केट रिसर्च कराती हैं। फिर मार्केटिंग की रणनीति बनाती हैं। ऐसा कमोबेश सभी कंपनियां करती हैं। यही वजह है कि बीते कुछ वर्षों में मार्केट रिसर्च की अहमियत बढ़ी है क्योंकि बाजार का मिजाज रोज बदल रहा है। किसी भी उत्पाद की लॉन्चिंग में कंपनियों के करोड़ों रुपए दांव पर लगे होते हैं। इसलिए कंपनियां कोई रिस्क नहीं लेना चाहतीं। किसी प्रोडक्ट या सर्विस की लॉन्चिंग/ रीलॉन्चिंग से पहले वे मार्केट सर्वे का सहारा जरूरी लेती हैं। मार्केट रिसर्च सोसायटी ऑफ इंडिया की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश में रिसर्च इंडस्ट्री की वर्तमान विकास दर करीब 10 प्रतिशत है। इसमें आगे और विस्तार की उम्मीद बनी हुई है क्योंकि देश में कंज्यूमर कॉन्फिडेंस लगातार बढ़ रहा है।

सर्वे का बढ़ता स्कोप मार्केट रिसर्च कंपनियों की सेवाएं निजी कंपनियों के साथ अब राजनीतिक दल भी खूब लेने लगे हैं। आम तौर पर सभी राजनीतिक पार्टियां टिकट बंटवारे से लेकर चुनावी व्यूह रचना और घोषणापत्र तक मार्केट रिसर्च के आधार पर ही तैयार करती हैं। चुनाव पूर्व सर्वे के जरिये जनता का मूड जानने की कोशिश भी की जाती है। टीवी चैनल्स और अखबारों में छपने वाले ओपिनियन पोल और एक्जिट पोल की लोकप्रियता से तो सभी वाकिफ हैं।

कैसे होती है मार्केट रिसर्च?

मार्केट रिसर्चर या एनालिस्ट का कार्य मुख्य रूप से सर्वे और रिसर्च से जुड़ा है। अपने तरीकों से ये प्रोफेशनल बाजार का मूड टटोलने की कोशिश करते हैं। दरअसल, यह भी एक मार्केटिंग रणनीति है। उत्पाद की लॉन्चिंग से पहले सर्वे कराने से यह पता चलता है कि प्रतिस्पर्धा में कौन-कौन-से उत्पाद हैं, उनकी कीमत क्या है, बिक्री क्या है? कंपनी की मार्केटिंग रणनीति क्या है? बाजार में नए उत्पान की बिक्री का स्कोप क्या है? साथ ही, कंपनियां यह भी जानना चाहती हैं कि लोग क्या पसंद करते हैं, उन्हें क्या नया पसंद आएगा आदि। इन सभी सवालों का फीडबैक जुटाने के लिए मार्केट रिसर्चर एक क्वैश्चनेयर नुमा फॉर्म तैयार करते हैं। फिर कंज्यूमर सर्वे कराते हैं। ये सर्वे कई तरह से किए जाते हैं, जैसे टेलिफोन या इंटरनेट के जरिये या फिर ग्राउंड सर्वे। बाद में रिसर्च कंपनियां क्लाइंट कंपनी के लिए एक रिपोर्ट या प्रेजेंटेशन तैयार करती हैं। मार्केट रिसर्चर के इन्हीं सुझावों के आधार पर आखिरकार कंपनियां अपने उत्पाद या सेवा की लॉन्चिंग करती हैं।

पर्सनल स्किल

मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में काम करने के लिए आपको डाटा एनालिसिस का ज्ञान रखना बहुत जरूरी है। आपकी कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छी होनी चाहिए। इंग्लिश पर अच्छी पकड़ भी होना जरूरी है। बेहतर सेल्समैनशिप और क्रिएटिव क्वॉलिटी भी रखनी होगी। साथ ही, अगर आप टीमवर्क की भावना और काम के प्रति लगन रखते हैं, तो बेझिझक मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।

जॉब प्रोफाइल

मार्केट रिसर्च का कार्य मुख्य तौर पर दो हिस्सों में बंटा है : फील्ड वर्क और रिसर्च वर्क। इसलिए यहां अलग अलग पृष्ठभूमि के लोगों के लिए जॉब के अवसर भी खूब हैं। रिसर्च एजेंसीज में आप वाइस प्रेसिडेंट ऑफ मार्केटिंग रिसर्च, रिसर्च डायरेक्टर, असिस्टेंट डायरेक्टर, प्रोजेक्ट मैनेजर, डाटा प्रोसेसिंग स्पेशलिस्ट, एनालिस्ट, फील्ड वर्क डायरेक्टर, फील्ड सुपरवाइजर आदि पदों पर जॉब पा सकते हैं।

कहां हैं जॉब्स?

मौजूदा समय में कई देशी-विदेशी कंपनियां आपको इस फील्ड में जॉब दे सकती हैं। बड़ी कंपनियों में आपको विदेश में भी काम करने का मौका मिल सकता है। इसके अलावा केंद्र व राज्य सरकारों के तमाम विभागों में भी मार्केट रिसर्चर की काफी मांग है। टेलीकॉम कंपनियों में भी जॉब की संभावनाएं हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म और कंसल्टेंसी का विकल्प भी खुला है। अगर चाहें, तो एंटरप्रेन्योर बनकर खुद की रिसर्च एजेंसी भी खोल सकते हैं।

शैक्षणिक योग्यताएं

मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में काम की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता ग्रेजुएशन है। अगर करियर बनाना चाहते हैं, तो बीबीए या मार्केटिंग में एमबीए करके यहां एंट्री लें। साइकोलॉजी, सोश्योलॉजी या एंथ्रोपोलॉजी में ग्रेजुएट भी यहां करियर बना सकते हैं। कम्प्यूटर साइंस में ग्रेजुएट के लिए भी यहां करियर स्कोप है। कई संस्थान मार्केट रिसर्च के लिए डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा कोर्स भी ऑफर कर रहे हैं। वहीं, फील्ड वर्क के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं पास है।

सैलरी कितनी?

रिसर्च कंपनियों में हर तरह के प्रोफेशनल्स को काफी आकर्षक सैलरी मिलती है। रिसर्चर या एनालिस्ट लेवल पर शुरूआत में ही 30 से 40 हजार रुपए महीना आसानी से मिल जाते हैं। अनुभव बढ़ने पर यह सैलरी 70 हजार से 1 लाख रुपए के आसपास भी पहुंच सकती है। फील्ड वर्क से जुड़े लोग भी शुरूआत में 10 से 15 हजार रुपए महीना कमा सकते हैं।

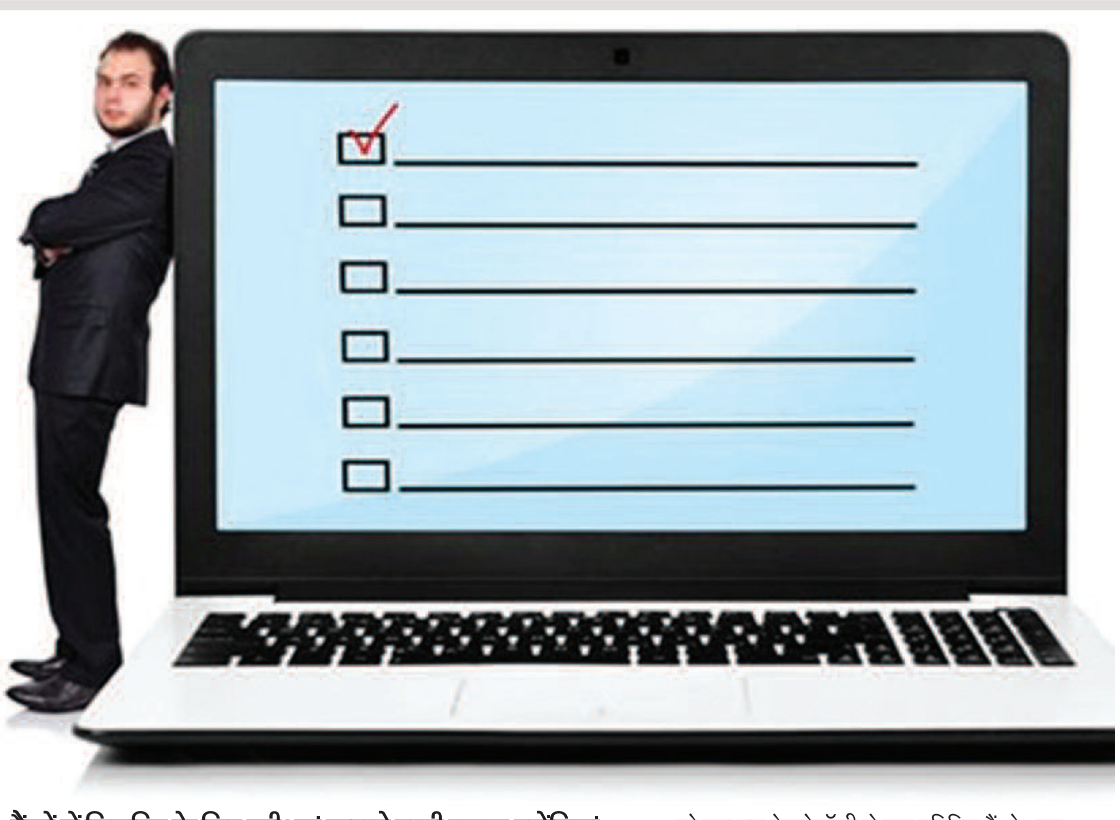

ऑनलाइन एग्जाम से डरें नहीं, अपनाएं ये टिप्स

बैंकों में नियुक्ति के लिए परीक्षाएं कराने वाली प्रमुख एजेंसियां, जैसे आईबीपीएस, एसबीआई और आरबीआई भी कम्प्यूटराइज्ड ऑनलाइन फॉर्मेट में परीक्षा लेना या तो शुरू कर चुकी हैं या ऐसा करने की तैयारी में हैं। ऑनलाइन फॉर्मेट अपनाने पर परीक्षार्थियों और अकादमिक विशेषज्ञों दोनों की ओर से मिश्रित प्रतिक्रियाएं आई हैं। इस बात में कोई शक नहीं कि कम्प्यूराइज्ड एग्जाम के कई फायदे हैं मगर कई लोगों ने इस आधार पर इसका विरोध भी किया है कि इससे कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी तक पहुंच और उसमें सिद्धहस्तता के आधार पर विभिन्न परीक्षार्थियों में भेद किया जाता है।

जो युवा इस टेक्नोलॉजी से कम परिचित हैं, वे अन्य मामलों में योग्य होने हुए भी पिछड़ सकते हैं। कई ऐसे युवा भी हो सकते हैं, जो यूं तो कम्प्यूटर का प्रयोग खूब करते हैं लेकिन परीक्षा ऑनलाइन देने के नाम पर असहज हो जाते हैं। यदि आप भी उन लोगों में से हैं, जो ऑनलाइन बैंकिंग एग्जाम को लेकर चिंतित हैं, तो हम आपके लिए कुछ टिप्स दे रहे हैं, जिनसे आपको निश्चित ही लाभ होगा। ऑनलाइन परीक्षा की तकनीक पर चर्चा करने से पहले यह जानना भी जरूरी है कि आखिर क्यों बैंकिंग परीक्षाओं को ऑनलाइन करने का फैसला किया गया।

ऑनलाइन का है भविष्य

जो भी हो, ऑनलाइन परीक्षाओं के लाभ इसकी हानियों से ज्यादा हैं और भविष्य तो कम्प्यूटराइज्ड परीक्षाओं का ही है। आगे चलकर तमाम परीक्षाएं इसी फॉर्मेट में होने वाली हैं, इसमें कोई संदेह नहीं। अभी तक पेपर-पेन वाली परीक्षाएं देते आए परीक्षार्थियों को शुरू-शुरू में ऑनलाइन परीक्षा थोड़ी असहज लग सकती है लेकिन यह कोई हिमालय लांघने जैसा काम भी नहीं है। वैसे भी, सभी बैंकिंग प्रोफेशनल्स से यह अपेक्षा तो की ही जाती है कि उन्हें कम्प्यूटर का बेसिक ज्ञान हो। तो फिर परीक्षा भी कम्प्यूटर पर ही देने में हिचक कैसी?

परीक्षा के माहौल से परिचित हों

कम्प्यूटराइज्ड बैंक परीक्षाओं की आलोचना का एक आधार यह रहा है कि परीक्षार्थी प्रश्नों के उत्तर देने में सहज नहीं हो पाते और समय पर पेपर पूरा नहीं कर पाते। इस समस्या का समाधान खुद परीक्षार्थी के पास ही है। जो युवा बैंकिंग एग्जाम देने का इरादा रखते हैं, वे परीक्षा के इस नए माहौल से खुद को अभ्यस्त करना शुरू कर दें। इससे आप एग्जाम फॉर्मेट, स्टाइल और प्रश्नों की शैली से परिचित हो जाएंगे।

टेक्नोलॉजी का लाभ उठाएं

टेक्नोलॉजी हमेशा से भविष्य का रास्ता बताती आई है। ऑनलाइन बैंक पीओ एग्जाम भी इससे अलग नहीं है। टेक्नोलॉजी से समय और मेहनत की बचत होती है, यह तो सब जानते हैं। सो आप भी इस बात पर फोकस करें कि आप टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए कैसे कर सकते हैं और कैसे कम समय व कम मेहनत के साथ पेपर हल कर सकते हैं।

अपनी ताकत और कमजोरी पहचानें

एक बार आप ऑनलाइन परीक्षा की टेक्नोलॉजी और फॉर्मेट से परिचित हो जाएं, तो आप अपनी ताकत और कमजोरी को पहचान सकते हैं। फिर आप अपनी कमजोरियों को दूर करने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। मसलन, हो सकता है कि आप कम्प्यूटर पर मैथ्स के प्रश्न तो आसानी से हल कर लें लेकिन स्क्रीन पर इंग्लिश लैंग्वेज के प्रश्न पढ़ने और उनके उत्तर देने में आपको दिक्कत हो रही हो। ऐसे में आप मैथ्स के मुकाबले इंग्लिश की तैयारी पर अधिक ध्यान दे सकते हैं।

ऑनलाइन मॉक टेस्ट

कम्प्यूटराइज्ड आरबीआई बैंक एग्जाम्स के आने के बाद से कई कोचिंग सेंटर्स तथा टेस्ट प्रेप वेबसाइट्स ऑनलाइन मॉक टेस्ट कराती हैं। ये मॉक टेस्ट बैंकिंग एग्जाम के सिलेबस, फॉर्मेट तथा प्रश्नों की शैली को अच्छी तरह समझने के बाद तैयार की जाती हैं। इसलिए इन्हें हल करने पर आप वास्तविक परीक्षा के अनुभव से अवगत हो सकते हैं। इससे नियत समय में पूरा पेपर हल करने में भी आपको मदद मिलेगी।

शॉर्टकट और ट्रिक्स

बैंकिंग एग्जाम में बैठने वाले परीक्षार्थी मैथ्स और क्वॉन्टिटेटिव एबिलिटी के प्रश्न हल करने के लिए कई तरह के शॉर्टकट तथा ट्रिक्स का इस्तेमाल करते आए हैं। ऑनलाइन कम्प्यूटराइज्ड टेस्ट में भी आप ऐसा कर सकते हैं। सच तो यह है कि ऑनलाइन टेस्ट दे चुके कई परीक्षार्थियों का कहना है कि उन्हें इस फॉर्मेट में पहले से कहीं ज्यादा शॉर्टकट और ट्रिक्स हाथ लगी हैं! आप भी इन शॉर्टकट्स और ट्रिक्स को जानें और इन्हें आजमाएं।